

REGISTERED NO. D-(D)—78



# The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई बिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 7, 1978 (आश्वन 15, 1900)

No. 40 ]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 7, 1978 (ASVIN 15, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा भायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 प्रगस्त 1978

सं० ए० 12026/1/78-प्रशा०-II—सिचव, संध लोक सेवा श्रायोग एतद्वारा स्थाई स्वागती तथा स्थानायन्न स्वागत पर्यवेक्षक श्री एस० एल० चोपड़ा को स्वागत श्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तवर्थ श्राधार पर कार्य करने के लिये 4-8-1978 से 3-11-1978 तक की श्रवधि के लिये श्रथवा श्रागामी श्रादेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 ध्रगस्त 1978

सं० ए० 12019/2/78-प्रशा०-Ш—सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग एतद्वारा इस कार्यालय के स्थाई श्रनुसन्धान सहायक (हिन्दी) श्रीमती सुधा भागव तथा श्री चन्द किरण को कनिष्ठ ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थाना-पन्न रूप से तवर्थ ग्राधार पर 2-8-1978 से 30-10-1978 तक की अयिध के लिए अथवा ग्रागामी ग्रावेश तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

प्र० ना० मुखर्जी, ग्रवर सचिव, कृते स**चिव**  नई दिल्ली-110011, दिनांक 31 श्रगस्त 1978

सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० I—इस कार्यालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 20 जुलाई, 1978 में प्रांशिक संशोधन करते हुए संध लोक सेवा प्रायोग में स्थाई वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) तथा स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को जिन्हें 31-8-1978 तक वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की गई थी, 9-8-78 (श्रपराह्म) से निचले पद पर श्रर्थात् स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में प्रस्यावर्तित कर दिया गया है।

दिनांक 6 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/1/78-प्रशासन-I— संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थाई श्रवर सिवव (के० स० से० का ग्रेड I) श्री एम० श्रार० भागवत को 8 मईं, 1978 के पूर्वाह्म से 30 जून, 1978 तक संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर विशेष कार्य श्रिधकारी (परीक्षा) नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी, बावर सि चव

गृह मंद्रालय

(कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्बेषण ब्यूरो

नई बिल्ली, दिनांक 14 सिसम्बर 1978

सं० ए० 19021/12/78-प्रमा०5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री श्रजाहम कुरिया, भारतीय पुलिस सेवा (1969 उत्तर प्रदेश) की दिनांक 31-8-78 के श्रपराह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिये केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो /विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस श्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

के० के० पूरी, उप-निदेशक (प्रशा०),

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ए०-35018/19/78-प्रशा०-1--पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री जोजफ धोमस, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, बम्बई को दिनाक 1-8-78 के पूर्वाह्म से ग्रगले श्रादेश तक के लिये केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की बम्बई शाखा मे प्रतिनियुक्ति पर ग्रस्थाई रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह, प्रशासनिक श्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० म्रो० दीं० 201/77-स्थापना—भेजर एस० के० सिक्का (म्राई० सी० 8473) सिगनलस, एक स्थल सेना मिश्रकारी, जो कि केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में सहायक कमाण्डेंट के पद पर प्रतिनियुक्त हैं, को निम्नलिखित ध्रवकाश प्रदान की जाती है:—

- (म्र) 7 दिन की ग्रांजित ग्रवकाण दिनाक 31-8-78 से 6-9-78 सक, सथा
- (ब) 60 दिन की स्पेशल छुट्टी (सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी) दिनांक 7-9-78 से 5-11-78 तक सेना छुट्टी नियम के भ्रन्तगंत स्वीकार्य है।
- 2. उपरोक्त छुट्टी की समाप्ति पर, मेजर सिक्का स्थल सेना की सेवा से विनांक 6-11-78 पूर्वाह्म से निवृक्ष हो जायगे।

ए० के० बंधोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन) महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 13 मितम्बरे 1978

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक:—-रांची से स्थाना-न्तरण होने पर श्री एम० एल० श्रवरोल ने 11 श्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से कें श्री० सु० ब० यूनिट श्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमोईंट के पद का कार्य भार संभाल लिया।

बोकारो में स्थानान्तरण होने पर श्री एव० सी० पंवार ने 11 ग्रगस्त, 1978 के ग्रपराह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट श्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

नरेन्द्र प्रसाद, सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० पी०/एम०(19)-प्रशा०-I---संयुक्त राष्ट्र विकास प्रोग्राम के ग्रधीन, मालवी सरकार की विदेश सेवा पर श्री बी० के० मराठा की प्रतिनियुक्ति की श्रवधि की समाप्ति के परिणामस्वरूप, उन्होंने तारीख 7 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रोग्राम) के पद का कार्यभार संभाला।

श्री मराठा का मुख्यालय नई दिल्ली में रहेगा।

मं० 10/12/78-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, नई विस्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में कन्सोल प्रापरेटर, श्री श्रार० एस० पुरी को तारीख 1 जुलाई, 1978 से 8 महीने की ग्रवधि के लिये या श्रगले श्रावेशों तक, जो भी इसमें पहले हो, पूर्णतः श्रस्थाई और तदर्थ श्राधार पर उसी कार्यालय में सहायक निदेणक (प्रोग्राम) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पुरी का मुख्यालय नई दिल्ली में रहेगा। दिनांक 18 सिसम्बर 1978

सं० 5/3/76-म० पं० (प्रशा-I)—-राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 15 मार्च, 1978 की समसंख्यांक प्रशिक्षचना के अनुक्रम में, नई दिल्ली में, भारत के महा-पंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों की उनमें से प्रत्येक के समक्ष दिशात पदों पर सदर्थ नियुक्ति की अविध को तारीख 31 दिसम्बर, 1978 तक या अगले आदेशों तक, जो भी समय पहले हो, सहर्थ बढाते हैं:—

क्रम सं० श्रधिकारी का नाम	पदनाम
1 2	3
1. डा० बी० के० रॉय	सहायक महापंजीकार (मानचित्र)
<ol> <li>डा० श्रार० ग्रार० त्रिपाठी</li> <li>श्री एस० डी० त्यागी</li> </ol>	मानिबन्न प्रधिकारी धनुसंघान घधिकारी (मानिबन्न)

# विनांक 19 सिक्षम्बर 1978

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा-1):—राष्ट्रपति, भारत के महापंत्रीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना (तकनीकी) और धा गण्ण ईरान सरकार में ज्वास्थ्य और कल्याण मंद्रालय में ए के रूप में विदेश सेवा पर श्री सन्त राम भुष्ता शेख 27 जून, 1978 से, प्रर्थात वह तारीख जिससे सहायक प्रधायक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में उनसे कनिष्ट श्री के० सी० सुरी को उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पदोन्नत किया गया, मौलिक नियमावली के नियम 30(1) (तिनम्निनयम) के दूसरे परन्तुक के ग्रिधीन उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष भोकार्मा पदोश्रित प्राधिकृत करते हैं।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा०-1)—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निवेशक जनगणना (तकनीकी) श्रीर इस समय श्रकगानिस्तान सरकार काबुल में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के श्रधीन सिविल पंजीकरण श्रीर जन्म-मृत्यु सीक्ष्यिकी के यू० एन० विणेषज्ञ के रूप में विदेश सेवा पर श्री ती० एल० भान को, तारीख 28 जून, 1978 से श्रधीन वह तारीख जिससे सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में उनसे कनिष्ठ श्री पी० सी० धर्मा को, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर पदोक्षत किया गया, मौलिक नियमावली के नियम 30(1) (तनिस्ननियम) के दूसरे परन्तुक के श्रधीन उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहथे श्रोकार्मा पदोक्षति श्राधिकत करते हैं।

सं० 2/1/75-म० पं० (प्रशा०-I)—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) भीर इस समय बगदाद में ईराक सरकार, में, यू० एन० शी० पी० के अधीन सेम्पलिंग में यू० एन० परामर्णदाता के रूप में विदेश सेवा पर श्री लाल कृष्ण को तारीख 27 जून, 1978 से ग्रर्थात वह तारीख जिससे सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेष्ट में उनसे कनिष्ठ श्री एस० एस० एस० जायसवाल को, उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर पटोश्नत किया गया, मौलिक नियमावली के नियम 30(1) (तनिम्ननियम) के दूसरे परन्तुक के ग्रधीन उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष ग्रोकामां पदोश्नति प्राधिकृत करते हैं।

सं० 11/5/77-प्रभा०-1---इस कार्यालय की तारीख 9-6-1978 की समसंक्ष्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति केरल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एस० जयशंकर की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्ष नियुक्ति की अवधि को तारीख 1 जुलाई, 1978 से तारीख 30 सितस्बर, 1978 तक तीन महीने के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं। उनका मुख्यालय विवेन्द्रम में ही रहेगा।

पी० परानाभ, महापंजीकार

विक्त मंतालय

श्राधिक काये विभाग र्वंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 10 शितभ्बर 1978

सं० बी० एन० पी०/मी०/57/75—श्वी स्नार० के० महरोहा, सहायक शाप श्रधीक्षक, पश्चिम रेलवे, जमालपुर, जो कि बैंक नोट मुद्दणालय, देवास में सहायक स्निभयन्ता (बिद्धुत) के पद पर पतिनियुक्त थे, को दिनांक 10-9-1978 (स्नपराह्म) से कार्यभार मुक्त किया जाता है।

पी० एस० शिवराम, महाप्रबंधक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० 1201-सी० ए०-1/76-78-श्रपर उपनियंत्रक महालेखापरीक्षक (बाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग प्रधिकारियों (बाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नति किया है भीर उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा ग्रिधिकारी (बाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये की है भीर नीचे कालम 5 में उल्लिखित तिथियों से प्रत्येक नाम के सामने कालम 4 में लिखे गये कार्यालयों में ग्रन्य ग्रावेण होने तक इसी रूप में तैनात किया है:---

क्रम सं०	श्रनुभाग श्रधिकारी (वा०) का नाम		पदोन्निति के पश्चात् जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा श्रधिकारी (बा०) के रूप में नियुक्ति हुई	
1	2	3	4	5
सर्वर्श्न 1. एस०	ो सुक्रमन्या ग्रथ्यर	महालेखाकार केरल	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बर्	

i	2		3	4	5
<u></u>	सर्वश्री				<del>· · · · · · · · · · · · · · · · · · · </del>
2. के०	श्रीनिवासा वेगीकन	,	. महालेखाकार, कर्नाटक	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदे- शक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा (कोयला) कलकत्ता	11-5-78 (पूर्वासु)
3. एन	० भासकरन .		महालेखाकार II तमिलनाडु	सदस्य, लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	1 5- 5- 7 8 (पूर्वाह्म)
4. एन	ा०बी० दत्तं .		महालेखाकार II पं० बंगाल	सदस्य लेखापरीक्षा <b>बोर्ड</b> एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक, लेखापरीक्षा, कलकत्ता ।	1 8- 4-7 8 (पूर्वाह्न)
5. एस	त० एस० <b>वैद्य</b> नाथन	•	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक भाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	सदस्य लेखापरीक्षा <b>बोर्ड</b> एवं पदेन निवे- ।     गक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	7-4-78 (ग्रपराह्न)
6. एस	त० के० सरकार		1)	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदे- शक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता	11-4-78 (पूर्वाह्न)
7. ऐं	न० के० बोस		महालेखाकार II पं० बंगाल	n	1 0- 4- 7 8 (पूर्वाह्न)
8. एन	न <b>ः के</b> ० चावला		महालेखाकार पंजाब	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	29-4-78 (पूर्वाह्म)
9. एर	स० पी० व <del>क्</del> णी		"	महालेखाकार, हिमाचल <b>प्रदेश</b> एवं चंडीगढ़	1 5- 5- 7 8 (पूर्वाह्न)
10. पी	० एस० सक्सेना		महालेखाकार II म० प्र०, ग्वालिय	ार महालेखाकार <b>[[</b> म० प्र० ग्वालियर	7-8-78 (पूर्वाह्न)
11. ए	० एस० शर्मा		भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्ष का कार्यालय, नई दिल्ली	नक महालेखाकार II उत्तर प्रदेश लखनऊ	29-4-78 (पूर्वाह्म)
12 V	स० एम० महाजन		n	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची	29-5-78 (पूर्वाह्म)
,13. एर	स०के० जैन		सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक रांची	् <i>ग</i> ज्ञा	1 4- 4-78 (पूर्वाह्न)
1.4 पी	ा० के० मित्तल		भारग के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	$\mathbf{n}$ महालेखाकार $\mathbf{H}$ बिहार पटना	31-5-78 (पूर्वाह्न)
15. มี	गर० एस० चौहान	,	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्ष रांची	ृ सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन प्रा निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा रांची	1 4- 4- 7 8 (पूर्वाह्म)
16. वे	हे० ए० शर्मा		भारत के नियंत्रक-महालेखापरी- क्षक का कार्यालय, नई दिल्ली	महालेखाकार II, हरियाणा, चंडीगढ़ ा	31-5-78 (पूर्वाह्न)
17.	प्रार० सी० तोमर		11	महालेखाकार, जम्मू एवं कश्मीर, श्रीनगर	31-5-78 (पूर्वाह्न)

1	2	 3	4	5
18.	सर्वेश्री पी० के० कर	 महालेखाकार II पं० बंगाल	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा कलकत्ता	1 0-4-78 (पूर्वाह्म)
19.	एस० के० दत्त	 II	महालेखाकार II पं० बंगाल	1 0- 4-7.8 (पूर्वाह्न)

सुशील देव भट्टाचार्य, संयुक्त निदेशक (वा०)

# मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

अम्बई 400020, दिनांक 18 सितम्बर 1978
केन्द्रीय सिविस सेवा (ग्रस्थाई सेवा) नियम, 1965
के नियम 5 के उप नियम (1) के परन्तुक के अधीन जारी
किये गये सेवा समाप्ति के श्रादेश।

सं० एस० ए०/एच० क्यु०/ऽणासन/पी० सी०/3964.— केन्द्रीय सिविल सेवायें (ग्रस्थाई सेवा) नियम, 1975 के नियम 5 के उप-नियम (1) के परन्तुक के ग्रनुसरण में, श्री के० बी० सेमुग्नल, श्रस्थाई लेखा परीक्षक को नोटिस दिया जाता है कि उनकी सेवायें, इस नोटिस के राजपक्ष में प्रकामन की तिथि से एक महीने की ग्रवधि के बाद की तिथि से समाप्त हो अयोंगे।

गोपाल सिंह, उप मुख्य लेखा परीक्षक

### रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंद्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 12 सितग्बर 1978

सं 18149/प्रशाल II — 58 वर्ष की आपु प्राप्त कर लेने पर थी एफ सी सूव (ब्राई० डी० ए० एस० (कार्यालय, सिविल विमानन, महानिदेशक नर्ड दिल्ली में वित्त एवं लेखा निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर) दिनांक 31 अगस्त, 1978 अपराह्म से पेंशन स्थापना की अन्तरित कर दियं गये और तदल्सार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग की नफरी पर नहीं रहा।

ग्नार० एस० बस्सी, रक्षा लेखा ग्रपर महानियंत्रक,

### रक्षा मंत्रालय

भारतीय ग्रार्डनेन्स फॅक्टरियां सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फॅक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 12 मितम्बर, 1978

सं० 38/78/2:---वार्धक्य निवृत्ति ग्रागु (58 वर्ष) प्राप्त होने पर श्री एस० राम चन्द्रन, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई स्टोर होल्डर) 30 प्रप्रैल, 1978 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृक्त हुए।

सं० 39/78/2:—वार्धक्य निथ्सि भ्रायु (58 वर्ध) भाष्त कर, श्री टी० के० कुमार, स्थानापश्च सहायक प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थाई फोरबैन) विनांक 31-5-1978 (ब्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

### दिनांक 15 सितम्बर, 1978

सं० 40/78/जी०:—-राष्ट्रपति जी, निम्निखित ग्रिध-कारिशों को सहायक प्रबन्धक (परखाविध) के पद पर, उनके सामने दश्राई गई तारीकों से नियुक्त करते हैं:—

	•
श्री कामाक्षी प्रसाद पांडा	30 जनवरी, 1976
श्री राजेश कुमार जैन,	27 फरवरी, 1976
श्री सुधेन्दु दास	13 ग्राप्टैल, 1976
श्री सुब्रमणयम कुष्पू	27 ग्रक्तूबर, 1975
श्री सैयद मोहम्मद उनना	10 सित+बर, 1976
श्री धी० राजारमन्	2 <b>9 ग्रक्तू</b> बर, 1975
श्री क्रोम प्रकाण मिश्रा	30 प्रक्तूबर, 1975
श्री एन० कोथान्द।पाणी	15 <b>ग्रा<sup>र</sup>ल,</b> 1976
श्री त्राणीष कुमार दासगुप्ता	27 श्रक्तूबर, 1975
श्री विजय कुमार चन्द्रभान संधी	1 भ्रष्टेल, 1976
श्री राजेन्द्र कुमार जैन	30 जनवरी, 1976
श्री राज कृष्ण शिक्षित	1 जुलाई, 1976
श्री नलूर शेखाः कृष्णामृति	21 जनवरी. 1976
श्री बन्दारूपहली येस्	31 ग्रन्तूबर, 1975
श्री धीरेन्द्र कुमार सिवारी	14 मई. 1976
श्री मदन गोपाल प्रवस्थी	31 मई, 1976
श्री कृष्ण कुमार रस्टोबी	13 मई, 1976
श्री हर मोहिन्दर सिंह	1 जून, 1976
श्री सुनिल कुमार दत्ता	14 मई, 1976
श्री प्रशान्त कृमार दास	31 मई, 1976
श्री राम स्वरूप पृरी	29 मई, 1976

श्री वज किशोर स्मल	10 जून, 1976	श्री सुधाकर अस्थाना	22 <b>जनव</b> री, 1978
श्री <b>म</b> हेश कुमार	4 जून, 1976	श्री पी० वी० वेंकटेश्वरन	7 नेवम्बर, 197 <i>7</i>
श्री महाराज ऋिशन काल	7 जून, 1976	श्री गोबिन्द प्रसाद चौकरी	3 मार्च, 1978
श्री श्रमिताप बन्द्योगाध्याय	21 मई, 1976	श्री कृष्ण मोहन गुप्ता	15 भ्रक्तूबर, 1977
श्री राकेश कुमार सक्सेना	11 नवम्बर, 1976	श्री उपेन्द्र कुमार मिश्रा	24 भ्रम्तूबर, 1977
थी रमेश क्मार	11 श्रक्तूबर, 1976	श्री श्रश्वनी कुमार प्रभाकर	20 भ्रप्रेल, 1978
श्री नवल किशोर सि <b>ह</b>	9 दिसम्बर, 1976	श्री नन्द मोहन कालानी	19 सितम्बर, 1977
श्री सिखर मुस्तापी	7 जन <b>वरी</b> , 1977	श्री ग्रामोक कुमार	31 प्रक्तूबर, 1977
श्री हिमांग शेखर चौधरी	6 श्रक्तूबर, 1976	श्री मनी कुमार जैन श्री भ्राणीम कुमार देवराय	26 सितम्बर, 1977 17 सितम्बर, 1977
श्री हरजीत सिंह चावा	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	श्रीमाणिक घोष	17 स्तर-बर, 1977 31 भ्रगस्त, 1977
· ·	5 श्रक्तूबर, 1976	श्री जनपल सीताराम	15 दिसम्बर, 1977
श्री मृगाडक मोहत चन्दा	24 सितम्बर, 1976	श्री रामानन्द जी पन्दगांकर	26 ग्रक्तूबर, 1977
भी उमेश च इ सिह	21 सितम्बर, 1976	श्री के० टी० मोहनन	27 श्रक्तूबर, 1977
श्रीकनम्क नारायणन नारायणन .		श्री बिम्लेन्दु साहा	19 भ्रप्रैल, 1978
क <b>रर्थी</b>	22,नव+बर, 1976	श्री रविन्दर कुमार <b>गान्डिल</b>	10 प्रक्तूबर, 1977
श्री सरताज सिंह	12 श्रक्तूबर, 1976	श्री टिपिरनेनी पाण्डुरंग वेंकट	
श्री हृदय मोहन श्रीवास्तवा	6 प्रक्तूबर, 1976	सत्यनारायण सीमशेखर राव	20 दिसम्बर, 1977
श्री ग्रह्न खानवलकर	28 ग्रन्तूबर, 1976	श्री माधव वी० श्रीनिवासन	30 नवम्बर, 1977
श्री महेश चन्द्र बंसल	28 मार्च, 197 <b>7</b>	श्री ग्रावित्य मिश्रा	13 सितम्बर, 1977
श्री नयन मुखोपाध्याय	4 श्रन्तूबर, 1976	श्री सनत कुमार दास	30 दिसम्बर, 1977
श्री जसबीर सिंह सन्धू	24 दिसम्बर, 1976]	श्री वीरेन्द्र गांधी श्री रवीन्द्र गंकर पाटिल	10 श्रक्तूबर, 1977
श्री एडगर शतेन्द्र मार्कस	8 श्रक्तूबर, 1976	श्री पुरुषोतम मंगी लाल मेशाराम	8 फरवरी, 1978 11 नवम्बर, 1977
श्री सुधीर कुमार गुप्ता	29 नवम्बर, 1976	•	
श्री जयन्त राय	7 सितम्बर, 1976	सं० 41/78/जी०ः—राष्ट्रपति उ	
श्री राम प्रसाद दे	17 सितम्बर, 1976	कारियों को सहायक प्रबन्धक (परखा	
श्री किरण प्रकाश	11 प्रक्तूबर, 1976	सामने दर्शाई गई तारीखों से नियु	क्त करते ह:
श्री रवदेव सिंह सोंधी	6 जनवरी, 1977	श्री बृजभूषण त्यागी	15 नवम्बर, 1976
श्री ग्रशोक कुमार सिन्हा		श्री पी० प्रभाकरन	19 नवम्बर, 1976
•	5 नेवम्बर, 1976	श्री विभाकर नारायण अवस्थी	14 जुलाई, 1977
श्री राजेश कुमार	11 भ्रक्तूबर, 1976	श्री सतीश कुमार दुवे	26 दिसम्बर, 1977
श्री मुथुरा मलिङगम् रिव		कुमारी शोभा रामानन्द	31 विसम्बर, 1977
श्री दिलीप रंजन घोष	1ली नयम्बर, 1976	श्री एन० सुन्दर पाण्डियन	30 विसम्बर, 1977
श्री भूपेन्द्र नाथ सिंह	6 श्रक्तूबर, 1976	श्रीवी० पुगासेनधी	31 जनवरी, 1978
श्री श्रवधेश कुमार राय	18 भ्रप्रेल, 1977	श्री पवित्र मोहन रानावेंशा	
श्री पेकिम्राराज रोजिम्रा सुधाकर	1ली नवम्बर, 1977	श्री प्रेम नारायण	2 मई, 1978
श्री राम तिवारी	14 नवम्बर, 1977	सं० 42/78/जी-—राष्ट्रपति, नि	म्नलिखित ग्रिधकारियों
श्री नरेन्द्र कुमार	31 श्रक्तूबर, 1977	को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) वे	
श्री ए० रामासुत्रमनियन	19 सितम्बर, 1977	दर्णाई गई तारीखों से नियुक्त क	_
श्री सुनिल कुमार	18 ग्रन्तूबर, 1977	श्री गोपाल कृष्णन नायर	
श्री कमल कुमार पटकर	14 दिसम्बर, 1977	श्री सुधा सिंह	1ली, सितम्बर, 1975
श्री प्रनिल कुमार शर्मा	19 दिसम्बर, 1977	•	
श्री सुरेश प्रसाद यादव	6 विसम्बर, 1977	श्री शेखरी पुरम कृष्णन रामानाथः	
•	_	श्री मिहिर कुमार चक्रवर्ती	·
श्री जवाहरलाल मिश्रा	19 तिसम्बर, 1977	श्री विष्लव कुमार दे	9 स्रगस्त, 1976
श्री प्रिय रंजन	31 दिसम्बर, 1977	श्री ग्रस्त कुमार गांगुली	25 जून, 1976

श्री रिव प्रकाश ग्रहूजा 17 जून, 1976 श्री यालन्दुर राधवेन्द्र राव जयसिन्हा 25 सितम्बर, 1976

सं० 43/78/जी—-राष्ट्रपति जी, निम्नलिखित ग्रिधि-कारियों को सहायक प्रबन्धक (परखाविध पर)/(परखाविध) के रूप में प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से नियुक्त करते हैं:--

श्री हरभजन सिंह	5 मार् <del>फ</del> , 1973
श्री जादव चन्द्र साहा	30 मार्च, 1973
श्री विधुभूषण सिंह	1लीं फरवरी, 1973
श्री ग्राणीय कुमार सरकार	10 मई, 1974
श्री प्रताप चन्द्र मित्रा	25 जुलाई, 1974
श्री विमल प्रसन्न महापात्र	21 जनवरी, 1975
श्री सुरेश कुमार सितारामपन्त खोट	30 नवम्बर, 1974
श्री सन्तोष कुमार पांडे	29 श्रप्रैस, 1975
श्री विजय कुमार पंडित	30 मई, 1975
श्री उमेश चन्द्र	9 जुलाई, 1975
श्री राजा राम यादव	23 मई, 1975
श्री राज कुमार शर्मा	14 ग्राप्रैस, 1975
श्री ग्रगोक कुमार	31 जुलाई, 1975
श्री कालकुन्टे सुन्दराचार मुकुन्द	6 जून, 1975
श्री धरम वीर सिंह	12 ग्रगस्त, 1975
श्री सुधांगु कुमार सारखेल	25 जून, 1975
श्री ग्रमल कुमार चट्टोपाध्याय	23 फरवरी, 1976
श्री प्रिय रंजन सरकार	<b>4 श्रगस्त, 1975</b>
श्री दोनेपुडी प्रभाकर शर्मा	30 दिसम्बर, 1976
श्री भ्रतत्नूरी रंगा राव	1लीं जून, 1977
श्री वलाई चन्द्र दास	1लीं मार्च, 1977
श्री ग्रमरजीत सिंह बालगीर	24 फरवरी, 1977
श्री मुटनूरी सत्यनारायण राव	22 जनवरी, 1977
श्री रिपु रमन कौशल	14 मार्च, 1977
श्री सुप्रिय कुमार दास	10 दिसम्बर, 1976
श्री सुद्रत कुमार घोष	9 दिसम्बर, 1976
श्री म्रोम प्रकाश	27 श्रक्तूबर, 19 <b>7</b> 7
श्री विनय नारायन श्रग्रवाल	14 जनवरी, 1977
श्री सुरेश चन्द्र मजुमदार	<i>7</i> फरवरी, 1977
श्री सुबोध कुमार दत्ता	21 फरवरी, 1977
श्री प्रदीप प्रमाणिक	28 दिसम्बर, 1976
	_

वी० के० मेहता, सहायक महानिदेशक आर्डनेंस फैक्टरियाँ

वाणिज्य, नागरिक, भ्रापूर्ति, एवं सहकारिता मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1978 भ्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं॰ 6/670/62-प्रशासन (राज॰)/6724~--राष्ट्रपति, इस कार्बालय के श्री ए॰ टी॰ मुखर्जी उप-मुख्य नियंक्षक, श्रायात-निर्यात को 7 जून, 1978 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेश होने तक, बंगलौर में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषादि, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति

### उद्योग मंद्रालय

# श्रौद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली; दिनांक 21 श्रगस्त 1978

सं० 12/80/61-प्रणासन (राजपन्नित) — केन्द्रीय श्रौजार कक्ष एवं प्रणिक्षण केन्द्र, कलकत्ता में प्रतिनियुक्ति से प्रत्याविति होने पर श्री ग्रार० पूर्णम्, निदेशक, ग्रेड-1 (यांत्रिक) को राष्ट्रपति, दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से छः मास की श्रवधि के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में श्रौद्योगिक परामर्णदाता (एन्सिलरी) के रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री पूर्णम ने दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक ग्रेड-I (ग्रांतिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में श्रीद्योगिक परामर्शदाता (एँनिस-लरी) पद का कार्यभार संभाल लिया।

### दिनांक 24 भ्रगस्त 1978

सं० 12(87)/61-प्रशासन (राजप क्षित) — भारतीय श्राधिक सेवा के ग्रेड-II अधिकारी तथा श्रौद्योगिक लागत श्रौर मूल्य ब्यूरो के सचिव डा० जे० डी० वर्मा को राष्ट्रपति दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष की श्रवधि के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में प्रतिनियुक्ति पर निदेशक (ग्रेड-I) (जी० ए० डी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, डा० वर्मा ने दिनांक 15 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास म्रायुक्त (लघु उद्योग) नई दिल्ली के कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-I (जी०ए० डी०) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 12/323/62-प्रणासन (राजपितत)—विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय के श्री एच० एम० सोम, उपनिदेशक (यांत्रिक) को राष्ट्रपित, दिनांक 1 अलाई, 1978 (पूर्वाह्र) से छः माह की श्रवधि के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में निदेशक ग्रेड-II (यांत्रिक) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्बरूप, श्री एच० एम० सोम ने दिनांक 1 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से विकास धायुक्त (लघु उद्योग) के कार्याक्षय में उप निवेशक (यांक्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 1 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्स) से इसी कार्यालय में निदेशक, ग्रेड-II (यांतिक) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए०-19018 (343) / 78-प्रशासन (राजपित्तत):—
लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर के ग्राधीक्षक, श्री एस० पी० गर्मा
को, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), दिनांक 9 मई, 1978
(ग्रपराह्म) से, ग्रागे श्रौर ग्रावेश दिए जाने तक, लघु उद्योग
विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-II, (जी० ए०डी०)
के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० पी० शर्मा ने दिनांक 9 मई, 1978 (भ्रपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर, में सहायक निदेशक ग्रेड-II (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए-19018 (353) / 78-प्रणा० (राजपितत) — श्री पी० थामु नायर, प्रधीक्षक, उत्पादन केन्द्र, इन्तमनुर को, विकास स्रायुक्त (लघु उद्योग) दिनाक 6 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्न) से तथा स्रागे स्रौर श्रादेश दिए जाने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (जी० ए० डी०) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री थामु नायर ने दिनांक 6 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (जी० ए० डी०) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया ।

### दिनांक 29 श्रगस्त 1978

संव 12(607)/69-प्रणासन (राजपितत) — सेन्ट्रल फुटिबयर ट्रैनिंग सेन्टर, श्रागरा के श्री जीव डीव मेहता, सहायक निदेशक, ग्रेड-II (चर्म/फुटिबयर) को राष्ट्रपति, दिनांक 10 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से श्रागे श्रीर झादेश दिये जाने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (चर्म/फुट-वियर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री जी० डी० मेहता ने दिनांक 10 जुलाई, 1978 (पूर्वाह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चर्म/फुटवियर) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

### दिनांक 31 श्रमस्त 1978

सं० ए-19018/328/77-प्रशासन (राजपितत) — राष्ट्रपित श्री डी० एन० केशवमूर्ति को दिनांक 27 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से, श्रगले श्रादेश जारी होने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक, ग्रेंड-I (जी०/सी०) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. उनकी इस नियुक्ति के परिणामस्वरूप, श्री डी० एन०, केणवमूर्ति ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक, में दिनांक 27 मई 1978 (पूर्वाह्न) से सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (जी०/सी०) पव का कायभार ग्रहण कर लिया ।

> महेन्द्र गुप्त, उपनिवेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंतालय

### (खान विभाग)

# भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० 7148/डी/2181 (एस० ग्रार० एम० ग्रार०)/19बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महा निदेशक ने सहायक रसायनज्ञ श्री एस० ग्रार० एम० राव का भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाग्रों से त्याग पत्न, उनके भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र की सुरक्षा अनुसंधान प्रयोगणाला, कल्पाक्कम में भर्ती होने पर, 18 ग्राप्रैल, 1978 के ग्रापराह्न से स्थीकार किया है।

सं० 7173/डी/7/77 (एस० के० पी०)/19ए—श्री मुकुल कृष्ण को सहायक लागत लेखा श्रधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञा-निक सर्वेक्षण में 860 ६० के श्रारंभिक वेतन पर 700-40-900 -दं० रो०-40-1100-50-1300 ६० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 10 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

### विनांक 12 सितम्बर 1978

सं० 7205/डी/11/68/19सी---निम्नलिखित श्रिष्ठिकारियों को भारतीय भूबैकानिक सर्वेक्षण में सहायक लागत लेखा श्रिष्ठकारी के ग्रेड (ग्रुप 'बी' 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के बेतनमान) में प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पूष्टि की जा रही हैं:---

क∘सं∙	भ्रधिकारियों का नाम	पुष्टिकरण तिथि
 1. श्री म	ार० के० बापट	14-2-1975
2. श्रीपी	० के० घोष	1 4-2-1 9 7 5

सं० 7220/81/13/74/19सी—िनम्निलिखित प्रधिकारियों की भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शिफ्ट बास के ग्रेड (ग्रुप 'बी' 650-30-740-35-810—दं० रो०-35-880-40-1000—दं० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान) में प्रस्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पुष्टि की जा रही है :—

ऋ० सं०	ग्रधिकारी का नाम	पुष्टिकरण तिथि
 1. श्री सं	ो० एस० जैसवाल	16-8-1975
2. श्रीर्प	ो० <del>प्रार० चौधुरी</del>	16-8-1975
3. श्रीवे	त्र एस <b>ः मुख्या राव</b>	16-8-1975
4. श्री ए	० के० चक्रवर्ती	16-8-1975
	० एस० राव	16-8-2975

### दिनोक 13 सितम्बर 1978

सं ० 7268/डी | 40 | 59 | सी | 19ए - श्री एस श्रार ० भट्टाचार्जी की सहायक प्रशासनिक श्रीधकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 1-1-1978 के पूर्वाह्न से नियमित की गई है।

भी भट्टाचार्जी को सहायक प्रशासनिक ग्रिधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 3-5-1975 से की गई थी।

> र्वी ० एस० कृष्णास्वामी, महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, विनांक 15 जून 1978 प्रधिसूचना सं० स्था/4758/881-प्रधिकारी दिनांक 17-11-73 का शुद्धि पन्न

सं० स्था 50468/881-अधिकारी---भारत के असाधारण, राजपत्न के भाग II खण्ड 3 उपखण्ड 1 सं० 247 में दिनांक 7-10-74 को प्रकाणित, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) की अधिसूचना सं० जी० एस० आर० 413(ई) दिनांक 7-10-74 के, तथा साथ ही भारत सरकार वित्त मंत्रालय के मेमो (ज्ञापन) सं० 67/11/4/73 इम्प० विनांक 15 फरवरी 1974 के अनुसार डा० (श्रीमती) एस० जी० सेठी का वेतन 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के संशोधित वेतनमान में 650 र० प्रति माह निश्चित किया जाता है। डा० (श्रीमती) एस० जी० सेठी को दिनांक 2 जनवरी 1973 से दिनांक 31 जनवरी 1973 तक लीव वेकेन्सी पर सामान्य केन्द्रीय सेवा क्लास II में तदर्थ आधार पर भारतीय सर्वेकण श्रीषधालय में कनिष्ठ महिला चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया गया था।

के० एल० <mark>खो</mark>सला, मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

# श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० 4(36)/77-एस-1—डा० ध्रादर्श सक्सेना, कार्यक्रम निष्पादक, श्राकाशवाणी, बीकानेर का त्यागपत्न दिनांक 16-8-78 से स्वीकार कर लिया गया है।

> स्रधिर कुमार बसु प्रणासन उपनिदेशक, कृते महानिदेशक

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/2/76-(एस० जे०एच०)—प्रशासन—I सेवा निवृत्ति की ग्रायु हो जाने पर सफदरजंग ग्रस्पताल, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से भण्डार ग्रधिकारी के पद पर कार्य कर 2-276GI/78

रहे श्री खूब चन्द 31 ग्रगस्त, 1978 के ग्रंपराह्न से सरकारी नौकरी से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० ए-19019/5/76-(एच० म्रो०) प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेत्रा महानिदेशालय के डा० एन० विजयकृष्णन नायर, मलाहकार (पोषण) का मरकारी सेवा से 18 अगस्त, 1978 अपराह्म से त्याग पत्न स्वीकार कर लिया है।

# दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ए-12026/15/77-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने श्री शिव गोविन्द विपाठी को 31 श्रगस्त, 1978 पूर्वाह्न से ग्रागामी श्रादेशों तक डा० राम मनोहर लोहिया श्रस्पताल, नई दिल्ली में हिन्दी ग्रिशकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन (स० एवं प०)

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय ग्रामीण विकास विभाग विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, (एन० एच०IV) दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० फा० 4-6(7)/74-प्र० III—इस निदेशालय के सहायक विपणन प्रधिकारी श्री ग्रार० पी० सचदेवा की विदेश सेया ग्रवधि, सचिव के रूप में दिल्ली कृषि विपणन परिषद के ग्रधीन कृषि उपज मंडी समिति, श्राजादपुर में दिनांक 1-8-1978 (पूर्वाह्म) से एक वर्ष के लिए बढ़ाई गई है।

2. श्री सचदेवा की सेवाएं श्रारम्भ में दिल्ली कृषि विषणन परिषद के ग्रधीन एक वर्ष के लिए दिनांक 1-8-1977 (पूर्वाह्म) से सौंपी गयी थी।

### दिनांक 15 सितम्बर 1978

सं ग्रं १ १००२ ३/४/७८-प्र १११—विषणन प्रधिकारी (वर्ग 1) के पद पर निम्नलिखित प्रधिकारियों की ग्रन्मकालीन नियुक्ति की दिनांक 31 अक्तूबर, 1978 या जब तक कोई नियमित प्रबंध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढाया गया है।

- श्री के० सूर्यनारायणन
- 2. श्री एस० पी० भसीन
- 3. श्री ए० सी० गुडन
- श्री श्रार० नरसिम्हन
- 5. श्री एम० चक्रवर्ती
- 2. विषणन श्रधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री जे० एन० राव की श्रल्पकालीन नियुक्ति को, जिनका 10-8-78 को निधन हो गया है, 10-8-78 तक बढ़ाया गया है।

बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन, कते कृथि विपणन सलाहकार

# भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र

### कार्मिक प्रभाग

### बम्बई-400085, दिनांक

संदर्भ श्रार/1825/चिकित्सा/स्थापना 1/3390—निवेशक भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र ने, इसी केन्द्र के एक श्रस्थाई स्थानिक चिकित्सा श्रधिकारी डा० (श्रीमती) डाली रे की सेवाएं 15 दिसम्बर 1976 के श्रपराह्न से समाप्त कर दी।

> पी० एस० वेंकटसुक्रमण्यम, उपस्थापना प्रधिकारी

# परमाणु ऊर्जा विभाग कथ श्रौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 15 सितम्बर 1978

सं० क० भ० नि०/23(4)/77-संस्थापन/22808—-निदेशक कय ग्रीर भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित कय सहायकों को प्रभारी रूप में, सहायक कम श्रधिकारी पद पर, ६० 650–30—740–35–810–द० रो०-35–880–40–1000–द० रो०-40–1200 के वेतन कम में, उनके सामने प्रदिश्तित समय तक, इसी निदेशालय में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं :—

- श्री बी० जी० जोबनपुतरा 25-7-78 से 24-8-78 तक
- 2. श्री एन० प्रभाकरन 27-7-78 से 2-9-78 तक ।

बी० जी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी

### अन्तरिक्ष विभाग

# भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन गार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524154, विनांक 22 श्रगस्त 1978

सं० हरि क०सा०सु०: का० श्रीर सा० प्र०: स्था० 1.72— निदेशक निम्नलिखित श्रधिकारियों की शार केन्द्र श्रीहरिकोटा में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से श्रागामी आदेश तक पदीन्नित पर नियुक्ति करते हैं:

<b>क्रम</b> सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारी <b>ख</b>
1	2	3	4
मर्बेध	ी		
1. सी	० पी० कुष्णा राव	इंजीनियर एस० बी०	1-4-1978
		· · · · · · ·	

1	2	3	4
2.	जी० वी० सुब्रहमणियम	इंजीनियर- एस० बी०	1-4-1978

### दिनांक 24 ग्रगस्त 1978

सं० श्री हरि क०सा० सु०: का० और सा० प्र०: स्था०1.72—निदंशक निम्नलिखित ग्रिधिकारियों की शार केन्द्र
श्रीहरिकोटा में इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप
में प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों से श्रागामी ग्रादेश तक
नियुक्त करते हैं:---

ऋम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की तारीख
सर्व	প্ <u>ব</u>		<del></del>
1. र्ज	ि राम देव	इंजीनियर 'एस०बी०'	10-4-1978
2. ए	स० लक्ष्मीनरसिम्हन	इंजीनियर 'एस०बी०'	3-5-1978
3. ए	म० वी० एल० प्रसाद	इंजीनियर 'एस०बी०'	31-7-1978
4. F	हार रंजन मिश्रा	इंजीनियर 'एस०बी०'	16-8-1978

भ्रार० गोपालारत्नम, प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन **क्रते** निदेशक

### इसरो उपग्रह केन्द्र

ए 1-6, पीण्या श्रोद्योगिक क्षेत्र

पीण्या बंगलोर 562140, दिनाक 18 ग्रगस्त, 1978

सं० 020/3(061)/78— इसरो उपग्रह केन्द्र के निवेशक श्री एस० एन० राजेन्द्रन को अन्तरि क्षविभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र बंगलौर में इंजीनियर 'एस०बी०' के पद पर श्रस्थायी रूप में दिनांक 19-5-1978 के पूर्वाह्न से ग्रागामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

(ह्स्ता०) प्रशासन भिधकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/2/77-ई-डब्ल्यू--इस फार्यालय की दिनांक 17 भ्रप्रैल, 1978 की भ्रधिसूचना सं० ए० 32013/2/77 ई डब्ल्यू के ऋम में राष्ट्रपति ने श्री एच० सी० राय चौधरी की उपनिदेशक (श्रिग्निशमन) के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की श्रविध दिनांक 29-6-78 से छः माह के लिए अथवा पद नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, बढ़ा दी है और उन्हें मुख्यालय में तैनात किया गया है।

सं० ए० 32013/13/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो संचार अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से नियमित आधार पर वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नाम के सामने दिये गये स्टेशन पर तैनात किया है: --

ऋ० सं० नाम	तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वेश्री 1. श्ररुण तलबार	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता।		12-6-78 (पूर्वाह्र)
2. एम० दीनदयालम	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास ।	12-6-78 (पूर्वाह्म)

### दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० 32013/10/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्रीमती वी० रत्नावती, सहायक तकनीकी श्रधिकारी, निवेशक, रेडियो निर्माण तथा विकास एकक का कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में कार्यरत को दिनाक 13 जुलाई, 1978 से और श्रन्य श्रादेश होने तक उसी कार्यालय में तकनीकी श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सत्य देव शर्मा उपनिदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० ए० 32012/3/78-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री शेर सिंह को दिनांक 24 ग्रगस्त, 1978 से ग्रौर ग्रन्य ग्रादेश होने तक विमानक्षेत्र ग्रधिकारी के कार्यालय, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में नियमित श्राधार पर प्रशासनिक ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

सुरजीत लाल खण्डपुर, सहायक निदेशक प्रशासन

# वन ग्रनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० 16/231/74—स्था०—1—मध्यक्ष, वन म्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री मशि भूषण मर्मा, सहायक कुल सिधव, वन म्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को 31—8—78 के न्नपराह्म से सेवा निवृत्त की म्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत होने की सहर्ष मनुमति देते हैं।

गुरस्याल मोहन कुल सचिव वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय केन्द्रीय उत्पादन गुल्क एवं सीमा शुल्क समाहतलिय, इलाहाबाद, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० 30/1978—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय कानपुर में तैनात और इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्न संख्या 11(39)28—स्था०/78/भाग/13352 दिनांक 27 जून, 1978 के अन्तर्गत जारी किये गये स्थापना आदेश सं० 118-/1978 दिनांक 26-6-78 द्वारा ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थापना अधीक्षक वर्ग 'ख' के रूप में नियुक्त श्री लल्लू सिंह, स्थाई निरीक्षक (चयन ग्रेड) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ने दिनांक 7-7-78 (पूर्वाह्न) को दोपहर के पहले समें कित मण्डल कार्यालय, इलाहाबाद में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शल्क वर्ग 'ख' का कार्यभार संभाल लिया।

धर्मपाल श्रार्थ समाहर्ता

### केन्द्रीय जल भ्रायोग

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/737/78-प्रणा०-पांच--ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री टी० एस० गोधवानी, प्रनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल ग्रायोग में सहायक अनुसंधान ग्रिधकारी (रसायन) को श्रेणी में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया ग्रस्थाई एवं तदर्थ ग्राधार पर दिनांक 24 ग्रामस्त, 1978 के पूर्वां से फरवरी, 1979 के ग्रन्त तक ग्रथवा जब तक पद नियमित ग्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 14 सितम्बर 1978

सं० ए० 19012/736/78-प्रशा०-पांच-श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री एच० एस० एन० स्वामी, श्रनु- संधान सहायक, को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल श्रौर त्रिद्युत् श्रनुसंधान गाला, पुणे में सहायक अनुसंधान ग्रिधिकारी (भौतिकी) के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया श्रस्थाई एवं तदर्थ ग्राधार पर 18 श्रगस्त, 1978 की पूर्वाह्म से 30 सितम्बर, 1978 तक ग्रथवा पद नियमति श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> जे० के० साहा श्रवर सचिव केन्द्रीय जल भायोग

# उत्तर पूर्वी परिषद्

शिलांग, दिनांक 5 श्रगस्त 1978

सं० एन० ई० सी०-123/76--भारत सरकार गृह मंन्नालय की अधिसूचना सं० 111-14029/8/74-एन० ई०, दिनांक 7 जून, 1977 के अंतर्गत अधिसूचित, उत्तरपूर्वी परिषद् सिचवालय, शिलांग (वर्ग किं तथा खे पद) भर्ती नियम, 1977 के उपबन्धों के अनुसरण में, प्रकाशन प्रभाग, सूचना तथा प्रसारण मंन्नालय, नई दिल्ली में सम्पादक के रूप में कार्य कर रहे केन्द्रीय सूचना सेवा के ग्रेड-3 में स्थाई और ग्रेड-1 में स्थानापन्न (तदर्थ) अधिकारी श्री सैयद आफताब अहमद को एतद्बारा 1500-60-1800 ६० के वेतनमान में, अन्य भत्तों सिहत जैसे कि केन्द्रीय सरकार के नियमों के अधीन ग्राह्य हों, उत्तर पूर्वी परिषद् सिचवालय, शिलांग में लोक संपर्क प्रधिकारी के पद पर 7-6-1977 से 12-7-1977 (श्रपराह्म) तक की श्रवधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. इससे परिषद् सिचवालय की श्रिधसूचना सं० 123/76, दिनांक 23-7-1976 में श्रांशिक संशोधन हो जाता है, श्रीर परिषद् सिचवालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 13-2-1978 रह हो जाती है।

के० एम० मिरानी सचिव

दक्षिण पूर्व रेलवे कार्यालय महाप्रबन्धक

कलकत्ता-43, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं पी०/जी०/14/300-ई०—इस रेलवे के कार्मिक शाखा के निम्नांकित स्थानापन्न द्वितीय श्रेणी के ग्रधिकारियों का पुष्टीकरण उसी नियुक्त पद पर प्रत्येक के सामने उल्लि खित तिथि से निया जा रहा है। प्रत्येक ग्रधिकारी जिस विभाग में नियत है, उसे भी प्रवीगत किया जा रहा है:—

ऋ० नाम सं०	पुष्टिकरण की तिथि	जिस विभाग में नियत है
1. श्री एन० श्री	निवासन 1 मई,	1977
<ol> <li>श्री एस० जी</li> </ol>		बर, एम० <b>६</b> ० १७७ टो० (पी०)
3. श्री ए०पी०	•	बर, एम० ई० 977 एण्ड टी० (पी०)

. मोहिन्दर सिंह गुजराल सहाप्रबन्धक

विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 के मामले में

श्रीर

भ्रपोलो फिलमंटस प्राइवेट लि० के मामले में हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 1493/लिक्बीडेशन/78—सिविल ग्रर्जी सं० 5 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-1977 के श्रादेश द्वारा श्रपोलो फिलमंटस प्राइवेट लिमिटेड का परि-समापन करने का श्रादेश दिया गया है।

> कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 के मामले में श्रीर

श्रपोलो टेप्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में हैदराबाद, विनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 1494/लिक्विडेशन/78—सिविल श्रर्जी सं० 4 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-1977 के श्रादेश द्वारा श्रपोलो टेप्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का श्रादेश विया गया है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 के मामले में ग्रीर

, अपोलो टेकनोकाफट्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 1496/लिक्विडेशन/78—सिविल ग्रर्जी सं० 7 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-1977 के ग्रादेश द्वारा ग्रपोलो टेक्नोकाफ्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का श्रादेश दिया गया है।

> वि० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्टार आंध्र प्रदेश

सहायक स्नायकर म्नायुक्त (निरोक्षण) त्रर्जन रेज--धारवाष्ट्र का कार्यालय ्धारवाड़-580004, विनांक 22 सितम्बर 1978 श्रुढि पत्न

निर्वेश सं० 2052/77-78/एविव०--वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति का नाम नीचे पद में है। इस की ऐसे पढ़ना चाहिए।

मे० जे० एम० नागथान ग्रीर कं० काटन, भ्रनाज, तेल के बीज व्यापारी स्रौर कमीशन एजेंट, श्राष्ठत बाजार, बिजापुर ।

> ही० सी० राजागोपालन सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--धारवाड़-8।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घं (1) के सघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर भुवनेश्वर, दिनांक 18 सितम्बर, 1978

निदेश सं ० 77/78-79/माई० ए० सी० (ए/मार०)/भुवनेश्वर —-यतः मुझे, बि० मिश्र,

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ज के ग्रधीन सभाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- व० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० खुंटी नं० 164 है, जो झारसुगुड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, झारसुगुड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 30-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय कर प्रधिनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में सुविधा के लिए;

भतः ग्रम्भ, जम्त प्रधिनियम की घारा 269-म के ग्रमुतरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीम, निम्नलिखिन व्यक्तियों प्रयत्- 1. श्रीमती ग्रनिमा देवी ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बिमला देवी साकुनिया।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिन नियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्य होगा, जो उस भन्नाय में दिया गया है।

# अनुसूची

वो मंजला मकान 164 नम्बर खुंटि पर झारसुगुड़ा मौजा में स्थित है। वह मकान झारसुगुड़ा सब रजिस्ट्रार झाफिस में 30-1-78 तारीख में रजिस्ट्रर हुझा; जिसके डाकुमेंट नं० 164 है।

> बी० मिश्र, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भुवश्नेवर,

तारीख: 18-9-78

# प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 भगस्त, 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/1119:--- ग्रतः, मुझ, दि० च०गोयल, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख

इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से मधिक है

मीर जिसकी सं० प्लाट (भाग) है, तथा जो भोपाल में स्थित हैं (भीर इससे उपाबत अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 2-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तइ प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रम्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उनत अधिनियम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिगाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रब, उस्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात् :--  श्री विजय बत्तालरय भाले पुत्र श्री बत्तासरय भाले निवासी ईद गाह हिल्स, भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री नरिंसग दास ग्रोवर पुत्न स्व० श्री चंदीराम ग्रोवर ठेकेदार, (2) श्रीमति ऊषा देवी पत्नी श्री नर्रासगदास ग्रोवर, 19, रिज रोड, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

्र ्यूजना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए क √बाहियां करता हूं।

उक्त तन्यांत के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी
  घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्च किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्च होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 3 का पूर्वी भाग, खसरा नं० 105, वार्क नं० 2, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

> दि० च० गोयल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-9-1978

अक्षय धाई० टी॰ एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 भ्रगस्त, 1978

निदेश सं० ए० सी० 28/एकुरे० IV/कल/78-79:— श्रतः मुझे, एस० के० दासगुप्त,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० — है तथा जो बार्नपुर रोड, श्रासन-सोल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रासनसोल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख 20-1-1978

को पूर्वोंकत सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐंगे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्श के जिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक उप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (खा) ऐती किसी प्राय ना किनी धन या प्रत्य ध्रास्तियों की, जिम्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तरिती द्वारा प्रश्यतहीं किया गया पाया किया जाना चाहियेथा, छिपान में ∫वधा के लिए;

श्रतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियन की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन श्रथीत् :— श्रीमती जयन्ति सिकदार।

(प्रन्तरक)

2. श्री श्रनिल कुमार दल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीका समानि के प्रजैन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाभेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ अ्यक्ति ढ़ारा, श्रश्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्लब्डीक्करगः—इसमें प्रयुक्त गम्दों प्रीर नदों का, जो उक्त यधि-नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिमाणित है. बही धर्म होगा, जो उस ग्रष्टवान में दिया गया है:

# अनुसूची

करीब 5 कट्टा 2 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया मकान जो बार्नपुर रोड, भ्रासनसोल, थाना, हिरापुर जिला बर्बमान पर भ्रबस्थित भ्रीर जो दलिल सं० 275 ता० 20-1-1978 का मनुसार है।

> एस० के० दासगुप्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजीन रोंज IV रफी अहमद किदबई रोड कलकता-16

तारीख: 26 ग्रगस्त, 1978।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०——— ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 30 ग्रगस्त, 1978

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जनः—यतः मुझे, एम०पी० वाशिष्ठ,

आयकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्वात् 'उक्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से श्रिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी सं० —— है तथा जो लाडनू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लाडनू में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 25-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत धाधिक है, धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी ग्राय की नायत सकत अखिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (सा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भव्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रप्तः ग्रब, उक्त श्रिष्ठिनियम, की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त श्रीष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अजीन, निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अयित्ः --

- (1) श्री पुणराज पुत्र लूनकरण गंगवाल मुख्तार श्राम सुखदेव चेरिटी श्रस्टैट (ट्रस्ट), लाडनू जिला नागौर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हुलास चन्द्र आर्थ पुत्र श्री नथमल माली द्वारा श्रीमती हुलासीदेवी भुटोरिया महिला मंडल, छठी पट्टी, लाडनू जिला नागौर।

(म्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी झन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्केंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों मीर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही स्रबंहोगा जो उस सब्याय में वियागया है।

### ग्रनुसूची

खुला प्लाट जमीन का जिसका क्षेत्रफल 750 वर्गगज है स्त्रौर जो स्रस्पताल रोड, बसस्टेण्ड के पास लाडनू में स्थित है स्त्रौर उप पंजियक, लाडनू बारा कम संख्या 72 दिनांक 25-1-78 पर पंजिबद्ध विकथ पन्न में स्त्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम०पी० वाणिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण भ्रजन रोंज, जयपुर

तारीखा: 30-8-78

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०———ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 30 भ्रगस्त, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा०/ স্থা০ প্রর্জন:----यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० —— है तथा जो लाडनू में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लाडनू में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 जनवरी, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- (1) श्री पुणराज पुच श्री लूनकरण गंगवाल मुख्तार आम श्री सुख देव चेरिटी अस्टेट (ट्रस्ट) लाडनू जिला नागौर।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री रामकुमार जांगिड पुत्र श्री रूपराम नियर रघूगेट स्टेशन रोड़ लाडनू जिला नागीर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित के हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# ब्रनुसूची

श्रोपन प्लाट जिसका क्षेत्रफल 772 वर्गगज है श्रोर जो श्रस्पताल रोड, बस स्टेण्ड के पास, लानडू में स्थित है श्रोर उप पंजियक , लाडनू द्वारा कम संख्या 73 दिनांक 25-1-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाक्षिष्ट, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 30-8-78

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

ग्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/४४३:---यतः मुझे, एम०पी० वाणिष्ठ,

श्रागकर श्रिधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० — है तथा जो शोमापुरा में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से, विणत है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय ब्यावर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1978 को

पूर्नेषत सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत भिष्ठक है, भीर मन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कचित नहीं किया गया है :--

- (क) झन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त अधि-मियम, के झधीन कर देने के झन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसो ग्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अतः धव उक्त प्रिविनयम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अग्निनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अग्नीन निक्मिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री यूनूस वल्द धन मसीह, रिचल देवी विधवा धनमसिंह, विक्टोरिया विधवा यूसफ, बेन्जामिन पुत्न यसूफ, भारतीय इसाई मिशन कम्पाउन्ड, ब्यावर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती केला देवी पत्नि श्री रामगोपाल माली सांखला मालीयांन सूरजपोल ब्यावर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य स्थित द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

शोमपुरा तहसील ब्यावर में स्थित कृषि भूमि में कुए सहित भाग में चौथा हिस्सा जो उप पंजियक ब्यावर द्वारा क्रम संख्या 250 दिनांक 21-1-78 पर पंजि बद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-9-78,

प्रकष माई• टी॰ एन• एस•-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 11 सितम्बर, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जनः—यतः मेझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से प्रधिक है और

ग्रीर जिसकी सं० — है तथा जो नेहरू नगर, ब्यावर में में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-1-78 को

पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित वाजार मूह्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती
(मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में
वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाजत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए। धौर/स
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर पश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्क्तिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री षांदकरण एवं श्री राधाकिशन पुत्र श्री प्रलाधदास एवं श्री प्रलाधदास पुत्र मथुरालाल राठी, नसीराबाद जिला भ्रजमेर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जंगलाराम पुत्र श्री जेठाराम, नेहरूनगर, ब्यावर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रज्ञेन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के प्रजैन के संबंध में कोई भी पाक्षेत:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसो व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संस्थित में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त अन्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के प्रश्याय 20क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भर्ष द्वोगा, जो उस भन्न्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूचो

एक खाली प्लाट, जिसका क्षेत्रफल 2538 वर्गगण जो नेहरू-नगर ब्यावर में स्थित है श्रीर उप पंजियक, ब्यावर द्वारा क्रमांक 196 दिनकां 27-1-78 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 11-9-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० --

व्यायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 सितम्बर, 1978

निदेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/442:—यतः मुझे, एम० पी० वाशिष्ठ,

श्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है,

भीर जिसकी सं० एफ०-41 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उापबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 मार्च, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं
और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
अक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर मिर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्ठिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निज्ञित व्यक्तियों, श्रथीत् :--- (1) श्रीमती सरला टांक पत्नि श्री नन्द लाल टांक द्वारा इंग्लिश वाईन एण्ड प्रोविजन स्टोर, स्टेंशन रोड, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वती देवी पत्नि श्री वासदेव सजनानी एवं श्री पेंसूराम पुत्र श्री हेमराज सिंधी प्लाट नं० 248, सिंधी कालोमी, बनीपार्क, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं ० एफ० 42, बनीपार्क, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 548 दिनांक 16-3-78 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० पी० वाशिष्ठ, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक भ्रा**यकर **ग्रायुक्त** (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7 सितम्बर, 1978।

प्रकप माई • टी • एन • एस • —

मायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269 व (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड-580004, दिनांक 16 धगस्त, 1978

निदेश सं० 223/78-79:—यतः मुझे, डी० सी० राजा-गोपालन,

आयकर भिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से भिष्टिक है,

श्रौर जिसकी सं० सी० नं० 85/1, 29 श्रौर 30/2, है जो जगरा होबली, चिकमगालूर जिला (तालुका) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, चिकमगालूर श्रंडर डाकुमेंट नं० 1772 दि० 19-1-78 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के स्रधीन, तारीख, 19 को पूर्वोक्त तन्नित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण खिखात में वास्तविक उप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उकत ग्राध-नियम के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 26% ग के धनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26% मकी उपचारा (1) के अधीन, निम्नसिक्त व्यक्तिमों, अर्थात् —

- श्री एस० मचाडो पिता जे० मचाडो काफी हाउस, जेल रोड, चिकमगल्र ।
  - (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स कोमल्स काद्धी हिल्स हलसे एस्टेट, मिडिगेरे तालुक चिकमगलूर तालुक और जिनका पार्टनर्स (1) एच० वि० जयाप्रसाद (2) एच० वि० राजागोपाल और (3) एच० वि० शिवन्ना सब का पिता एच० वि० वैरेगैडा हलसे एस्टेट, मुडिगैरे तालुक, चिकमगलूर-जिला । (श्रन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाह्यमां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही गर्य होगा,जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

काफी एस्टेट का नं० एस० 85/1, 29 श्रीर 30/2, जोगरा होबलि, चिकमगलूर-तालुका के यहां है। खुला स्थान 51 एकड़ 30 गटांय।

> डी० सी० राजागोपालन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, धारवाड

तारीख: 16 भगस्त, 1978।

प्ररुप भ्राई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, धारवाड्

धारवाष-580004, दिनांक 25 मगस्त 1978

निदेश सं० 226/78-79/ग्रर्जनः—यतः, मुझे, डी० सी० राजगोपालन,

ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 52, 52/1 श्रौर 53 है तथा जो हिरहरा टाऊन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हिरहरा ग्रांर डाकुमेंट नं० 1330/77-78, दिनांक 8-2-1978 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 8-2-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती तारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रन, उक्त श्रिधिनियम की धारा 169-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्राचीत:---

- श्री सा० ग्र० चुनिलालजी जैन, व्यापारी, हरिहारा टाऊन । (भ्रन्तरक)
- श्री चंस्पकलाल पिता पूजमचन्द व्यापारी, नरसाराया पढ़े, डाथनगेरे सिटी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सप्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की शारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही भर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसू**ची

श्रार० सी० सी० दो मंजला का मकान एक डिविजन हरिहरा टाऊन के यहां हैं। मुनिसिपल नं० 52, 52/1 श्रीर 53 श्रीर श्रवका दरवाजा का नं० 55, 56 श्रीर 57 है। एकन्न एरिया नं० 960, स्क्वेयर फीट है।

डी० सी० राजागोपालन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रारवाड़ ।

सारीख : 25-8-78.

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, धारवाड

धारवाड़-1580004, दिनांक 12 सितम्बर 1978 निदेश सं० 228/78ब79/ग्रर्जन:—यत:, मझे, डी० सी० राजा गोपालन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 24/पि० है, जो थाड़गोड़ गांव कलसा होबली मुंडिगेरे-तालुक में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुडिगेरे श्रंडर डाकुमेंट नं० 536/77-78 दि० 6-1-78 में भारतीय रिजस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

द्यत: द्राब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथित:—

- श्रीमती बीयनम्मा हाजिहिसम सेराब्बा का पातनी
  (2) श्रीमती हालिमम्मा पित एस० मोहम्मद पोडली
  मेंगलूर के वासी, (3) श्रीमती मैंमुना पित ए० एच०
  खादेर मागुंडी, एन० श्रार० पुरा तालुक, (4) श्रीमती
  मिर्यम्मा पित मोहम्मद हाजि पाने मेंगलूर बटेवाल तालुक,
  (5) श्रीमती नफीरेसा पित मोहम्मद कुनही एप्पिनंगडी
  पुत्रूर तालुक, (6) श्रीमती श्रेसम्मा पित इस्माल
  बंगेरे मंगलूर तालुक, (7) श्रीमती रहमनुनिस्सा
  पित प्रबद्धल रजाख पाने मंगलूर, (8) श्री मोहम्मद
  बाबा, (9) श्री खासिम, (10) श्री श्रबद्धल रसीद,
  (11) मास्टर श्रायुब मानार श्री श्रहमद बाबा के जरिये
  पेश किया जाता है। सी० 1 श्रौर 8 से 11 तक
  तुम्बे बेखाल तालुक एस० के० के० यहां रहते हैं।
- (श्रन्तरक)
  2. मैंसर्स संगम फलोरासनस और पर्टनर्स श्री एस० ग्रार इक्राहिम पिता रसूलखान, (2) ग्राडिटर ग्रोधकीर नेहरु रोड़, सुमोगा, (2) श्री टि० ग्रब्दुल रहमान पिता दिमोहीदून कॉफी प्लटर्स, (3) श्री एम० ग्रार० एस० संबानम पिता सेक्लालिंगम कॉफी प्लांटर्स मागुंडी, एन० ग्रार० पुरा तालुक के यहां रहा ने है। (ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त भन्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कौंफी एस्टेट साथ मिलाके नेल्लिकोप्पा एस्टेट के नाम से जाना जाता है। थाड़ गोड़ गांव, कलसा होबलि मुडिगेरे तालुक के यहां है। सर्वे नं० 24/पि० वि० ग्रार० टि० नं० ए० 86 एकत्र स्थान 78 एकर्स 20 गुंटास है।

> डी० सी० राजागोपालन, सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड ।

तारीख: 12 सितम्बर, 1978।

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० →

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व (1) के अधीम सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बंबई

बंबई, दिनांक 14 अगस्त 1978

निदेश सं० ए० बी०-I/3017-2/फरवरी 78:---यसः मुझे, एफ० जे० फर्नान्डिज

आयंकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सञ्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी० एस० नं० 2 सी०/(699) (भाग) मित श्रौर मालाबर श्रौर कुम्बा०हिल डिवीजन है तथा जो दादर रोड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दादर रोड़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 सितम्बर, 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिस (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से तुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्राहितमों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिघिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

शतः शव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, सक्त श्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन मिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— 4—276 GI/78 1. श्री बेनी प्रसाद कनोरिया भौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गिरधर गोपाल शर्मा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में मर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप :--

- (क) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2597/72/वंबई उप रजिस्ट्रार श्रिधिकारी द्वारा दिनांक 18-2-1978 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एफ० जे० फर्नान्डिस, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 14 भगस्त, 1978।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०——— भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० ग्र० ई० 2/2535/2/फा०/78:—-ग्रतः मुझे, ए०सी० चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से भिक्त है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 53 श्रीर सी० टी० है तथा जो एस० व्हि० रोड़, मालाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15 फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से श्रिधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के घधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: ग्रांर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रज, उक्त ग्रिप्तियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिप्तियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिप्तीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्णात् :—

- पंकज बिल्डर्स प्राईवेट लिमिटेड । (भ्रत्तरक)
- 2. विवेक मन्दिर को० ग्रा० प० हाउ० सो० लि०
- 3. संलग्न परिणिष्ट 'भ्र' के भ्रनुसार । (भ्रन्तरिती) वह ष्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में संपत्ति है।

---ययोपरि--परिशिष्ट 'म्र'

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

1. श्री जसवन्तलाल एम० मेहता, 2. श्री पी० एल० पथियर,

3. मैंसर्स, परगांन प्लास्टीकस्, 4. श्री जे० बी० मेहता, 5. श्रीमती श्रसरी चुन्नीलाल भाटिया, 6. श्रीमती सविताबेन एस० संगानी, 7. श्रीमती मथुकान्त एच० शाह, 8. श्रीमती लक्ष्मी बी० बासवानी, 9. श्री मुकुंद सिंह गुरुवार, 10. श्री प्रधान जेटा भाई, 11. श्रीमती डी० एम० भाटिया, 12. श्रीमती रेवाबेन पी० मयानी, 13. श्री महेश एम० कबुर 14. श्री भगवान दास चतुरभुज शाह, 15. श्री कोसारे वी० रूपरेल, 16. श्री नातुभाई एन० देसाई, 17. श्रीमती कांताबेन कांतिलाल विरमगाम 18. श्री रमेश एच० बजाज।

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजनल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, बही श्रर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो माप से 1200 वर्गगज या ने 1003 वर्ग मीटर के लगभग बराबर है, उस पर खड़ी छ: फ्लेटों की तल भीर दो ऊपरी मंजिलों वाली इमारत सहित बंबई महानगर में विवेकानंद रोड़, मलाड में मौजूद है ग्रौर मलाड गांव के सर्वे नं० 53 का भाग श्रौर मलाड विक्षण के सिटी सर्वे नं० 444 का भाग है, श्रीर बांद्रा रजिस्ट्री उप-जिले तथा बंबई उपनगर जिले के ग्रंतर्गत है, तथा जिसकी सीमा इस प्रकार है, कि पूर्व में उस सब-डिवीजन का प्लाट नं० 3. पश्चिम मं प्लाट नं० 4 श्रीर उससे श्रागे मनोरंजन के मैवान के लिए खाली छोड़ी गई बिना बनी जमीन का 15% क्षेत्रफल, उत्तर में 30 फीट का श्राम रास्ता श्रीर उससे श्रागे उस सब डिबीजन का प्लाट नं० 2. जो मजिठिया नगर को० ग्रा० प० हाउ० सो० लि० का है, श्रोर दक्षिण में मला ह के सर्वे नं० 53 वाली जमीन यह संपत्ति उस बड़ी संपत्ति का श्रंग है, जो बंबई नगर निगम द्वारा 'श्रार' वार्ड 219, 225 श्रार०-221 व 220, स्ट्रीट नं० 26, 27, 27-ए०, 26 सी०, डी० व एफ० तथा 26 ए० स्वामी विवेक्षानंद रोड के म्रधीन निर्धारित (म्रसेस) होता है ।

> ए० सी० चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, 2, बम्बई कानपुर

तारीख: 31 ग्रगस्त, 1978

प्रका आई. टी. एन. एस.---

भायकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1978

तिदेश सं० ए० पी० 356/कपूरथला/78-79:---यतः मृझे, पी० एन० मलिक,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परवास् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— य॰ से प्रधिक है

ग्नौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो जहांगीर पुर में स्थित है (ग्नौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक रूप से अधित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ब्रिबिनियम, के सबीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी वर्त या भ्रम्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भग्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

गतः अग, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित स्यक्तियों प्रचौतृ:---

- श्री बेला सिंह पुत्र शोभा सिंह, वासी जहांगीर पुर। (ग्रन्सरक)
- 2. श्री बहादुर सिंह, मिहन्द्र सिंह श्रीर चर्ण सिंह पुत्रान जगत सिंह पुत्र खड़क सिंह, गांव भंडल बेट, जिला कपूर-थला।

(ग्रन्सरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिमके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितकद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्षि के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्वित के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीय:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शर्विध, जो भी शर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, झघोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिमियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है वहीं पर्य होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

# च**न्**सूची

जहांगीर पुर गांव में 81 कनाल 2 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2583 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी कपूरथला में लिखा हैं।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिंडा ।

तारीख: 1 सितम्बर, 1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 357/फरीदकोट/78-79:—यतः मध्मे,पी० एन० मलिकः,

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ए० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटक-पुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के किए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रम्तरक (प्रम्तरकों) और अम्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य छ उक्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रान्तरण के दायिस्व में भमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधनियम, या धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विस्ता जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-थ की उपवारा (1) के भीन मिननेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री राम नरैन पुत्र माधी मल पुत्र घुना मल, वासी कोटकपूरा।

(भ्रन्तरक)

- 2. श्री महन्त सोहन दास थेला बाबा तवासी पूर्ण दास चेला बाबा पंजाब दास गांव धींगडा तहसील फुल । (ग्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिमोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
  में हितबग्र है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कोटकपुरा में 63 कनाल 12 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3027 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सज्ञम श्रीधकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीखः 1 सितम्बर, 1978।

मोहरः

निदेश सं० ए० पी०

# प्ररूप माई • टी • एन • एस • ----

आयुक्र प्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर 1978

मुझे, पी० एन० मिलक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटक-पुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्थार पूर्ण रूप

में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त आधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रग्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती धन कौर पुत्री संत राम, हरबंस लाल, राम प्रकाश पुतान तुलसी राम वासी कोटकपुरा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जगीर सिंह पुत्र सुचा सिंह, श्रौर गुरमेल सिंह पुत्र जगीर सिंह वासी कोटकपुरा।

(ग्रन्त रिती)

- उ. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
  अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
  सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भो श्राक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश्व से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगै।

स्पाचीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त श्रक्षित्यम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कोटकपुरा में 40 कनाल कृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 3185 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिखा।

तारीख: 1 सितम्बर, 1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, विनांक 1 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी० 359/फरीदकोट/78-79:—यतः मुझे, पी० एन० मिलक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटक-पुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्म से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देंने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी अन या ग्रम्य श्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर श्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनयम' या श्रन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षात् :---  श्रीनती राम रक्खी पत्नी राम नरेन पुत्रमाकी मल बासी कोटकपुरा

(भन्तरक)

 महन्त सोहन दास चेला बालिया तबसी पुर्ण दास चेला बाबा पंजाब दास कोटकपूरा।

(भ्रन्तरिती)

- उ. जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास
  जिखित में किये जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कोटकपूर में 33 कनाल 6 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं॰ 3035 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक सक्षम प्राघिकारी सहायक श्रायक**र आयुक्त (निरीक्षण**) श्रर्जन रेंज, भटिका

तारीख: 1 सितम्बर, 1978

प्रकृप भाई । टी । एन । एस । ---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० 360/भटिंडा/78-79:——यतः मुझे, पी०एन०मलिक,

भायकर भिष्ठित्वम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिष्ठित्वम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- द० से भिष्ठिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हर राएपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहम से कम के दूषमान प्रति-फल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्षय से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रियिनयम, के ग्रियीन कर देने के ग्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायन्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः सब, उन्त प्रधिनियम को घारा 269-ग के सनुसरक में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्थात्:---  श्री निगन्द्र सिंह पुत्र दोधा सिंह पुत्र बुटा सिंह वासी हरराएपुर तहसील भटिंडा।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमित बलबीर कौर परनी हरनेक सिंह पुत्र जुगराज सिंह वासी हरराएपुर तहसील भटिंडा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4ं जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
श्रश्नीहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के ब्रर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा, जो उस भ्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

हरराएपुर गांव में 79 कनाल 15 मरले छृषि भूमि जैसा कि विलेख नं० 4937 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी भटिंडा में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भटिडा।

तारीख: 1 सितम्बर, 1978

प्रारूप धाई• टी• एन॰ एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 सितम्बर, 1978

निदेश सं० ए० पी० 361/फरीदकोट/78-79:—-थतः मुझे, पी० एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है,

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है घौर मन्तरक (मन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किमी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गभा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरज में, मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों प्रधात :--  श्री भगत सिंह पुत्र मेहर सिंह पुत्र हमीर सिंह गांव पिपली जिला फरीवकोट।

(अन्तरक)

 श्री पाला सिंह, महिन्द्र सिंह बसाखा सिंह बगैरा पुतान मेहर सिंह गांव पिपली जिला फरीदकोट।

(म्रन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह पूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षिप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की सामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### **घनुसू**ची

फरीदकोट में 56 कनाल 19 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 3079 जनवरी, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्राथुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भटिङा

तारीख: 2 सितम्बर, 1978

प्ररूप आई०टी० एन० एस०———— आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के ग्रिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (तिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 2 सितम्बर 1978

निदेश सं० ए० पी॰ 362/फरीदकोट/78-79:—-यतः मुझे, पी॰ एन॰ मलिक,

श्रायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से ग्रिविक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो प्रबुल खुराना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकत ग्रिविकारी के कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिवीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्परण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीम कर दैने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त धिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त घिधिनियम की घारा 269-म की घारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:— 5—276 GI/78

 श्रीमती जयकौर विश्ववा भगवान सिंह पुत्र गनी सिंह वासी श्रवुल खुराना।

(श्रन्तरक)

- 2. श्री बलदेव सिंह, बलविन्द्र सिंह पुतान सुरजीत सिंह पुत्र किणन सिंह वासी अबुल खुराना तहसील मुक्तसर। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह भूत्रता जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविन्न,
  जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति
  जारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर जक्त स्थायर सम्पत्ति
  में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुषी

भ्रबुल खुराना गांव में 120 कनाल 8 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2318 जनवरी,1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज, भटिंडा ।

तारीख: 2 सितम्बर, 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनांक 12 सितम्बर 1978

मलिक, धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है (रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1878

- को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफत्न के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय भी बाबत उक्त ग्रिश्चिन नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/बा
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना नाहिए था, खिपाने में मुविधा के निए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम को धारा 269-ग के धन्-सरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के श्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयौत्:—  श्री (1) प्रीतम सिंह पुत्र प्रमर सिंह, (2) रण-जीत सिंह द्वारा रूप राय मैंकेनिकल वर्कस खेड़ा, रोड फगवाडा।

(भन्तरक)

2. श्री (1) सोहन सिंह पुत्र गुरूदेष सिंह, (2) गुर-मीत कौर पत्नी सोहन सिंह वासी चहल कलां, जिला जालन्धर।

(ग्रन्सरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त भिक् नियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खेड़ा रोड फगवाड़ा पर एक मकान का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1743 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> पी० एन० मिलक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख: 14-9-1978.

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी• एन• एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भटिंडा भटिंडा, दिनोंक 12 सितम्बर 1978

सं० ए० पी० 364|फगवाड़ा|78−79---ग्रतः मुझे पी० एन० पनिक

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व्यए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर ग्रिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्रिनियम, या धन-कर ग्रिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों, ग्रथीत्:—  श्री प्रीतम सिंह पुल ग्रमर सिंह ग्रौर रणजीत सिंह पुल ग्रमर सिंह द्वारा रूप राय मैंकेनिकल वर्कस खेड़ा रोड, फगवाड़ा।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री सोहन सिंह पुत्र गुरूदेव सिंह, (2) गुर-मीत कौर पत्नी सोहन सिंह वासी चहल कला जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्यत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राप्तेय :-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा |
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: -- इसमें प्रमुक्त काम्बों भीर पदों का, जो उक्त शक्षितियम के शब्याय 20क में परिभाषित है, वही शब्दें होगा जो उस शब्याय में दिया गया है।

# **ग्र**नुसूची

खेड़ा रोड फगवाड़ा पर एक मकान का 1/2 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1743 रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक, सक्षम प्राधिकारी,

तारीख: 12-9-1978. सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), मोहर: श्रर्जन रेंज, भटिंडा। प्ररूप माई० टी• एन० एस०------

सायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारतर भागुनत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं०एफ० डी० के० 365/ए० पी०/78-79—-श्रतः मुझे, पी०एन० मलिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द • से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपुरा में स्थित है ∦(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय फरीदकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्रप्रतिशत से भिष्ठक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्न, निम्नतिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में बाक्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी भन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उन्त मिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उम्त मिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :---  श्री शिबु राम पुल घमन्डी लाल पुल गोवरधन दास, वासी कोटकपुरा ।

(ग्रन्तरक)

 श्री दीवान चन्द पुत्र गुरिदत्ता मल पुत्र सेठ सुन्दर दास, वासी कोटकपुरा।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूजना नारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वक्कोकरण: --- इसमें प्रयुक्त भाव्यों भीर वदों का, जो उक्त श्राधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं भर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

दाना मन्डी कोटकपुरा में एक दो मंजिला दुकान नं० बी-VIII /703 जैसा कि विलेख नं० 2983 जनवरी 1978 रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> पी० एन० मलिक, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भटिंडा।

**तारीख:** 13-9-1978.

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज पूना-411005 पूना-411005, दिनोंक 19 अगस्त 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/मार्च 78/367/78-79-यतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 37 पर 649ए-1, नासिक हैं तथा जो नासिक में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नासिक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16' के अधीन, सारीख 17-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाइ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (था) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य मास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिबाद व्यक्तियों, धर्यात्।—

- श्रीमित इंदुमली गजानन गुप्ते, परमसुख कोश्रॉपरेटिव हौसिंग सोसायटी, गावड रोड, नौपाडा ठाणा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री डा० सुधाकर एकनाथ कोतवाल एम जी० रोड, मुंदडा मार्केट, नासिक। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिध-नियम के ग्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

### अमुसूची

जमीन प्लाट %० 37,  $649 \cdot \text{ए}/1/1-1$  नासिक (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत निलेख सं० 384 दिनांक 17-3-78 सब रिजस्ट्रार नासिक के दफतर में लिखा है)।

श्रीमित पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना ।

दिनोंक: 19-8-78

प्ररूप झाई+ टी• एन• एस•-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004 दिनांक 19 घ्रगस्त, 1978

निर्देश सं०/करवीर/मार्च 78/366/78-79--श्रतः मुझे, श्रीमति पी० ललवानी :

द्यायकर द्यक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त द्यक्षिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के ब्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका द्वित बाजार मूस्य 25,000/- क्पए से ब्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 70 ई० वार्ड प्रतिभानगर कोश्रापरेटिय होंसिंग सोसायटी लि० कोलहापुर है तथा जो कोलहापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय करवीर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-3-78 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक इप से कियत नहीं किया गया है —

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री एम० सी० जोशी 1383, सैकंड खंड, राजामपुरी कोल्हापुर, (श्रन्तरक)
- श्री व्ही० बी० हवालदार ई०-1292 बागल चौक कोल्हा-पुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त धिधिनियम, के घट्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस घट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान प्लाट नं ० 70, ६० वार्ड प्रतिभानगर कोग्रापरेटिय हौसिंग सोसायटी लि० सागरमाल कोल्हापुर

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 441, दिनाक 13-3-78 की सब रजिस्ट्रार करवीर के वस्तर में लिखा है)।

द्यीमित पी० ललवानी सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

दिनांक 19 भगस्त, 1978 मोहर: प्ररुप प्राई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष(1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 19 ग्रगस्त 1978

निर्देश सं० सीए 5/नासिक/मार्च 78/368/78-79-- ग्रतः मुझे श्रीमित पी० ललवानी ग्रायकर भिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रवीन सक्षम भाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से ग्रिधिक है

धौर जिसकी सं० क० 76/1B+2v+2 बी, है तथा जो मनमाड ता० नांदगीय में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में, रिजस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 2-3-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त नियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम या भ्रत-कर म्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:—

- 1. श्री दिंगबर चुनीलाल गुजराथी मनमाड ता० नांदगांव, डिस्ट्रिकट नासिक (ग्रन्तरक)
- 2. श्री शांतिलाल उत्तमचंद मुथा, मनमाड ता० नांदगांव जि० नासिक (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इह सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन एस०नं० 76/1 बी +2v/2बी/76-2ए मनमाङ ता० नवगांव जिला नासिक

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख क० 27 दिनांक 2-3-78 सब रिजट्रार नांदगांव में दफ्तर में लिखा है)।

> श्रीमित पी० ललवानी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, पूना,

दिनांक 19 ग्रगस्त, 1978 मोहर: प्रसप माई० टी० एन० एस० ----

आयकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज पूना

श्रर्जन रेंज-411004, दिनांक 28 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० सी ए 5/हवेली I/प्रेजु 78/369—-प्रतः मुझे श्रीमति पी० ललवानी,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इक स ग्रिधिक है

म्रीर जिसकी संख्या सिर्यसर्व्ह क 251 है तथा जो पूना में स्थित है (ग्रीर इससे उप बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) इरजिस्ट्री-कर्ता जिथकारी के कार्यालय हवेली I में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 18-2-78
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की नानत उक्त प्रधिनियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्लए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के श्रधीन, निस्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- ा. (1) श्री वाय० एस० साने, 135/5, एरंडवण, पुने 4
  - (2) एम० भ्रार० खांडेकर, 528, नारायण पेठ, पूर्णै ।
  - (3) डी ब्डी ब्ह्रीयंशी, 12, स्टाण्ह्ले रोड, पुणे (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ए० जे० जाघवराव 1202/3/14, स्नापटे रोड, पुणै-4 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के भवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिश्च या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक्षितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनसूची

जमीन और उसके साथ मकान जो सी० टी० एस० नं० 251, नारायण पेठ पूना में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल : 60वां वर्ग फीट (जमीनका) 2998 (मकान) वर्ग फीट

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 335 दिनांक 18-2-78 को को सब रजिस्ट्रार हवेली I पूना के दफतर लिखा है)

श्रीमित पी० ललवानी, सक्षम श्रीधकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना,

दिनांक 28-8-78 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस•-----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, ध्रहमवाबाद,

श्रहमवाबाद, दिनांक 14 जून 1978

मायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रुपये से भ्रिधिक है

स्रोर जिसकी सं० एफ० पी० नं. 262, 263, टी० पी० एस०-26 है। तथा जो वासणा, श्रहमवाबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-1-78

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है।

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, खकत श्रिष्ठित्यम के ग्रिप्तीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन पा अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम या अनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपासे में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रन्सरण में. में उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रामीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रामीत्:—— 6—276GI/78

- 1. श्री केशवलाल छबाभाई करता श्राफ एच० यू० एफ०, मैसर्स गिरजा सूत कारपोरेशन, वासना, श्रहमदाबाव (श्रन्तरक)
- 2. चंद्र प्रभा को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी प्रमुख : श्री हरीभाई शंकरभाई पटेल, विरलाम पारक सोसायटी के पास, वासणा, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी श्रविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक क
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रोर पदों का जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वहीं भ्रष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक 5625 वर्ग गज खुली जमीन वाला प्लाट जिस पर चार ब्लाफ का फाऊंडेशन का काम किया हुआ है तथा जिसका फायनल प्लाट नं० 262, 263, है टी० पी० एस० नं० 26 है तथा जो वासणा, ग्रहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 19-1-78 वाले बिकी दस्तावेज नं० 723/78 में दिया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, श्रहमदाबाद

विनांक 14-6-78 मोहर : प्रकृष आई• टी• एम• एस• ─~

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के घटीत मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरोक्षण)

भ्रर्जन रेंज -I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23—I—1540/(686)/
1-1/77—78——ग्रतः मुझे एस० सी० पारिख,
भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- इ०
से ग्रधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 335 पैकी सब प्लाट नं० 1-ए, है तथा जो घाट-लोडीया गांव, ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तिकल हम से किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की वासत उक्त धाधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य प्रास्तियों को जिक्हें, भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निये;

भतः धक, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- श्री देवमुरारी प्रभुदास कल्याणदास गांधी, नवरंपुरा गांव, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बी० ठक्कर, चेयरमेन श्राफ:---ग्रभीनंदन को० ओप० हाउसिंग सो० लि०, मारफत श्रभीनंदन एन्ड कं० जेन देरासर के सामन, उसमानपुरा, श्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह भूवना अस्तो करके पूर्वीका समानि के अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित का किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में विधा गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2984-2/3 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं 335 पैकी, सब प्लाट नं 1-ए है तथा जोघाटलोडीया गांव श्रहमदाबा में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वनर्ण 17-1-78 वाले बिकी दस्तावेज नं 607 में दिया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज स्नहमदाबाद

दिनांक 25-7-78 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

तार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1540 (687)/1-1/77-78—अतः मुझे एस० सी० पारिख,

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क∙ में अधिक है

भ्रौर जसकी सं० 335 पैकी, सब प्लाट नं० 1-सी, है तथा जो घाटलोडीया गांव, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीफर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मेंरिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-1-78

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भायकी वाबत उक्त श्रवि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसो घत या अन्य प्रास्त्तियों की, जिन्हों भारतीय ध्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्षात् :—

- 1. श्री गीरीष क्रुमार प्रभूदास गांधी, नवरंगपुरा गांव, श्रहमवाबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्री बी० ठक्कर, चेयरमैंन श्राफ: ग्रभीनंदन को० श्रोप० हाउसि गसो० लि० मारफत श्रभीनंदन तथा कं० जेन देरासर के सामने, उसमानपुरा, श्रहमदाबाव। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### धनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2984-2/3 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 335 पैकी सब प्लाट मं० 1-सी है तथा जो घाटलोडीया गांव में ग्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 17-1-178 वाले बिकी दस्तावेज नं० 608 मं दिया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, प्रक्षमदाबाव

दिनांक 25-7-78 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1978 निवेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1540 (688)/1-1/77-78--श्रतः मुझे एस० सी० पारिख, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से श्रधिक है

और जिसकी सं० 335 पैकी सब प्लाट नं० 1-बी, है तथा जो धाटलोडीयागांव, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कार्यालय, श्रहमबाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के वायिडव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथितः—

- 1. श्रीमित रामकुंत्ररबेन धर्मपित्न श्री प्रभुवास कल्याणदास गांधी, नवरंगपुरा, गांव, श्रहमदाबाद-9 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बी० ठक्कर, चेयरमैंन आफ: अभीनंदन को० श्रोप० हाउसिंग सो० लि० मारफत अभीनंदन एंग्ड क, जेन देरासर के सामने, उसमानपुरा, श्रहमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी धअवि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रथट्ट होगा जो उस श्रध्याय में दिया 'गया है।

### श्रनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 2984-2/3 वर्ग गज है तथा जिसका सर्घे ० नं ० 335 पैकी सब प्लाट नं ० 1-बी है तथा जो घाटलोडीया गांव में, श्रहमदाबाद में स्थित है। सथा जिसका पूर्ण वर्णन जनवरी, 1978 वाले बिकी दस्तावेज नं ० 609 में दिया गया है।

> एस० सी० पारी**ख,** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद,

दिनांक 25-7-78 मोहर: प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घश्चीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1647(689)/16-6/77-78—म्रत: मुझे एस० सी० पारिख,

श्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० दो मंजिला मकान है। तथा जो लक्ष्मी फरनीचर के सामने, डेंबर रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-1-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त ग्रिश्चित्यम' के धन्ने कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिधनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उन्त भधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-घ की उपन्नारा (1) के श्रधीन निम्नीचिवत व्यक्तियों, अर्थात्:——

- लबीताबेन धनजीभाई चनीयादा, डेबर रोड, मेहता पेट्रोल पम्प के सामने, राजकोट (श्रन्तरक)
- 2. शोभनाबेन जनकराए मेहता, कलावाड रोड, कीरीत नगर, राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना **जारी** करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां **करता हूं**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब क
  किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्वडहीकरण: --इसमें प्रयुक्त गडदों ग्रीर नदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक वो मंजिला मकान जो 143-258 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो लक्ष्मी फरनीचर के सामने डेबर रोड, पर राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78 वाले बिकी दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनाक: 26-7-78

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 1 श्रगस्त 1978

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० पंच नाथ प्लाट नं०-11, है। सथा जो ध्रोल हाउस 11 पंचनाथ प्लाट-राजकोट, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 20-1-78

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम विश्वत योजार प्रन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कम विश्वत योजार से स्वास्त कम कम लिक्न लिखत उद्देश्य से उक्त घन्तरण कि खित में वास्तविक कम के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त मधि-नियम के भधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी भाय वा किसी धन या ग्रन्थ ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उन्त प्रिवित्यम, की धारा 269-ग के धनुसरण में; मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्।—

- श्री हरीशंकर वोरा (प्रोपरटीज) प्रा० लि० पावर श्राफ एटारनी होल्डर: श्री जीव राम शंकरजी दवे, 5 केवडा वाडी, राजकोट (श्रन्तारक)
- श्री सोनी भगवानजी परषोत्तम पब्लक चेरीटेबल ट्रस्ट,
   मेडूल नगर, नीलकंठ टाकीज के पास, राजकोट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त ग्रिश्चिम म के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक ध्रचल सम्पत्ति जो 877.50 वर्ग गज भूमि पर स्थित है है तथा जो 11, पंचनाथ प्लाट पर "ध्रोल हाउस" राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 20-1-78 वाले विकी वस्ता-वेज नं० 236 में दिया गया है।

> एस० सी० पारिख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमवाबाद

दिनांक: 1-8-1978

### प्रारूप माई० टी॰ एन॰ एस॰---

प्रायक्षर शक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 भ्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-1695/(692)/16-6/77-78—श्रत: मुझे एस० सी० पारिख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की छ।रा 269-च के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रम्बल सम्पत्ति जो "मोदी हाउस" के नाम से प्रख्यात है। तथा जो जवाहर रोड, श्रल्फेड हाई स्कूल के सामने, राजकोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-1-78

आधानयम, 1908 (1908 का 16) क श्रधान 11-1-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से
धिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर (धन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिखत में बास्तविक
रूप से अधिन नहीं किया गया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिन्नियम के भिन्नीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी वन या भण्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनयम, या धन-कर भिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त श्रधिनियम, की श्रारा 269-ग के प्रनुसरण मे, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपशाणा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:--

- श्री हस्मुखलाल सोभाग्यचंद मोदी, पावर आफ एटारनी होल्डर: श्री सौभाग्यचंदमोती चंद मोदी, दीवान परा, 6-प्रभाविला, राजकोट (श्रन्तरक)
  - 2. ट्रस्टीज श्रोफ दीपकभाई फैमिली ट्रस्ट,
    - (i) श्री जवाहर लाल प्रभाशंकर दफतरी,
- (ii) श्री दीपकभाई जे० दफतरी, त्रौथो माड्-419-ए, पंचरतन, भामा प्रभानंद मार्ग, बस्बई-4

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त मंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो कत धिक नियम, के घड्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस धड्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक वो मंजिला मकान जो "मोदी हाउस" के नाम से प्रख्यात है तथा जो 682 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो जवाहर रोड पर-एलफेड हाई स्कूल के सामने, राजकोट में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण विवरण 11-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 105 में दिया गया है।

> एस० सी० पारिख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 1-8-878 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी • एन० एस०-

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमधाबाद

ग्रहमवाबाद, दिनांक 8 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1726(693)/16-6/77—78—ग्रतः मझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का सारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है और

जिसकी सं कों नं 389 है। तथा जो प्रदूमननगर, पन्चनाथ प्लाट, मोरी नं 17, राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन जनवरी, 1978

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक का से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) सन्तरण से **धुई किसी धाय** की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (मा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भधिनियम, या श्रंम कर मिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

अतः यव, उक्त प्रजिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्रीमती मंगलागौरी नाराणदास भाई, पन्चनाथ प्लाट नं 17, राजकोट, (श्रन्तरक)
- श्री रमेशचन्द्र धीरजलाल शाह, पन्चनाथ प्लाट नं० 9, राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :- -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशम की लारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति डारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीत्र से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भघोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के झड्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही धर्म होगा, जो उस झड्याय में दिया गया है।

### अमुभूची

एक श्रवल सम्पत्ति (जिसका सर्वे नं० 389) जो 175 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो प्रदूमननगर, पन्चनाथ प्लाट, शेरी नं० 17, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन जनवरी, 1978 वाले बिकी दस्तावेज नं० 1289 में दिया गया है।

> एस० सी० परिख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

दिनांक: 8-8-78

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-I, कार्यालय ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 8 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23—I-1727(694)/ 16-6/77-78—श्रतः मुझे, एस० सी० पारिख,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है, की धारा 269—ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से म्रधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० अचल संपति, है। तथा जो सौराष्ट्र हाई स्कूल के पास राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रीधिनियम के श्रधीन कर धेने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:——7 -276GI/78

- 1. श्री जसवंत कुंबरवा गदारसिंहजी जाला काशी विश्वनाथ प्लाट, राजकोट (श्रन्तरक)
- श्री योगेश चन्द्र वल्लभदास णाह, मारफत महाराणीदास, वल्लभदास गाह, लखेजराज रोड, राजकोट (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पढटोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है!

### अनुसूची

एक श्रवल सम्पति जो 660.69 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जो सौराष्ट्र हाई स्कूल के पास, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 16-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 170 में दिया गया है ।

> एस० सी० परिख, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

विनांक: 8-8-78

# प्रकृप भाई० टी० एन० एस०----

पायकर भ्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

निदेश सं० पी० श्रार० 601/ए० सी० क्यू० 23-1075/ 19-7/7-8-79---भ्रतः मुझे, एस० सी० परीख, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त भधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 15 (फाईनल प्लाट नं० 69) सिटी सर्वे नं 1560 से नं 97 पैकी है। तथा जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने जा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रम्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत. उनके ध्रिष्ठित्यम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आप यो किसी घन पा अन्य प्रास्तियों, की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उत्तन विधिनियम की धारा 269-ए के प्रनुसरण में, में, उत्तत प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भधीन, निम्नलिश्वित व कित्यों अर्थातः :- ~

- (1) श्री विनोद कुमार धनसुखलाल गले मंडी, मोरी गोरी, सुरत, (अन्तरक)
  - (2) 1. श्री अब्दूल रजाक मियां अहमद गजीवाला
    - 2. श्री मोहमद णरीफ मिया ग्रहमद गजीवाला
- 3 श्री सहेरा बीवी मिया श्रहमद गजीवाला श्रंबावाडी, इन्द्रपुरा, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबधि, जो भी शबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस अचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितडड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताशरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थण्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रिश्च-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही शर्थ होगा जो उस सम्झाय में दिया गया है।

#### भ्रनुसुची

जमीन व मकान जो बार्ड नं० 15 (फाइनल प्लाट नं० 69) सिटी सर्वे नं० 1560 सर्वे नं० 97 पैकी उमरवाडा सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 613 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी सूरत के जनवरी 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 182 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 9-8-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस •--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, ग्रहमवाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 श्रगस्त 1978

निदेश सं० पी० ग्रार० 602/ए० सी० क्यू०-23-1075/ 19-7/78-79—ग्रत:, मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से श्रिधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 9 नोंध नं० 2496 है। तथा जो भुखन दास भोरी, बालाजी रोड, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सूरज में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 2-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई
है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत श्रष्टिक है ग्रीर भन्तरक
(भन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे शन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम, के घधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत, ग्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269 ग के ग्रनुसरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित ⊶-

 (1) मधुकर मंजीलाल स्वयं तथा (i) सर्जू मधुकर, (ii) सोनिया मधुकर के कुल मुखतार 11-12 हरीण बिल्डिंग, विक्षित रोड, बिले पार्ले, बम्बई-57

- (2) जितेंद्र हीरालाल पटेल स्वयं तथा (i) सपाली जितेंद्र पटेल  $(i^i)$  साहिल जितेंद्र पटेल,  $(i^{ii})$  हेतल जितेंद्र पटेल के कुल मुखतार बालाजी रोड, सूरत
- (3) चन्द्रहास मनीलाल पटेल स्वयं तथा (i) पासल चन्द्र-हास, (ii) प्रपूर्व चन्द्रहास पटेल के कुल मुखतार बालाजी रोड सुरक्ष ।
- (4) समीर कुमार मनीलाल पटेल स्वयं तथा नीरज समीर कुमार पटेल के कुल मुखतार, बालाजी रोड, सूरत (अन्तरक)
- (2) (i) बाब्भाई काशीराम तमाक्वाला चौरा बाजार, सुरत,
- (2) उमिला बेन, बाबूभाई काशीराम की पत्नि, (3) रमेश चन्द्र बाबू भाई तमाकूवाला (4) दिलीप कुमार बाबूभाई तमाकूवाला (5) श्रलोक कुमार बाबूभाई तमाकूवाला (6) नवनीत लाल बाबूभाई तमाकूवाला (7) नरेण कुमार बाबूभाई तमाकूवाला (8) सगीर राजेंद्र कुमार बाबूभाई तमाकूवाला, (9) सगीर परेशकुमार बाबूभाई तमाकूवाला 9 श्रौर 10 के कुल मुखतार : बाबूभाई काशीराम तमाकूवाला चौरा बाजार, सूरत । (श्रनितरती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्वो का, जो उक्त भ्राधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन और मकान जो बार्ड नं० 9, नोंध नं० 1496,भूखन दास शेरी, बालाजी रोड, सूरत में स्थित है जिसका कुल माप 169 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी सूरत के जनवरी, 1978 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 137 में प्रदर्णित है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 9-8-1978

प्रसप धाई० टी० एन० एस०-----

**प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269व(1) के धन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1,अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 10 भ्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० न्यू-23-I-1465 (695)/I/77-78---भ्रतः मुझे, एस० सी० परी**ख**, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 76 पैकी सब प्लाट नं० 2, है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई, जि० ग्रहमदाबाद, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-1-78

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; फ्रीर/या
- (ल) ऐसी किनी प्राय या किसी धन या ग्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर म्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयायायाकियाजानाचाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के धनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269 म की उपधार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---

(1) श्री रमेशचन्द्र कांतीलाल पटेल तथा ग्रन्य, "नीलधरा" एह्सिक्रीज, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

- (2) निरांत पार्क हाऊस श्रोनर्स एसोसिएशन (सूचित) की ग्रोर से
  - (1) श्री विनोद चन्द्र जेठालाल पटेल तथा अन्य, नवरंगपुरा, स्वाती सोसायटी, ग्रहमदाबाद
  - (2) श्री रसीकलाल ग्रार० सूरती, 19, साबरकुंज सोसायटी, ग्रहमदाबाद-१

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की प्रविधियात स्तंत्रधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद किसी म्रन्य व्यक्ति द्वारा, मन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:----दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो घ्रष्टयाय 20-市 के प्रधिनियम परिभाषित हैं, वही मर्थ होगा, जो उस प्रक्रमाय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 10466.50 वर्ग गज है, तथा जिसका सर्वे नं० 76 पैकी सब प्लाट नं 2, है तथा जो थलतेज, ता दस्क्रोई डिस्ट्रीक्ट ग्रहमदाबाद में स्थित हैं। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 104 में दिया गया है।

> एस॰ सी॰ परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I म्रहमदाबाद

दिनांक: 10 भ्रगस्त 1978

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०---

भागकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-ा श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 श्रगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० क्यू०-23-I-1465(696)/1-1/77-78—अत: मुझे, एस० सी० परीख,

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रँर जिसकी सं० सर्वे नं० 79/1 तथा 79/2 पैकी सब प्लाट नं०-ए, है तथा जो थलतेज ता० दस्कोई, डिस्ट्रीक्ट भ्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनिय, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 4-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रष्टतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसा किसी माय या किसी घर या अन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या घनकर मिनियम, या घनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भव उक्त मिसिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त मिसिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्निक्षित व्यक्तियों, भर्मात्:—— (1) मणीबेन कांतीलाल पटेल तथा ग्रन्य, "नीलधारा" एल्सिक्रीज, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

- (2) नीरंत पार्क हाऊस ग्रोनर्स एसोसियेशन; (सूचित) की ग्रोर सें :—
  - (1) श्री विनोद चन्द्र जेठा लाल पटेल, तथा श्रन्य, नवरंगपुरा—स्वाति सोसायटी, श्रहमदाबाद
  - (2) श्री रसीकलाल श्रार० सूरती, 19, साबर कुंज सोसायटी, श्रहमदाबाद-9

(ग्रन्तरिती)

उन्त सम्यति के मर्जन के संबंध में कोई भी मान्नेय:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की सबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खंस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषिन हैं, बही ग्रमं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 17182 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 79/1, तथा 79/2 है (पैंकी) सब प्लाट नं० ए है तथा जो थलतेज, ता० दस्काई, डिस्ट्रीक्ट म्रहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पुर्ण वर्णन 4-1-78 वाले बिकी दस्तावेज नं०-103 में दिया गया है।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख: 10-8-1978.

प्ररूप श्राई∘ टी० एन० एस०---

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, म्रहमदाबांद

अहमदाबाद, दिनांक 10 भ्रगस्त 1978

निवेश नं० ए० सी० क्यू०-23-ा-1465(697)/1-1/77-78—-म्रतः, मुझे, एस० सी० परीख,

न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त न्निधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के न्निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपए से न्निधिक है

श्रौर जिसकी सं० 79/1 तथा 79/2, पैकी सब प्लाट नं० बी, है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई, डिस्ट्रीक्ट श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्र याया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:--- (1) श्री कांतीलाल खुशालदास पटेल तथा ग्रन्य, "नीलधारा" एल्सिक्रिज, ग्रहमदाबाद

ं(ग्रन्तरक)

- (2) नीरांत पार्क हाऊस स्रोनर्स एसोसिएशन (सूचित) की स्रोर से :—
  - (1) श्री विनोव चन्त्र जेठालाल पटेल तथा अन्य, नवरंगपुरा, सुवाति सोसायटी, श्रहमदाबाद,
  - (2) श्री रसीक लाल श्रार सूरती, 19 साबरकुंज सोसायटी, अहमदाबाद-4 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्राध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रष्टमाय 20-क में परिभाषिष्ठ हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

### **ग्रनुसूची**

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 17004.23 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 79/1 तथा 79/2 पैकी है तथा सब प्लाट नं० बी है तथा जो थलतेज ता : दस्कोई, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78 वाले किकी दस्तायेज नं० 102 में दिया गया है ।

एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

विनांक: 10 श्रगस्त 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 भ्रगस्त 1978 निदेश नं० ए० सी० क्यू० 23-ॉ-1465/(698)/1-1/ 77-78---भ्रतः० मुझे एस० सी० परीख प्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० सर्वे नं० 76 पैकी, सब प्लाट नं० 1, है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई डिस्ट्रोक्ट श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 4-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भ्राय कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रत: श्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- (1) श्री हेमन्द्रकुमार कांतीलाल पटेल, "नीलधारा" एल्सिकीज, ग्रहमवाकाद (अन्तरक)
- (2) नीरांत पार्क हाऊस ग्रोनर्स एसोसिएशन (स्चित) की ग्रोर से:—
  - (1) श्री विनोद चन्द्र जेठालाल पटल नयरंगपुरा स्वाती सोसायटी, ग्रहमदाबाद ।
  - (2) श्री रसीक लाल श्राट सूरती 19, साबरकुंज, सोसायटी, ग्रहमदाबाद-4

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर राम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रद्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रपत्ल 10466.50 बर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 76 पैकी, सबप्लाट नं० 1 है, तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई डिस्ट्रीक्ट ब्राह्मदाबाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 4-1-78 वाले बिकी दस्तावेज नं० 101 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

विनांक: 10-8-1978

प्रह्म स्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर प्रतिनियन, 1961 (1961 का 43) की

धार। 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 श्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1465(699)/1-1/77-78—प्रतः मुझे एस० सी० परीख प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तअधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 77, पैकी सब प्लाट नं ० 2, है तथा जो थलतेज, ता दस्क्रोई डिस्ट्रीट, ग्रहमवाबाद, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण

म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 21-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) स्नन्तरण से हुई किसी स्नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के स्रधीन कर देने के स्नन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुखिधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्— (1) श्री रमेशचन्द्र कोतीलाल तथा अन्य, "नीलघारा" एल्सिक्रीज, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

- (2) नीरांत पार्क हाऊस श्रोनर्स एसोसिएशन (सूचित) की श्रोर से :-
  - (1) श्री रमेश भाई नन्द लाल कोठारी तथा अन्य, नवरंगपुरा, मिनीता एपार्टमेन्ट श्रहमदाबाव
  - (2) श्री नरेन्द्र के पटेल, 10, टेकस्टाईल टेकनी-शीयन सोसायटी, श्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के ऋजैंन के सम्बन्ध में कोई भी ऋक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्राध्दोक्तरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 11858 वर्ग गज हैं तथा जिसका सर्वे नं० 77 पैकी, सब प्लाट नं० 2 है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई डिस्ट्रीन्ट अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 21-1-78 वाले बिक्री दस्तावेज नं० 873 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक : 10 ग्रगस्त 1978

प्रकप धाई • टी • एन • एस ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज- ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1465(700)/1-1/77-78—-श्रतः मुझे एस० सी० परीख

ग्रामकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- कपए से ग्रिधिक है

भीर जिसकी सं० नं० 75, पैकी सब प्लाट नं ० 1 है, तथा जो थलतेज ता० दस्कोई डिस्ट्रीक्ट भ्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीनदिनांक 21-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-य की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——
8—276GI/78

(1) श्री कोती लाल खुशालवास पटेल "नीलधारा" एल्सिकीज, श्रहमवाबाद

(भ्रन्तरक)

- (2) नीरांत पार्क हाउस स्रोनर्स एसोसिएशन (सूचित) की स्रोर से :---
  - (1) श्री रमेण भाई नन्दलाल कोठारी तथा श्रन्य, मिनीता एपार्टमेन्ट, श्रहमदाबाद
  - (2) श्री नरेन्द्र के पटेल, 10, टेक्सटाईल टेक्नी-शीयन सोसाईटी, अहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितन के किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 18876 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 75, पैकी सब प्लाट नं० 1, है तथा जो धलतेज, ता० वस्कोई डिस्ट्रीकट भ्रहमदा- बाद में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 21-1-78 वाले बिकी दस्तावेज नं० 871 में दिया गया है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 11 ग्रगस्त 1978

प्ररूप भाई० टी**० एन॰** एस०---

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1978

निवेश नं० ए० सी० क्यू० 23-1-1465 (701)/1-1/77-78—श्रतः मुझे एस० सी० परीख आयकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के झडीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से शक्षिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 75, पैकी सब प्लाट नं० 2, है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई, डि॰ श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है —

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे धवने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) मणीबेन कोतीलाल पटेल, "नीलधारा" एल्सिक्रीज, श्रहमदाबाद

(ग्रन्सरक)

- (2) नीरांत पार्क हाऊस श्रोनर्स एसोसिएशन (सूचित) की श्रोर से:--
  - (1) श्री रमेशभाई नन्द लाल कोठारी तथा श्रन्य, मिनीता पार्क, नवरंगपूरा, श्रहमदाबाद
  - (2) श्री नरेन्द्र के पटेल, 10, टेक्सटाइल टेक्नीशियन सोसायटी, श्रहमदाबाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उनत सम्वति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों।

स्पष्टीकरण: --इसमें संयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिथिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित ह, बही ग्रर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक खुली जमीन बाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 18876 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 75 पैकी सब प्लाट नं० 2 है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई डिस्ट्रीक्ट ग्रहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 21-1-78 वाले बिकी दस्तावेज नं० 869 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 11 श्रगस्त 1978

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस० -

भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 26-ध(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 भ्रगस्त 1978

निदेश नं० ए० सी० क्यू० 23-I-1465(702)/1-1/77-78— अतः मुझे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

प्रगेर जिसकी सं० सर्वे नं० 77 पैकी, सब प्लाट नं० 1, है तथा जो थलतेज, ता० दस्कोई, डिस्ट्रीकट अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात:--- (1) हेमेन्द्र कुमार कोतीलाल पटेल, "नीलधारा" एल्सिन्नीज, श्रहमदाबाद

(भन्तरक)

- (2) निरांत पार्क हाऊस ग्रोनर्स एसोसिएशन (सूचित) की ग्रोर से :---
  - (1) श्री रमेशभाई नन्दलाल कोठारी तथा श्रन्य, मिनीता एपार्टमेंट, नवरंगपुरा, श्रिहमदाबाद
  - (2) श्री नरेन्द्र के० पटेल, 10 टेक्सटाईल टेक्स्नी-शीयन सोसायटी, श्रहमदाबाद-1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सप्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त णब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 11858 वर्ग गज है, तथा जिसका सर्व नं० 77 पैकी सब प्लाट नं० 1 है तथा जो थलतेज , ता० दस्कोई, डिस्ट्रीक्ट अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन 7-1-78 वाले विक्री दस्सावेज नं० 211 में दिया गया है।

ए० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेंज-I,ग्रहमबाबाद

विनांक: 11 श्रगस्त 1978

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1978

निदेश नं ० ए० सी० क्यू-23-I-1488(703) 1/1-1/77-78—- अत: मधे एस० सी० परीख आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

ह्थावर सम्पर्सि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से

पधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 195, सब प्लाट नं० 1 तथा 2, टी० पी० एस० 14, है तथा जो शाहीबाग, भ्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 17-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (अन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अग्नित्यम के अग्नीन कर देने के ग्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपानें में सुविधा के लिए।

अतः सब, उन्त ग्रविनियम, की धारा 269-म के भनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रविनियम की झारा 269-च की उपधारा (1) के ग्राधीन, निम्नविवित व्यक्तियों, ग्रवीत् :---

- (1) 1. श्री गौतम साराभाई ॄ "रिट्रीट"
  2. गीरा साराभाई िशाहीबाग, श्रहमदाबाद
  3. श्रीमती लीना एम० मंगलदास, मंगलबाग,
  श्रहमदाबाद (एिल्सबीज) "श्रम्बालाल साराभाई
  की एस्टेट के जीवित निष्पादक तथा ट्रस्टीओं"
  (श्रन्सरक)
- (2) साराभाई मैंनेजमेंट कारपोरेशन लि०, शांति सदन, मिरजापुर रोष्ट्र, श्रहमदाबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पक्षों का, जो उक्त घिन नियम के घटनाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

### अनुसूची

एक श्रचल सम्पत्ति जो 4738-37 वर्ग मीटर पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 169, 172, 173 है तथा जिसका एफ० पी० नं० 195 है, सब प्लाट नं० 1 तथा 2, टी० पी० एस० नं० 14, है तथा जो शाहीबाग श्रहमदाबाद में स्थित है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक : 11 भ्रगस्त 1878

# प्रकप भाई• टी० एन• एस•—--

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ए (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कार्यालय ग्रहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 11 ग्रगस्त 1978

निदेश नं ए० सी० क्यू०-23-I-598(704)/1-1/77-78---भ्रतः मुझे एस० सी० पारीख श्रायकर भिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- वपमे से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 211, 212, 213, 214, तथा 215-11, है तथा जो एमं० पी० शाह स्यूनिसिपल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, जामनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-1-78

सम्पत्ति उचित बाजार मुख्य को पूर्वीक्त के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों)भीर भन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ओर/वा
- (ब) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या भ्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर श्रीध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वात: प्रव, उक्त ग्रजिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त मिक्रिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन निस्न शिखित व्यक्तियों अर्थात्ः —

(1) जामनगर मिनी फरटीलाइजर प्रोजेक्ट प्रि० लि० मैनेजिंग डायरेक्टर : श्री दलीवंद माणेकचन्द भाखड़ा, न्यू सुपुर मारकेट, जामनगर

(भ्रन्तरक)

- (2) जनक म्राईल इन्ड्रस्टीज की म्रोर से भागीदार:--
  - 1. श्री महेन्द्र कुमार नरोत्तमदास,
  - श्री नितीनकुमार नरोत्तमदास
  - 4. श्री प्रवीगकुमार नरोत्तम दास,
  - 5. श्री मणीलाल रामाजी (पिता तथा ग्रवयस्कों के स्रभिभावक की हैसियत से) (i) रजनीकांत मणीलाल (ii) विपिन कुमार मणीलाल (iii) संजयकुमार मणीलाल, कन्याशाला रोड, भानवाड़
  - 6. श्री नरोत्तम दास रामाजी स्वयं तथा दीपक कुमार नरोक्तम दास के ग्रभिभावक की हैसियत से, भानवाड़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रक्रैन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त प्रस्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की ध्रवधि या **तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना** की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये आर सर्केंगे।

इपकाशकरण:--इसमें प्रभुक्त कब्दों घौर पदों का, जो उक्त घडि-तियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही धर्य होगा जो इस घड्याय में दिया गया है।

## धनुसूचा

वर्कशाप बिल्डिंग, भ्रोफिस, स्टोर ब्लोक, फाऊडरी शेंड भ्रादि जो 16420.2 वर्ग फुट जमीन पर स्थित है तथा जिसका म्रार० एस० नं० 211, 212, 213, 214, 215-1 है प्लाट नं० बी-31, है तथा जो एम० पी० शाह म्यूनिसियल इन्डस्ट्रीयल एस्टेट, जामनगर में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन 16-1-78 वाले बिक्री दस्ता-वेज नं० 182 में दिया गया है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त, निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 11 भ्रगस्त 1978

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एस∙---

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायांलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

## प्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1728(705)/1-1/77-78—-श्रतः मझे एस० सी० परीख, भायकर ग्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

भायकर ग्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/र रू० से भधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 211-1, 212-ए-2, तथा 412 हिस्सा नं० 4, टी० पी० एस० 14, सब प्लाट 2, है तथा जो दरीयापुर काजीपुर, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्श्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त आधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रत: भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथात्:-- (1) श्री हरीप्रसाद डी० लशकारी, पावर श्रोफ एटारनी होल्डर : श्री श्रनील कुमार एच० लशकरी, दुरगेश बंगलो, शाहीबाग, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) कनूभाई पूंजीलाल गजजर, 1185-1 न्यू श्रसाखा, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रार्वन के संबंध में कोई भी भाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन क भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्दों भीर पशें का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 493 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 211-1, 212-ए-2, तथा 412, हिस्सा नं० 4, टी० पी० एस० नं० 14, एफ० पी० नं० 275, सब प्लाट नं० 2, है तथा जो दरीयापुर काजी-पुर श्रहमदाबाद में स्थित है।

एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

दिनांक: 11 ग्रगस्त 1978

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269 घ (1) के भघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाव दिनांक 18 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1631(706)/10-1/77-78----ग्रतः मझे जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 1-जी-4, प्लान नं० 11, सब प्लाट नं० 32, 33, 34 तथा 78 है तथा जो बेडी बंदर रोड, जामपुरी एस्टेट, जामनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन 13-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह थिएवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय को बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर देते के प्रन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या श्रन्य श्रस्तियों की जिम्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत्। मब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अमितसों, अर्थात् :--

- (1) श्री ग्रम्बा विजय प्रो० लि० ससेक्स लोज, जामनगर
- (2) श्री देवूभा पंचनजी सदोदार

(भ्रन्तरक)

- (2) मैसस डी० ग्रिधरलाल एन० कं०, की श्रोर से भागीदार:-
  - (i) श्री दोलारराए पी० प्रेमाणी,
  - (ii) श्री दिलीयभाई पी० प्रेमाणी,
  - (iii) श्री अपनील भाई पी० प्रेमाणी
  - (iv) श्री जयेशकुमार पी० प्रेमणि
  - (v) श्री ग्रिधरलाल वृज लाल पोबारे,
  - (vi) श्री मनहर वृजलाल पोबारे, ग्रेन मारकेट, जामनगर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घट्याय 20क में परिमा-जित हैं, वही घर्ष होगा जो उस धट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 19165 वर्ग फुट है तथा जिसका सिटी सर्वे संवनंता-जी-4, प्लाट 11, सब प्लाट नंव 32, 33, 34 तथा 78 है तथा जो बेडी बंदर रोड पर, जामपुरी एस्टेट, जामनगर स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 13-1-78 वाले बिकी दस्तावेज नंव 106 में दिया गया है

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

दिनांक : 18-भ्रगस्त 1978

प्ररूप प्राई० टो० एन० एस०-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269य (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II कार्यालय ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 11 श्रगस्त 1978

निदेश नं० पी० श्रार-611/ए० सी० क्यू०-23-1069/
19-8/78-79--श्रतः मुझे एस० सी० परीख
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

६० से प्रधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 13/4/4 पैकी है तथा जो श्रठवा लाईन्स दिवाली बाग के पास, सुरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिक-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की उपछारा (1) के ग्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~~

- (1) श्री राजन प्रकाशचन्द्र शाह पी० ए० होल्डर : श्री प्रकाशचन्द्र श्रमीचन्द शाह रामपुरा, टुंकी, सुरत (ग्रन्तरक)
- (2) वैभव एपार्टमेन्टस को० ग्रो० रा० सो० लि० के प्रसीडेन्ट की हैसियत में श्री प्रमोदकुमार छगनलाल घोकसी, सेन्नेटरी की हैसियत में श्री जणवन्तलाल मोहनलाल मांडलवाला ग्रठवा लाईन्स, दिवाली बाग के पास सुरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वॉ≉त संपक्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
  हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्व होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जोकि म्रठ्या लाईन्स, वियाल बाग के पास, सुरत में स्थित है, जिसका नं० वार्ड नं० 13/4/4 पैकी है म्रौर क्षेत्रफल 773 6 वर्ग गज है जिसका वर्णन रजिस्ट्रीकर्त्ता म्रधिकारी सुरत के सामने जनवरी 1978 में किए गए रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 596 में है।

> एस० सी० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II श्रहमदाबाद

विनोक: 11 श्रगस्त 1978

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग शिलांग, दिनांक 6 जून 1978

निर्देश सं० ए-182 कि ग्रार जे | 78-79 | 1961-62 — ग्रत:

मुझे, एगबर्ट सिंग

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देशके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० तालुका 15025/338 तालुक काजिल है तथा जो भाग सं० 18 होविडिंग सं० 176 करिमगंज बार्ड सं० 18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करीमगंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक हैं और सन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय को बाबत उकत अधि-नियम, के घडीन कर देने के घन्तरक के दायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी भाग या किसी भन या प्रत्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिमियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः पन, उक्त प्रधितियम को धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधितियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के भ्रामीन निम्ति कित क्यस्तियों, पर्धात् :--- 9---276 GI/78

(1) श्री हाजी महमद श्रब्दुल हमिद चौधरी, वनामाली करीमगंज, कछाड़ (श्रासाम)

(अन्तरक)

(2) श्री समपत लाल जैन, मोहन लाल जैन का पुत्र, स्टेशन रोड़, करीमगंज कछाड़ (ग्रासाम)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्तब्दोकरगः --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रक्रमाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

# **प्रनुसूची**

जमीन के परिमाप 2 1/2 जित (प्राच 2 काता) जो कि ग्रोल्ड स्टेशन रोड़, करिमगंज में स्थित है ग्रौर इसमें एक घर खड़ी है जो कि तालुक सं० 15025/338 कछाड़ जिला ग्रासाम ग्राधा भाग पड़ा है।

एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, णिलांग

दिनांक: 6 जून 1978

प्रव्य प्राई० टी• एन• एस•------

म्रायकर भ्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-थ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 9 जून 1978

निर्देश सं० ए०-184/के० श्रार० जे० 1983-87/78-79— श्रतः मुझे, एगबर्ट सिंग श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ख से ग्रधिक है

धौर जिस की तालुक सं० 14780/901, 14800/114, 14965/176, 14885/156, 11610 हैं तथा जो परगना कुसियार कुल, खालापेरा मौजा, करिमगंज में स्थित हैं(श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय करीमगंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 31-1-78

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूझ्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह अतिशत से अधिक है और यह झन्तरक (झन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्ठिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनयम या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उरत ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, 'उक्त ग्रधिनियम, की भारा 269-च क़ी उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राणीतृ:—

- (1) 1. श्रीमती मनोरमा, वास, स्वर्गीय सरवा चन्द्र दास की पत्नी ।
  - 2. श्री सरज कुमार दास,
  - 3: श्री प्रभात चन्द्र दास
  - 4. श्री सिटांगसू चन्द्र दास स्वर्गीय सरदा चन्द्र दास का पुत्र (2 से 8) बोर्ड सं० 5, करीमगंज, कछाड़ (श्रन्तरक)
- (2) श्री समरेश रोय चौधुरी श्री सुबोध रंजन रोय चौधुरी का पुत्र निलमनि रोड़, करीमगंज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पूर्विक्त सम्पत्ति के श्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मिति के प्रजीन के पम्बन्त्र में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, नो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है ।

### अभूमुखंश

जमीन के परिमाप 15 काता (बंगाली) उसके साथ में एक मकान खड़ा है, श्रीर मकान का परिमाप 700 वर्ग फुट है। यह निलमनी रोड, करीमगंज, कछाड़ जिला, श्रासाम में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक: 8 जून 1978

# प्ररूप धाई० टी॰ एन० एस० ------

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ए-190/ गेव /78-79/2334-36—-भ्रत: मुझे, एगबर्ट सिंग,

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

प्रौर जिस की सं० दाग नं० 380 है तथा जो के० पी० पट्टा नं० 252 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रतुस्ची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मौजा उल्लाबार एन० ती० उल्लाबारी मौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 9-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरित (प्रन्तिकार्थ) के बीच ऐसे अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रन्तिकार्थ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबत में वास्तविक कप में कारत नहीं किया वया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रीवित्यम के भन्नीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में क्सी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय पा किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उदत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नियितित स्पक्तियों, भवीतः—

- (1) श्री मुख राम कुमार, उल्बारी, गौहाटी (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री लाखु गोपाल प्रग्नवाला, फैन्सी बाजार गोहाटी
  2. श्री घीषालाल प्रग्नवाला बरपेटा रोड़, जिला
  कामरूप।

(अन्तरिती)

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घषि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीबा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रयं होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया नया है।

# धनुसूची

जमीन की माप 1 बीघा दाग नम्बर 380 का, के० पी० पट्टा नम्बर 252 मौजा उल्बारी का, न्यू टाउन उल्बारी, गौहाटी जो कामरूप जिला उल्बारी जी० एस० रोड़, गौहाटी ग्रसम में स्थित है।

> एगबर्ट सिंग सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक : 7 सितम्बर 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-ज (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षणं)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निदेश सं० भ्रार 126/ग्रर्जन श्रतः मुझे श्रमर सिंह बिसेन आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

त्रीर जिस की सं० एक मकान पुखतामय जमीन व तमाम इमारत है, तथा जो उदयपुर खां बरेली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार बरेली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 27-1-1978 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिणत से ग्रिधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रय: ग्रव, उस्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के **प्रमु**सरण न, मैं, उक्त प्रक्षिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रक्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्रीमती गंगा देबी पत्नी श्री शिव प्रसाद व (ग्रन्य) (ग्रन्तरक)
- (2) राजकुमार पुत्र स्व० घनश्याम दास (श्रन्तरती)
- (3) गंगा देवीं (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकन सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुल मकान पुखतामय जमीन व तमामी इमारत वाकै उदयपुर खास बरेली मय श्राराजी  $43\frac{1}{2}$  वर्गगज यानी 364.17 वर्ग मीटर तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 735/78 तथा सेल डीड म विणित हैं, जोकि रिजस्ट्रार बरेली के

कार्यालय में दिनांक 27-1-78 को दर्ज हैं।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज रेंज, लखनऊ

दिनांक: 6 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०~

श्रामकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुनत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निदेश सं० 83-के/एक्यू — अतः मुझे, श्रमर सिंह विसेन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० 9-ए हैं तथा जो कृष्णनगर लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16 के) ग्रिधीन दिनांक 2 जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— (1) श्री देव भण्डारी

(भ्रन्तरक)

(2) डा० कृष्णकान्त पान्डेय

(भ्रन्तरिती)

(3) ভা৹ कृष्णकान्त पांडे (यह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यत्ति के अजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—∽

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध 'जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अन् सूची

एक किता मकान नं० 9-ए जो कि कृष्णनगर लखनऊ में स्थित है तथा सम्मत्ति का वह सब विवरण जो फार्म नं० 37-जी संख्या 1/78 तथा सेल डीड में वर्णित है तथा चीफ सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2-1-78 को दर्ज है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) भर्जन रेंज लखनऊ

विनांक: 6-9-1978

प्ररूप बाई० टी० एन० एस०-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 सितम्बर 1978

निवेश नं रग्म 102/बर्जन-अतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं बी-1 ब्लाक 3 बी-सिविल लाइन बरेली 35/1-बी, बी-ब्लाक है तथा जो 38 सिविल लाइन बरेली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 18-1-1978,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिक्षित्यम के श्रिष्ठीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 299-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 299 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— (1) दो भ्राइडियल कोभ्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० बरेली

(अन्तरक)

(2) श्रो महेग चन्द्र गुप्ता सुपुत्र स्व० बेन राम

(ब्रन्तरित )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### **प्रतु**सूची

कोठो नं बी-1, (ब्लाक 35/1 बो, बी ब्लाक रामपुर गार्डेन)
38 सिविल लाइन बरेली व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म
37 जी संख्या 356 तथा सेल डीड में विणित है जो कि सब रजिस्ट्रार
बरेली के कार्यालय में दर्ज है।

श्रमर सिंह विसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 6 सितम्बर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 20 सितम्बर 1978

निदेश ० पी-66/प्रर्जन—श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्व 25,000/- क्पए से श्रिधक है

स्रौर जिस की सं० 24 है तथा जो विशेष्वर नाथ रोड़ लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 25-1-78 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात, से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त स्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: ग्रव, उक्त प्रधियनयम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्;--- (1) श्रीमती रामेश्वरी गर्ग

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमती प्रीतम कुमारी घरोरा

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रिता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्धों घौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता मकान नं० 24 जिसका क्षेत्रफल 4088 वर्गिफिट है जो विशेष्वर नाथ रोड लखनऊ में स्थित है तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेंसडीड तथा फार्म 37 जी नं० में वर्णित है थ्रौर जो कि सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25/1/78 को पंजीकृत हुन्ना है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20 सितम्बर 1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 सितम्बर 1978

निदेश नं एस०-170/अर्जन---- श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप से श्रिधिक है

स्रौर जिस की सं० 532, 532/1 व भूमि स्नावि है तथा जो भरोली बाजार देवरिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देवरिया में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 10-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के म्रधीन कर देने के म्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ध्रतः श्रबं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 259ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 क्ष की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रथीत् :--- (1) श्री सिया राम पुत्न लक्ष्मी राम गोपाल कृष्ण रवीन्द्र नाथ पुत्न सियाराम

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सिव मोहन प्रसाद 2. शक्ति कुमार 3. पवन कुमार पुत्र सत्यनारायन प्रसाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अयुस्ची

मकान सम्पत्ति संख्या 532 व 532/1 व भूमि म्रादि स्थित भरोली बाजार देवरिया तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेल डींड तथा फार्म 37-जी नं० 154 में वर्णित है भ्रौर जो कि सब रिजस्ट्रार देवरिया के यहां दिनांक 10-1-78 को रिजस्टर्ड है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 21 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस०--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1978

श्रर्जन रेंज, 1 दिल्ली-14/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली-1

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्य०/1/एस ग्रार-III/263/ जनवरी-8/77-78/2947-—श्रतः सझे, जे० एस० गिल प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य, 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रोर जिस की सं० डी-89 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 6-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर धन्तरक (धन्तरित्यों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिबे तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उत्तत अवधि-नियम के धधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

सतः सव, उक्त मधिनियन की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--10--276GI/78

(1) श्रीमती एल० एस० साहनी, पत्नी स्वर्गीय श्री सीरूमल जाहनी, द्वारा जी० पी० णाहनी, निवासी श्रार-115, ग्रेटर कलाश-।, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० एव० मुखी, सुपृत्र स्वर्गीय श्री मुखी महेण चन्द तथा श्रीमती निर्मल कुमारी, गत्नी श्री एम० एव० मुखी, निवासी ई-593, ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदीं का, जो उनत श्रिधित्यम के श्रद्ध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 89, ब्लाक नं० 'डी' ग्रीर क्षेत्रफल 453 वर्ग गज है, कालकाजी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्व : रोड़ तथा प्लाट नं० डी-88

पिष्चम : प्लाट नं० डी-90 उत्तर : सर्विस लेन

दक्षिण : रोड़

जोगिन्दर सिंह गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 16 सितम्बर 1978 मोहर:

#### प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज I, दिल्ली-1 4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली।
दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० स्राई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस श्रार-III/264/जनवरी-9/77-78/2947- श्रतः मुझे, जे० एस० गिल, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिष्ठिक है श्रौर जिसकी सं० सी-244 है तथा जो डिफैन्स कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 6-1-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (क्व) ऐसी किसी माय या किसी धन या भग्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

प्रतः, प्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बाल किशन कपूर (एच० यू० एफ०) श्री बाल किशन कपूर एच० यू० एफ० के द्वारा, (2) दिवान रनजीत राय अपूर, सुपुत्र श्री दिवान बौलत राय कपूर, निवासी सी-96, डिफैन्स कालौनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्राणा नाथ, पत्नी श्री ग्रचल नाथ, निवासी डी-885, न्यु फ्रैंन्डस कालौनी, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्वव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक ढाई मंजिला बिल्डिंग जोकि 325 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट के ऊपर बनी हुई है, जिसका नं० सी-244 है, डिफैन्स कालीनी, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : जायदाद नं 245 पश्चिम : जायदाद नं० 243

उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : रोड़

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्लो-1

विनांक 16 सितम्बर 1978 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रिविनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I दिल्ली-1 4/14 क, ग्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली ।

विनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस ग्रार-III/376/ मार्च/78-79/2947 ग्रत मुझे, जे० एस० गगिल भायकर प्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रीर जिस की सं० 54 है तथा जो गोलफ लिंकस, नई दिल्ली में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध धनसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 21-3-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की वावत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के किए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिलियम, या घनकर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः प्रव, उन्त प्रधिनियम की घारा 269ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपचारा (1)के प्रधीन। विस्निचित व्यक्तियों प्रचीत्:---

- (1) मैं यूनाइटिड होटल प्रा० लि०, होटल एमबैस्डर, सुजान सिंह पार्क, इनके मैंनेजिंग डायरैक्टर श्री राम प्रसाद के द्वारा, संपुत्र स्वगय श्री बेनी प्रसाद, निवासी जे-14, हाउज खास, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) स्प्री चुप्रल रीजनरेशन मूत्र मैन्ट फाउनडेशन, शंकराब चार्य नगर, ऋषीकेश (यू० पी०) इनके सक्टरी (1) श्री प्रोफला श्रीवास्तवा, सुपुत्र एल० श्री ग्राई० बी० एल० श्रीवास्तवा तथा श्री एस० पी० गुप्ता, सुपुत्र श्री रामपाल गुप्ता के द्वारा,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्णन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा, जो उस प्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक ढाई मंजिला बंगला जिसमें दो गैरेज तथा एक सरवैन्ट कमरा भी है,1:524:37 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुआ, है, जिसका नं० 54, ब्लाक नं० 10 है, निवासी कालौनी गोलफ लिकस, नई दिल्ली में हैं।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली1

दिनांक 16 सितम्बर 1978 मोहर: प्रक्ष भाई० टी० एन० एस०----भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I विल्ली-1

4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस प्रार-III/377/मार्च 78-79/2947— ग्रतः मुझे, जे० एस० गिल आपकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास गरन का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रिधिक है

श्रौर जिस की सं० 55 है, तथा जो गोलफ लिकस, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-3-1978 की

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है भौर भुक्को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रहें प्रतिशत से ध्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:──

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिश्चित्रम, के श्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमां करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धारः, भ्रव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, यें, रुवत अधिनियम की धारा 269-घ की सपधारा (1) के मधीन निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात्।--- (1) श्रीमती बिमला देवी, पत्नी श्री राम प्रसाद, निवासी जे-14, हाउज खास, नई दिल्ली श्री राजीन्द्र कुमार, सुपुत्र श्री राम प्रसाद, श्री पवन प्रसाद, सुपुत्र श्री राम प्रसाद, श्री पवन प्रसाद, सुपुत्र श्री राम प्रसाद निवास जे-14 हाउज खास, नई दिल्ली तथा श्रीमती वीना खन्ना, पत्नी श्री श्रनील कुमार खन्ना, निवासी 873, स्वामी नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) दी महिला हयान विद्या पीठ, डी 1 24 डिफैश्स कालोनी, नई दिल्ली इनके वाईस प्रेसीडैन्ट कुमारी कीर्ती श्रीवास्तव सुपुत्री श्राई० बी० एल० श्रीवास्तवा तथा जनरल सैकेटरी कुमारी ग्रंजली नारुन्दकर, सुपुत्री श्री श्रार० पी० नारुन्दकर के द्वारा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रजेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के भर्जन के संबंध में कोई मो आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को श्रवधि जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्। श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक ढाई मंजिला बंगला जिसमें दो गैरेज तथा एक सरवैन्ट कमरा भी है, 1514 वर्गगज क्षेत्रफल के प्लाट पर बना हुम्रा है, जिसका नं 55, ब्लाक नं 10 है, निवासी कालौनी गोलफ लिकस नई दिल्ली में है।

> जे० एस० गिल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायुकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली।

दिनांक : 16 सितम्बर 1978

प्ररुप ग्राई० टी० एन० एस०∸−−−

आयकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज II दिल्ली-1

4/14क, श्रासफग्रली मार्ग नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 14 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ध्राई० ए० सी०/ एक्यू०/11/जनवरी-55/3551/78-79/2934—श्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से ग्रिधिक है।

स्रौर जिसकी सं ० डब्लू जेंड-8 हैं तथा जो कीर्ती नगर, इन्डस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वांगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीत, दिनांक 16-1-1978 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिक्षित्यम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीन :---

(1) श्री राजीन्त्र सिंह तथा सुरीन्द्र सिंह, सुपुत्र एस० सोहन सिंह, निवासी डब्लू जैंड-8/6 तथा 7, अकाल बिल्डिंग, कीर्ति नगर, नई दिल्ली-1

(भ्रन्तरक)

- (2)श्री एस० हरबंस सिंह जुनेजा, सुपुत्र एस० तीर्थ सिंह जुनेजा, निवासी द्वारा के 111 कीर्ती नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)
- (3) मैं० ग्रार० के० संस लेबल कं० (वह व्यक्ति जिस के ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के स्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वऽद्योकरण:--इसमें प्रमुक्त गञ्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया हैं।

#### भ्र<u>न</u>ुसूची

जगराद जितका नं० डब्लू जैड-8, जोकि व्यायसाययिक भी है, इसका क्षेत्रफल 65 वर्ग गज है, जिसमें एक शैड भी बना हुन्ना है, इन्डस्ट्रियल एरिया, कीर्ती नगर, श्रकाल बिल्डिंग, बसाए दारापुर गांव के क्षेत्र, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व : 15' सड़क पश्चिम : 3' गलरी

उत्तर: श्री कालरा की जायदाद

दक्षिण: 6' सड़क

कंबरजीत सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 14 सितम्बर 1978 मोहर : प्ररूप ग्राई० टी• एन० एस०----

भ्रायंकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज II विल्ली-1 4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्वेण सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/3514-ए/78-79/ 7979—अतः मुझे कंवरजीत सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिस की सं० 43/22 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातेफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे भ्रचने के सुविधा क लिए; और/या
- (ख) ऐसी किती बाप या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्टियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिर्मियम, या धन-कर घिष्टियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुषिद्या के लिए;

अतः अब, उन्त धिवियम की धारा 269न के धनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के ध्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रिपात् :--- (1) श्रीमती पुष्पा वती, पत्नी श्री मेला राम, निवासी 43/22, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोभा मारवाह, पत्नी श्री डी० धी० मारवाह निवासी 33/21, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली (ऋन्तरिती)

को यहसूचनाजारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो 'उनतं अधिनियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

सरकारी बना हुआ मकान जिसका न्० 43/22 है श्रीर क्षेत्र-फल 200 वर्ग गज हैं, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व : सरकारी बना मकान नं० 43/22

पश्चिम : रोड़ उत्तर : रोड़ वक्षण : लेन

कंवरजीत सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज II, विल्ली, नई विल्ली-1

दिनांक 23 सितम्बर 1978 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली-1नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/3522/78-79/--- ग्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-9 है तथा जो मानसरोवर गाईन, विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीविनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रिवीन दिलांक 4-141978 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रिकि-नियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—- (1) श्री सोम नाथ (2) श्री प्राण नाथ (3) श्री कृष्ण लाल तथा (4) श्री मदन लाल, सुपुत्र एल० कृपा राम, सभी निवासी बी-165, सुभदा कालौनी, श्रोलंड रोहतक रोड़, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) बलबीन्द्र सिंह, सूपुत्र एस० गोपाल सिंह तथा श्रीमती जसकीर कौर, पत्नी एस० गोपाल सिंह, निवासी जे-62, कीर्ती नगर, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पादीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्ष-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### घनुसूची

प्लाट नं । जी-9 जिसका क्षेत्रफल 403 वर्ग गज है, मानसरीवर गार्डन, बसाएवारापुर गांन, दिल्ली नगर निगम की सीमा के अन्तर्गत, दिल्ली राज्य, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं :—

पूर्व : प्लाट नं० जी-10 पक्ष्चिम : प्लाट नं० जी-8

उत्तर : लेन दक्षिण : रोड़

> कंवरजीत सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22 सितम्बर 1978

परूर पाई०टी • एन • एस • -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एमयु०/11/3526/78/79— ग्रतः मुझे, कंबरजीत सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- द० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० दुकान नं० 7-ए है तथा जो स्राजाद मार्किट, दिल्ली में स्थित है (यौर इससे उपाबद स्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 4-11-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निम्लित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भन्नियम, के भन्नीत कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (वा) ऐसी किसी ग्राय या किसी ग्रन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिमियम, या श्रन-कर ग्रिधिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रग्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविद्या के लिए;

सतः ग्रन, उस्त ग्रीश्वनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रीश्वनियम की घारा 269-व की वपवारा (1) के ग्राचीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्राचीत्:--- (1) श्रोमनी प्रेमण्यरी, विधवा श्री दौलत राम जोकि स्वयं के लिए तथा अपनी पुत्री कुमारी दया (नावालिंग) निवासी 3/50, ग्रोल्ड डक्ष्ल स्टोरी, जाजपत नगर, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सुदेश कुमार तथा विनोद कुमार, सूपृह श्री जगदीश राज, निवासी 11/42,पंजाबी वाग, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
  हितयद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी
  के पास लिखिन में किये जा सकेंगे:

स्पद्धोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रिव्यिम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिय। गया है।

#### अमुसूची

दुकान जिसका नं० ए-7 है स्रोर क्षेत्रफल 23 रावर्ग गज है, स्राजाद मार्किट, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :──

पूर्व : रोड़

पक्चिम : दुकान नं० 7 उत्तर : लाईबरेरी रोड़

वक्षिण : रोड्

कंवरजीत सिंह, सक्षम श्रधिकारी

सहायक स्नायकर स्राधुक्त (निरीक्षण), स्रजीन रेज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 23 सितम्बर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-<sup>11</sup>, दिल्ली-1

4/14 क, भ्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए२पू०/II ही-I/जनवरी-80/ 3569/78-79/--- अतः मुझे, कंबरजीत सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह धिक्षास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 26 70 है तथा जो मैन बाजार, शादीपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद प्रनुस्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिद्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबद उक्त प्रधिन नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये ग्रीर/गा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अभ्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित न्यक्तियों भर्षात् :---11—276 GI/78 (1) श्री भीम मिह, पुत्र श्री कुरिया, निवासी 2668, शादीपुर, नई दिल्ली-1

(बन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला बन्ती सुपुत्री श्री नन्द लाल तथा परनी श्री मुकन्द लाल, निवासी 2620, शादीपुर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भावधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकोंगे।

स्पन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दी गौर पर्दो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुकान जिसमें निम्न स्तर पर जीना है, पहली मंजिल पर दो कमरे, तीन दुकानें, दो कमरे तथा जीना निम्न स्तर पर तथा तीन कमरे पहली मंजिल पर है। दुकान का नं० 2668 तथा क्षेत्रफल 150 वर्ग है, शादीपुर, नई दिल्लो में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व : जायदाद नं० 2672-73-74

पश्चिम : मैन बाजार, शादीपृर, नई दिन्ली ।

इक्तर : विक्रेता की जायदाद नं० 2670 का ग्रेथ हिस्सा

दक्षिण : जायदाद नं० 2669

कंवरजीत सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 19 सितम्बर 1978

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1 4/14 क, श्रास फन्नली मार्ग, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निर्देश सं० श्राई० ए०सी०/एक्यु०/11/डी-र जनवरी-81/78/79—श्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 299-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है श्रीर

जिसकी सं० 2668 है तथा जो शादीपुर, नई दिल्ली में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 24-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया

गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में

म्रत: श्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत:—

सुविधा के लिए ;

(1) श्री भीम सिंह, सुपुत्र श्री कुरिया, निवासी 2668, शादीपुर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला वन्ती, सुपुत्नी श्री नन्द लाल तथा पर्ती श्री मुकन्द लाल, निवासी 2620, शादीपुर नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधि-नयम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

पांच युकानें जिस के साथ बारदाह है का नं० 2668 है ग्रौर क्षेत्रफल 140 वर्ग गज है, शादीपुर, नई दिल्ली-8 में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: विक्रेता की जायदाद नं० 2668 का हिस्सा

पश्चिम : मैन बाजार

उत्तर: विकेता की जायदाद का हिस्सा दक्षिण: 2667/18, शादीपुर, नई दिल्ली

> कंवरजीत सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज,II दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 20 सितम्बर 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सुचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-<u>।।</u>, दिल्ली-1 4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली-1 नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु० II/3545/78-79---श्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० 41 तथा 42 है तथा जो चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 13-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अझिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिक्त नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वाराधकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अनः, भव, उनत ग्रिप्तियम की घारा 269ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रिष्ठितयम, की धारा 269व की उपघारा (1) के प्रश्लीन, निम्नतिश्वित स्पितियों अर्थीत्:--- (1) श्री नरीन्द्र कुमार जैन, सुपुत्र श्री राजादा इन्द्र सैन जैन, श्री महीपाल जैन, श्री विजय पाल जैन, सुपुत्र श्री नरीन्द्र कुमार जैन, निवासी 291, तोपखाना बाजार, मेरठ कैन्ट, यू० पी०।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० फोटो डिल्स, 877, लाजपत राय मार्किट दिल्ली। इनके पार्टनर श्री श्रम्त लाल के द्वारा, सुपुत्न श्री श्रमिन चन्द, निवासी ए-51, एन० डी० एस० ई० पार्ट-11, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त मन्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी झालोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिथा गया है।

#### **ब्रनुसूची**

एक चार मंजिला बिल्डिंग जिसका मुन्यसिपल नं० 4/41-42 है, क्षेत्रफल 35.1/2 है, चांदनी चौक, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :

पूर्व: दुकान नं० 40

पश्चिम : तुकान नं० 42 का निम्न स्तर

उत्तर : चांदनी चौक बाजार

दक्षिण : श्रीमती रुकमणि देवी की जायदाद

कंवरजीत सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 22 सितम्बर 1978

#### प्रकप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रधीन स्मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, विल्ली-1 4/13 क, म्रासफम्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु० 11/3549/78-79/— श्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० बी-175-176 है तथा जो सुभद्रा कालोनी, सराय रोहिल्ला, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16-1-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है
भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से बक्त धन्तरण लिखित में वास्तबिक कप से कथित नहीं
किया गया है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रम्म भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत : शव, उक्त ग्रिशिनयम की घारा 269 ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिशिनयम की ग्रारा 269 व की उपवारा (1) के ग्रिशीन, निम्नीविक्त व्यक्तियों, ग्रिथीत्. ——

- (1) श्री मोहन लाल, सुपुल पं० मेहर चन्द, निवासी बी-175-176, सुभद्रा कालौनी, सराय रोहिला, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री जुगल किशोर छाबड़ा, सुपुक्ष श्री दिवान चन्द निवासी बी/175 176, सुभद्रा कालौनी, सराय रोहिल्ला, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अमुसूची

लीज-होल्ड जायदाद नं० जिसका नं० बी/175-176 है छौर क्षेत्रफल 125 वर्ग गज हैं, सुभद्रा कालौनी, सराय रोहिला, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:—

पूर्व : जी० पी० बी० (सरकारी बनी हुई जायदाद)

पश्चिम : सरकारी बनी हुई जायदाद

उसर : रोड़

वक्षिण: रोड़ तथा पार्क

कंत्ररजीत सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 23 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

ध्रायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की द्यारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, दिल्ली-1 4/14 क, श्रासफग्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु० 11/3574/78-79---श्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह

प्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिष्ठीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिष्ठिक है

श्रीर जिस की संख्या 1-ए हैं तथा जो फ्लेग स्टाफ रोड़, सिविल लाइंस दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घष्टिक है घीर घन्तरक (धन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी बाप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रिव्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रिविनयम, या धन-कर प्रिव्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्मात् :--- (1) श्रोमती रूप प्रावर झाववाला, पानी श्रो सो० एन० एच० झाबवाला, निवासी 1ए पर्लंग स्टाफ रोड़, सिविल लाईन्स, दिल्ली। इनके जनरल ग्रटारनी श्री सी० एस० बी० झाववाला के द्वारा।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ सतीश कें॰ रस्तोगी, सुपुत्र श्री मोती राम, डा॰ रतन रस्तोगी, पत्नी डा॰ सतीश कें॰ रस्तोगी, इनकें जनरल ग्रटारनी श्री जे॰ बी॰ कश्यप कें द्वारा श्री सी॰ एम॰ रस्तोगी, सुपुत्र श्री॰ मोती राम, इनकें जरनल अटारनी श्री॰ मोती राम के ब्वारा, श्री दीनेश कुमार रस्तोगी, सुपुत्र श्री जे॰ बी॰ रस्तोगी, सभी निवासी 39, राजपुर रोड़, फ्लैट नं॰ 2, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीना सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजंन के सम्बन्ध में कोई मो श्राक्षीप : --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयंहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसृषी

जायदाद जिसका म्युनिसिपल नं० 1-ए है, श्रीर क्षेत्रफल 1423.60 वर्ग मीटर है, फ्लैंग स्टाफ रोड़, सिविल लाईन्स, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:--

पूर्व : श्री भोला गंकर की जायदाद नं० 1-बी, फ्लैंग स्टाफ रोड

पश्चिम : जायदाव नं० 1, फ्लैंग स्टाफ रोड़,

उत्तर : ग्रन्य की जायदाद दक्षिण : फ्लैग स्टाफ रोड़

कंवर जीत सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली,नई दिल्ली-1

दिनांक: 23 सितम्बर 1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

घायकर घिधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1978

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/669/78-79/---श्रतः, सुझे, कंवरजीत सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से प्रधिक है

भीर जिस की सं० ए-4/7 है तथा जो कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक इप से कथित न किया हों गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रशिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्य में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घत या अन्य ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधिनियम, या धनकर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कभ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत :— (1) श्री रमेश कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री भगत राम निवासी ए-4/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण कुमार गुप्ता, सुपुत्त श्री गया प्रसाद गुप्ता (2) श्रीमती सरोज गुप्ता, पत्नी श्री कृष्ण कुमार गुप्ता, निवासी मकान नं० 305, श्रोल्ड पोस्ट श्राफिस स्ट्रीट, शाहदरा, दिल्ली-110032 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास केंगे।

स्वव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शधों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### **प्रनुसू**ची

प्लाट की भूमि जिसका नं ०ए-4 है और क्षेत्रफल 133.33 वर्ग गज है (जोकि 111.48 वर्ग मीटर के बराबर) निवासी कालौनी कृष्ण नगर, गोडली गांव, शाहदरा, दिल्ली नगर निगम की सीमा के प्रन्तर्गत, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:--

पूर्व : प्लाट नं० ए-4/8 पर मकान पश्चिम : प्लाट नं० ए-4/7 का शेष हिस्सा

उत्तर: प्लाट नं० ए-3/7 पर मकान

दक्षिण : रोड़

कंवरजीत सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 22 सिसम्बर 1978

प्रकप भाई• टी• एन• एस०---

आसकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज  $\Pi,4/14$  क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली विल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एबस्०/11/670/78-79/ श्रतः मुझे, कंवरजीत सिह श्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की भ्रारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है  $\mathbf{x}$ ौर जिसकी सं० ए-4/7 है तथा जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 9-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रक्षिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण

(क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रिश्चित्रम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करों या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

लिखित में वास्तविक इत्य से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिभिनयम, या धन-कर श्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उक्त मिन्नित्यम को घारा 269-ग के **प्रमुसरण** में मैं, उक्त मिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निक्तिस्थित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री रमेश कुमार सुपुत्र श्री भगत राम, निवासी v-4/7, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (श्रन्तरक)
- 2. श्री किणन कुमार गुप्ता (2) श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता तथा (3) श्री सुरेण कुमार गुप्ता, सभी सुपुत्र श्री गया प्रसाद गुप्ता, निवासी मकान नं० 305 (पुराना नं० 287), श्रोल्ड पोस्ट श्राफिस ट्रीट, शाहवरा, दिल्ली-110032 (ग्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती सुहागवती विद्या (वह श्यक्ति जिसके श्रधि-भोग में संम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज (कूल क्षेत्रफल 233.33 वर्ग गज) हैं, इसका नं० एक 4/7 है, और खसरा नं० 578/528 हैं, निवासी कालोनी, कृष्ण नगर, शाहदरा के इलाके, दिल्ली-51 में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्वः प्लाट नं० ए-4/7 का ग्रेष हिस्सा। पश्चिमः प्लाट नं० ए-4/6 पर मकान उत्तरः 'लाट नं० ए -3/7 पर मकान दक्षिः रोडः।

कंवरजीत सिंह सक्षम ग्रिधिकारी सहायक भायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22-9-1978

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जंन रेंज II, 4/14 क, श्रासफ श्रली मार्ग, नई दिल्ली-I दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/672/78-79---श्रतः मुझे, कवरजीत सिंह म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० 414, 417 तथा 418 है तथा जो झील क्रंजा, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्य दान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों )भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बोच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनन भ्रन्तरण लिखित में नास्तविक इन से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाष को बाबन, उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अस्तरक के दापिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/म
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

यतः सब, उन्त मधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निस्तितिक व्यक्तियों अर्थात्। ---

- 1. श्री राभ नारायण क्षन्ना, सुपुत्र श्री नारायण दास, निवासी 820, नई सङ्क, दिल्ली--6: (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जितेन्द्र नाथ, सुपुत्र श्री बक्सी सेन दास, निवासी 418' चिरागाह जन्मी, सील क्र्रंजा, दिन्सी (श्रन्तरिती)
- 3. श्री सत पाल चोपड़ा, श्रानन्द प्रकाश, बोध राज, मैं० मन मोहन वूल शाप, रोशन लाल बोहरा, मैं० श्रशोक बांड कं०, विश्व मोहन, गुप्ताजी (टी शाप), मैं० श्राटी पार्ट शाप, मैं० कार मैटिंग शाप। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है)।

की यह सूवना जारी करके पूर्वीता सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की खारीख से 45 किन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है ।

#### अमुसूची

एक बना हुआ मकान जोकि 555 बर्ग गज क्षेत्रफल के लीज-होल्ड प्लाट के ऊपर बना हुआ है, जिसका नं० 414, 417 तथा 418 है, जो कि डी० डी० ए० की भूमि है, भील कुरंजा, माहदरा के इलाके, दिल्ली 51 में निस्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: रोड़

पश्चिम: धन्य की जायबाद उत्तर: 10 फुट चौड़ी सड़क दक्षि : मैन रोड़।

> कंवरजीत सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 22 सितम्बर, 1978

पक्त **माई०** टी० एन० एस०————-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)  $\pi$  श्रजेन रेंज  $\Pi$ , 3/14 क, श्रामकप्रली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली 1, दिनांक 23 सितम्बर 1978

निर्देश सं० प्राई० ए० सी॰/एसय्०/11/676/7979—
प्रतः मुझे, कंबरजीत सिंह
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज
के भन्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारग
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/द० में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सी-9/18 है तथा जो कृष् नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 20-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित वाजार पूट्य से कम हे द्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिणत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के श्रन्तरक के दांगित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसो भाय या किसी धन या भन्य थास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर गिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिभाने भें सुबिधा के लिए;

भतः शव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुक्तरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—-12—276GI/78

- 1. श्री इकबान सिंह, सुपुत्र एस० बलवन्त सिंह तथा एस० बलवन्त सिंह सुपुत्र एस० ठाकुर सिंह, निवासी 167, कविन्टर डेथरी फार्म, झील कुरंजा, दिल्ली-51। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ज्ञान चन्द ग्ररोड़ा, सुपुत्न श्री लाक्षा राम निवासी बी-5/26, कृष्ण नगर, दिल्ली-51। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बक्त में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक निवासी प्लाट जिसका नं० सी-9/18 है श्रौर क्षेत्रफल 466 वर्ग गज है, कृष्ण नगर की श्राबादी, गोंडली गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व: प्लाट नं० सी-10/13

पश्चिम: रोड्

उत्तर: प्लाट नं० सी-9/19

दक्षिण : प्लाट नं० सी-9/19 का तेष भाग।

कंवरजीत सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 23-9-1978

प्र**रूप आई० टी० एन● एस०----**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, 4/14 क, आसफग्रली मार्ग, नई दिल्ली-1 दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी । / एक्यू । / 11 / 3635 / 78-79-श्रतः मुझे, कंवरजीत सिंह आय हर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिमिनयम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० दूकान नं० 284, 285 तथा 287, फतेहपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ती में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-2-1978 पूर्वीयत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तिर-तियों) ने बीच ऐसे धम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसो भाष को बाबत उक्त चित्रियम के अधीन कर बेने के भन्तरक के दायिस्ब में कमी करने का उससे अबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी कि ी आय या कि भी धन या धन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्मा पा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के (लए)

अतः ग्रवः, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रार्थात्:— 1. श्री लैं० जनरल जें० एस० डिलौन, सुपुत्र श्री एस० वी० इन्द्र सिंह, निवासी डब्ल्यू-146, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली जोकि श्री पतवन्त सिंह, सुपुत्र श्री मनोहर सिंह, निवासी 11, रेबेन्डन रोड़, नई दिल्ली तथा श्रीमती गुरदीप कौर, पतनी श्री नौनिहाल सिंह के लिये जनरल ग्रटारनी हैं, निवासी 57, काका नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, सुपुत्र श्री दिवान चन्द्र, निवासी [208, कटरा बरियन, फतेहपुरी, दिल्ली। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्यक्षि, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रिघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पडहीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो जनत अधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस भारताय में दिया गरा है।

#### अनुसूची

फीहोल्ड जायदाव जिसकी पहली तथा दूसरी मंजिल का नं० 288/1/2 है तथा जोकि दूकान नं० 284, 285 तथा 286 पर 190 वर्गगज क्षेत्रफल पर बनी हुई है, इसका वार्ड नं० 6 है, फतेहपुरी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व: मरकेंटाइल बैंक श्राफ इण्डिया तथा श्रीमती गंगा देवी तथा हर दयाल की जायदाद का रास्ता

पश्चिम: फतेहपुर रोष्ट्र।

उत्तर: दूकान<sup>ँ</sup>नं० 287 तथा म**हब्**ब इलाही की जायदाद का उत्तराधिकारी

दक्षिण: रास्ता।

कंवरजीत सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख: 22-9-1978

269व (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 नवम्बर, 1978

निदेश सं० जे० डी० श्रार्0/40/77-78:—श्रतः मुझे, ई० के० कोशी,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग फैक्टरी जोकि मिलाप सिलीकेट फैक्टरी ई०-33, इण्डस्ट्रियल ऐरिया, है तथा जो यमुनानगर तहसील जगाधरी, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिन नियम के अधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग पा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भागकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंथ, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---  (1) श्री प्रेम नाथ, पुत्र श्री ज्योति प्रशाद निवासी राठौर, तहसील जगाधरी, (2) श्री जनारधन दास पुत्र श्री राम प्रशाद निवासी कुंजपुरा, तहसील करनाल, (3) श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री राम गोपाल निवासी, लाडवा, तहसील थानेसर ।

(श्रन्तरक)

2. (1) श्रीमती णान्ती रानी पत्नी श्री चूनी लाल, (2) श्री चूनी लाल पुत्र श्री गुरिक्ता मल, (3) श्री रोहताण कुमार पुत्र श्री बिहारी लाल मार्फत मिलाप सिलीकेट फैक्टरी ई०-33, इन्डस्ट्रियल एरिया, यमुना-नगर।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के म्राजन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य क्यक्ति द्वारा श्रष्ठोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही धर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/2 भाग फैक्टरी जोकि मिलाप सिलीकेट फैक्टरी के नाम से कहलाती है जो तथा ई-33, इन्डस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर में स्थित है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता यमुनानगर के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3752 मास जनवरी, 1978 पर दर्ज हैं)।

> ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहलक

तारीखः ८ नवम्बर, 1978।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi-110011, the 24th August 1978

No. A.12026/1/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri S. L. Chopra, a permanent Receptionist and officiating Reception Supervisor to officiate on an ad hoc basis as Reception Officer in the office of Union Public Service Commission for a period of three months from 4-8-1978 to 3-11-1978 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 30th August 1978

No. A.12019/2/78-Admn.H.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Smt. Sudha Bhargava and Shri Chand Kiran permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an ad hoc basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period from 2-8-1978 to 31-10-1978, or until further orders, whichever is carlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. for Secy. Union Public Service Commission

#### New Delhi-110011, the 31st August 1978

No. A.32014/1/78-Admn.I.—In partial modification of this office Notification of even number dated 20th July, 1978 Shri S. P. Mehra, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) of the Cadre of Union Public Service Commission and officiating in the selection Grade for Grade C Stenographer who was allowed to continue to officiate as Senior Personal Assistant upto 31-8-1978 has been reverted to the lower post i.e. in the Selection Grade for Grade C Stenographer, w.e.f. 9-8-1978 (AN).

#### The 6th September 1978

No. A.32013/1/78-Admn.I.—Shri M. R. Bhagwat, a permanent Under Secretary (Grade I of CSS) in the office of the Union Public Service Commission, has been appointed as Officer on Special Duty (Examinations) on ad hoc basis in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. the forenoon of 8th May, 1978 to 30th June, 1978.

P. N. MUKHERJEE Under Secy. Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.) CFYTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 14th September 1978

No. A-19021/12/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Abraham Kurian, I.P.S. (1969-U.P.) as Supdt. of Police on deputation in the C.B.I./S.P.E. with effect from the afternoon of 31-8-1978 and until further orders.

K, K, PURI Deputy Director (Admn.) C.B.I.

#### New Delhi, the 14th September 1978

No. A-35018/19/78-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri Joseph Thomas an Inspector of Central Excise, Bombay on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Bombay Br. in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1-8-1978 until further orders.

JARNAIL SINGH Administrative Officer (E) C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE New Dolhi-110001, the 14th September 1978

No. O.II-201/77-Estt.—Major S. K. Sikka (IC-8473) Signals, an Army Officer on deputation to CRPF as Assistant Commandant, is granted leave as under:—

- (a) Earned Leave for 7 days w.c.f. 31-8-78 to 6-9-78; and
- (b) Special Leave (LPR) for 60 days w.e.f. 7-9-78 to 5-11-78 as admissible under the Army Leave Rules.
- 2. On expiry of leave Major S. K. Sikka will stand retired from Army service w.e.f. the forenoon of 6th November 1978.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

New Delhi-110019, the 13th September 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Ranchi Shri M. L. Abrol assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the afternoon of 11th August 1978.

On transfer to Bokaro Shri H. C. Panwar relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit IPCL Baroda with effect from the afternoon of 11th August 1978.

NARENDRA PRASAD Asstt. Inspector-General (PERS) CISF Hqrs.

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 13th September 1978

No. P/M(19)-Ad.I.—Consequent of the expiry of his terms of deputation on foreign service to the Government of Malwi under the United Nations Development Programme, Shri B. K. Maratha assumed charge of the office of the Assistant Director (Programme) in the office of the Registrar General, India at New Delhi, on the forenoon of 7 August, 1978.

The headquarters of Shri Maratha will be at New Delhi.

No. 10/12/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Puri, Console Operator in the office of the Registrar General, India at New Delhi as Assistant Director (Programme) in the same office on purely temporary and ad-hoc basis for a period of eight months w.e.f. 1 July, 1978, or until further orders, whichever is earlier. The headquarters of Shri Puri will be at New Delhi.

#### The 18th September, 1978

No. 5/3/76-RG(Ad. 1)—In continuation of this office notification of even number dated 15-3-1978, the President is pleased to extend the ad-hoc appointments of the undermentioned officers in the posts mentioned against each of them in the office of the Registrar General, India at New Delhi upto 31-12-1978, or until further orders, whichever is earlier:

S. No.	Name of the o	fficer	 Name of	the post	<del></del>
1	2	<del></del>	 3	<del>-</del>	
1. Dr.	B. K. Roy .	'	Assistant (Map)	Registrar	General
2. Dr.	R. R. Tripathi		Map Offic	cer	
3. Shri	S. D. Tyagi		 Research	Officer (M	ap)

#### The 19th September 1978

No. 2/1/75 RG (Ad.1).—The President is pleased to authorise proforma Promotion under the Second proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule) to Shri Sant Ram Gupta, Assistant

Director of Census Operations (Technical), in the office of the Registrar General, India and at present on foreign service as Demographer in the Ministry of Health & Welfare under the Govt. of Iran, to the grade of Deputy Director of Census Operations, with effect from 27 June, 1978, the date on which Shri K. C. Suri, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was promoted to the grade of Deputy Director of Census Operations.

No. 2/1/75 RG (Ad.I).—The President is pleased to authorise proforma promotion under the Second Proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule) to Shri B. L. Bhan, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India and at present on foreign service as U.N. Expert in Civil Registration and Vital Statistics under United Nations Development Programme to the Govt. of Afghanistan, Kabul, to the grade of the Deputy Director of Census Operations with effect from 28 June, 1978, the date on which Shri P. C. Sharma, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was promoted to the grade of Deputy Director of Census Operations.

No. 2/1/75 RG (Ad.I).—The President is pleased to authorise proforma promotion under the second Proviso to F.R. 30(1) (Next Below Rule) to Shri Lal Krishan, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, and at present on foreign service to the Govt. of Iraq, Baghdad as U.N. Consultant in Sampling under U.N.D.P., to the grade of the Deputy Director of Census Operations with effect from 26 June, 1978, the date on which Shri S.S. Jaiswal, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was

promoted to the grade of Deputy Director of Census Operation.

No. 11/5/77 Ad.1.—In continuation of this office Notification of even number dated 9-6-1978 the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala at Trivandrum, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office with his head-quarters continue to be at Trivandrum on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period of three months w.e.f. 1-7-1978 upto 30-9-1978, or until further orders, whichever is cartier.

P. PADMANABHA Registrar General, India

# MINISTRY OF FINANCE (DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS: DEWAS (M.P.)

Dewas, the 10th September 1978

No. BNP/C/57/75.—Shri R. K. Mehrotra, Asstt. Shop Superintendent (Elect) Eastern Railway, Jamalpur who was on deputation to the Bank Note Press, Dewas as Assistant Engineer (Electrical) is relieved of his duties with effect from 10-9-1978 (A.N.).

P. S. SHIVARAM General Manager

# INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 14 September, 1978

No. 1201-CA-1/76-78—Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Comml.) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the officer noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below, until further orders:—

Sl. No. & Name of the A.O's (C)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of posting as offg. A.O.(C)
1	2	3	4
S/Shri			<del></del>
1. S. Subramanya Iyer	. A.G., Kerala	MAB & Ex-officio DCA, Bombay	15-5-78 FN
2. K. Srinivasa Desikan . , .	. AG., Karnataka	MAB & Ex-officio DCA (Coal) Calcutta	11-5-78 FN
3. N. Bhaskaran	. AG. II, Tamil Nadu	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	15-5-78 FN
4. N. B. Dutta	. AG. II, West Bengal	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	18-4-78 FN
5. S. S. Vaidyanathan	. MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	7-4-78 AN
6. S. K. Sarkar	. Do.	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	11-4-78 FN
7. N. K. Bose	. AG. II, West Bengal	Do.	10-4-78 FN
8, N. K. Chawla	. AG., Punjab	MAB & Ex-officio DCA Ranchi	29-4-78 FN
9. S. P. Bakshi	. Do.	A.G., H. P. and Chandigarh	15-5-78 FN
10. P. S. Saxena	. AG. II, M.P., Gwalior,	AG. II, M. P., Gwalior	7-8-78 FN
11. A. S. Sharma	. CAG's office New Delhi	AG. II, UP, Lucknow	29-4-78 FN
12. S. M. Mahajan	. Do.	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi.	29-5-78 FN

1							2	3	4
S/Shri	-						·		
13. S. K. Jain		•	•		•		MAB & Ex-officio DCA, Ranchi.	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi.	14-4-78 FN
14. P. K. Mittal		•	•	•	•		CAG's office, New Delhi	AG. II, Bihar, Patna	31-5-78 FN
15. R. S. Chauhan			•		•	•	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	MAB & Ex-officio DCA, Ranchi	14-4-78 FN
6. K.A. Sharma	•				,		CAG's office, New Delhi	AG. Haryana Chandigarh	31-5-78 FN
17. R. C. Tomar						•	Do.	AG. J&K, Srinagar	31-5-78 FN
18, P. K. Kar	•			·			AG, West Bengal	MAB & Ex-officio DCA, Calcutta	10-4-78 <b>FN</b>
19. S. K. Dutta		•		• .	•	٠	Do.	AG. II, West Bengal	10-4-78 FN

#### S. D. BHATTACHARYA Joint Director (Commercial

# OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, WESTERN RAILWAY

Bombay-400020, the 18th September 1978

Notice of termination of service issued under Rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965

No. SA/HQ/Admn/PC/3964.—In pursuance of Sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, notice is hereby given to Shri K. V. Samuel, temporary Auditor in this office, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date of publication in the gazette.

GOPAL SINGH Deputy Chief Auditor

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-22, the 12th September 1978

No. 18149/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri F. C. Sud, IDAS (on deputation as Director of Finance and Accounts in the office of the Director General of Civil Aviation New Delhi) was transferred to the Pension Establishment and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31st August, 1978.

R. L. BAKHSHI

Addl. Controller-General of Defence Accounts (AN)

#### MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 12th September 1978

No. 38/78/L.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. Ramachandran, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Store-Holder) retired from service with effect from 30th April, 1978 (A/N).

No. 39/78/L.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri T. K. Kumar, Offg. Assistant Manager (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31-5-1978 (A/N).

#### The 15th September 1978

No. 40/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (prob) with effect from the dates shown against them:—

Shri Kamakshi Prasad Panda 30th Jan., 1976 ,, Rajesh Kumar Jain . 27th Feb., 1976.

Shri	Sudhendu Das	13th Apl., 1976.
,,	Subrahmanyam Vuppu .	27th Oct., 1975.
,,	Syed Mohammad Uqba	10th Sept., 1976.
,,	V. Rajaraman	29th Oct., 1975.
,,	Om Prakash Misra	30th Oct., 1975.
,,	N. Kothandapani	15th Apl., 1976.
,,	Ashis Kumar Dasgupta	27th Oct., 1975,
,,	Vijay Kumar Chandrabhan	Ist Apl., 1976.
	Sanghi	. ,
,,	Rajendra Kumar Jain	30th Jan., 1976.
,,	Raj Krishna Dikshit	Ist July, 1976.
,,	Malur Seshadri Krishnamurthy	21st Jan., 1976.
,,	Bandarupalli Yesu	31st Oct., 1975.
,,	Birendra Kumar Tewary	14th May, 1976.
,,	Madan Gopal Awasthy	31st May, 1976.
"	Krishna Kumar Rastogi	13th May, 1976.
,,	Har Mohinder Singh	1st June, 1976.
,,	Sunil Kumar Dutta	14th May, 1976.
,,	Prasanta Kumar Das	31st May, 1976.
,,	Ram Sarup Puri	29th May, 1976.
,,	Brij Kishore Kansal	10th June, 1976
,,	Mahesh Kumar	4th June, 1976.
,,	Maharaj Krishan Kaul .	7th June, 1976.
"	Amitabha Bandyopadhyay	21st May, 1976.
11	Rakesh Kumar Saxena	11th Nov., 1976.
,,	Ramesh Kumar ,	11th Oct., 1976.
,,	Nawal Kishore Singh	9th Dec., 1976.
,,	Sikhar Mustafi	7th Jan., 1977.
,,,	Himansu Sekhar Chaudhury	6th Oct., 1976.
,,	Harjit Singh Chadha .	5th Oct., 1976.
"	Mriganka Mohan Chanda	24th Sept., 1976.
,,	Umesh Chandra Singh .	21st Sept., 1976.
,,	Kanakku Narayanan	
,,	Narayanan Kartha	22nd Nov., 1976.
,,	Sartaj Singh	12th Oct., 1976.
,,	Hridaya Mohan Srivastava	6th Oct., 1976.
"	Arun Khanwalkar	28th Oct., 1976.
,,	Mahesh Chandra Bansal	28th March, 1977.
**	Nayan Mukhopadhyay .	4th Oct., 1976.
,,	Jasbir Singh Sandhu	24th Dec., 1976
,,	Edgar Shatendra Marcus	8th Oct., 1976.
,	Sudhir Kumar Gupta .	29th Nov., 1976.
•	Jayanta Roy	7th Sept. 1976.
,'	Ram Prasad De	17th Sept., 1976.
,,	Kiran Prakash	11th Oct., 1976.
,,	Raydesh Singh Sodhi	6th Jan., 1977.
**	Ashok Kumar Sinha .	5th Nov., 1976.
**	Rajesh Kumar	11th Oct., 1976.

-		_	
Shri	Muthuramalingam Ravi		21st Feb., 1977.
,,	Dilip Ranjan Ghosh		Ist Nov., 1976.
.,	Bhupendra Nath Singh		6th Oct., 1976.
1)	Awadhesh Kumar Rai		18th Apl., 1977.
,,	Packiaraj Rosiah Sudhakar		Ist Nov., 1977.
,,	Shree Ram Tewari		14th Nov., 1577.
,,	Narendra Kumar		31st Oct., 1977.
,,	A. Ramasubramanian		19th Sept., 1977.
,,	Sunil Kumar		28th Oct., 1977.
,,	Kamal Kumar Patkar .		14th Dec., 1977.
,,	Anil Kumar Sharma		19th Dec., 1977.
,,	Suresh Prasad Yadav		6th Dec., 1977.
,,	Jawahar Lal Mishra .		19th Scpt., 1977.
,,	Priya Ranjan		31st Dec., 1977.
,,	Sudhakar Asthana .		22nd Jan., 1978
,,	P.V. Venkateswaran		7th Nov., 1977.
,,	Govind Prasad Chouksey		3rd March, 1978.
,,	Krishan Mohan Gupta		15th Oct., 1977.
3,	Upendra Kumar Mishra		24th Oct., 1977.
**	Ashwani Kumar Prabhakar		20th Apl., 1978.
**	Nand Mohan Kalanee .		19th Sept., 1977.
,,	Ashok Kumar		31st Oct., 1977.
••	Mani Kumar Jain .		26th Sept., 1977.
,,	Ashim Kumar Debroy		17th Sept., 1977.
3.3	Manik Ghosh		31st Aug., 1977.
,,	Janapala Seetharam .		15th Dec., 1977.
,,	Ramanand G. Mandgaonkar		26th Oct., 1977.
,,	K.T. Mohanan		27th Oct., 1977.
,,	Bimalendu Saha .		19th Apl., 1978.
**	Ravinder Kumar Shandil		10th Oct., 1977.
>,	Tipirneni Panduranga		
	Venkata		
	Satyanarayana Somasekhara		
	Rao		20th Dec., 1977.
,,	Madhav V. Srinivasan		30th Nov., 1977.
**	Aditya Mishra		13th Sept., 1977.
,,	Sanat Kumar Das .		30th Dec., 1977.
**	Virendra Gandhi		10th Oct., 1977.
"	Ravindra Shankar Patil		8th Feb., 1978.
"	Purushottam Mangilal		
	Meshram		11th Nov., 1977.

No. 41/78/G.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (prob) with effect from the dates shown against them:—

Shri	Brij Bhushan Tyagi			15th Nov., 1976.
,,	P. Prabakaran .			19th Nov., 1976.
,,	Vibhakar Narayan Aw	ati		14th July, 1977.
11	Satish Kumar Dubey			26th Dec., 1977,
Kum	ari Sobha Ramanand			31st Dec., 1977.
Shri	N. Sundarapandian			30th Dec., 1977.
.,	B. Pugazhendhi			31st Jan., 1978.
,,	Pabitra Mohan Ranav	ainsl	naw	9th Feb., 1978.
	Prem Narayan			2nd May, 1978.

No. 42/78/C.—The President is pleased to appoint the under-mentioned officers as Asstt. Manager (prob.) with effect from the dates shown against them:—

Shri	P. Gopalakrishnan Nair		30th July, 1975.
,,	Sucha Singh		Ist Sept., 1975.
,,	Sekharipuram Krishnan		
	Ramanathan . ,		17th Oct., 1975.
,,	Mihir Kumar Chakrabarty		31st July, 1976.
,,	Biplob Kumar De .		9th Aug., 1976.
,,	Arun Kumar Ganguly		25th June, 1976.
,,	Ravi Prakash Ahuja		17th June, 1976.
,,	Yalandur Raghavendrarao		
	Jayasimha	,	25th Sept., 1976.

No. 43/78/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Asstt. Manager (on prob)/(prob) with effect from the dates shown against them:—

enco	t from the dates snown	again	IST	tnem :—
Shri	Harbhajan Singh	,		5th March, 1973.
,,	Jadab Chandra Saha			30th March, 1973.
33	Bidhu Bhushan Singh			Ist Feb., 1973.
**	Asish Kumar Sarkar			10th May, 1974.
11	Pratap Chandra Mitra			25th July, 1974.
,,	Bimal Prasanna Mohap	atra		21st Jan., 1975.
,,	Sureshkumar Sitarampa	nt		
	Khot			30th Nov., 1974.
,,	Santosh Kumar Pandey			29th Apl., 1975.
,,	Vijay Kumar Pandita			30th May, 1975.
,,	Umesh Chandra .			9th July, 1975.
,,	Raja Ram Yadava	-		23rd May, 1975
,,	Raj Kumar Sharma			14th Apl., 1975.
32	Ashok Kumar .			31st July, 1975.
33	Kalkunte Sundarachar			
	Mukunda			6th June, 1975.
,,	Dharam Vir Singh			12th Aug., 1975.
,,	Sudhangsu Kumar Sark	hel		25th June, 1975
1,	Amal Kumar Chattopae	dhyay		23rd Feb., 1976.
,,	Priya Ranjan Sircar			4th Aug., 1975.
,,	Donepudi Prabhakara S	Sharn	ıa	30th Dec., 1976.
,,	Atluri Ranga Rao	,		Ist June, 1977.
**	Balai Chandra Das			Ist March, 1977.
,,	Amarjit Singh Balgir			24th Feb., 1977.
13	Mutnuri Satyanarayana	Rao		22nd Jan., 1977.
,,	Ripu Raman Koshal			14th March, 1977.
,,	Supriya Kumar Das			10th Dec., 1976.
33	Subrata Kumar Ghosh			9th Dec., 1976.
,,	Om Prakash .			27th Oct., 1977.
,,	Vinay Narain Agarwal			14th Jan., 1977.
,,	Suresh Chandra Majum	der		7th Feb., 1977.
,,	Subodh Kumar Dutta			21st Feb., 1977.
,,	Pradip Pramanick			28th Dec., 1976.

V. K. MEHTA
Assistant Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF COMMERCE

CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION (DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th Soptember 1978

Import and Export Trade Control ESTABLISHMENT

No. 6/670/62-Admn(G)/6724.—The President is pleased to appoint Shri A. T. Mukherjee, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bangalore with effect from the forenoon of 7th June, 1978, until further orders.

K. V. SESMADRI Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 21st August 1978

No. 12(80)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. Poornam, Director (Gr. I) (Mech.) in Small Industry Development Organisation on his reversion from deputation with the Central Tool Room and Training Centre, Calcutta, as Industrial Adviser (Ancillary) in the Small Industry Development Organisation on ad hoc basis

for a period of six months with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

2. Consequent upon his appointment. Shri Poornam has relinquished charge of the post of Director (Gr. 1) (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (SSI) New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978 and assumed charge of the post of Industrial Adviser (Ancillary) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi, with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

#### The 16th August 1978

No. 12(87)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Dr. J. D. Verma, a Grade II Officer of the Indian Economic Service and Secretary, Bureau of Industrial Costs & Prices, as Director (Gr. I) (GAD) in the Small Industry Development Organisation on deputation basis for a period of one year with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

2. Consequent upon his appointment, Dr. Verma assumed charge of the post of Director (Gr. I) (GAD) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 15th July, 1978.

No. 12(323)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri H. M. Som. Deputy Director (Mechanical) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi to officiate as Director (Gr. II) (Mechanical) in Small Industry Development Organisation on ad hoc basis for a period of six months with effect from the forenoon of 1st July, 1978.

2. Consequent upon his appointment, Shri H. N. Som relinquished charge of the post of Deputy Director (Mech.) in the Office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi with effect from the forenoon of 1st July, 1978 and assumed charge of the post of Director (Gr. II) (Mechanical) in the same office with effect from the forenoon of 1st July, 1978.

No. A-19018(343)/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri S. P. Sharma, Superintendent, Small Industries Service Institute, Indore to officiate as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the Small Industry Development Organisation with effect from the afternoon of 9th May, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri S. P. Shararra assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (GAD) in Small Industries Service Institute, Srinagar, with effect from the afternoon of 9th May, 1978.

No. A-19018(353)/78-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri P. Thamu Nair, Superintendent, Production Centre, Ettumanur, to officiate as Assistant Director (Gr. II) (GAD) on ad hoc basis in the Small Industry Development Organisation with effect from 6th July, 1978 (FN) and until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri Thamu Nair assumed charge as Assistant Director (Gr. II) (GAD) in the Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 6th July 1978.

#### The 29th August 1978

No. 12(607)/69-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri G. D. Mehta, Asstt. Director (Gr. II) (Leather/Footwear). CF.T.C.. Agra as Assistant Director (Gr. I) (L/F) in the Small Industry Development Organisation w.c.f. the forenoon of 10-7-78 until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri G. D. Mehta assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (L/F) in the Small Industries Service Institute, Cuttack w.e.f. the forenoon of 10-7-78.

#### The 31st August 1978

No. A-19018/328/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. N. Keshava Murthy as Assistant Director (Gr. 1) (G/C) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 27-5-78, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri D. N. Keshava Murthy has assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (G/C) in the Small Industries Service Institute, Cuttack, w.e.f. the forenoon of 27-5-78.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 11th September 1978

No. 7148/D/2181(SRMR)19B.—Resignation tendered by Shri S. R. M. Rao, Assistant Chemist from the services in the Geological Survey of India has been accepted by the Director General, Geological Survey of India with effect from the afternoon of 18th April, 1978 on his absorption in the Bhabha Atomic Research Centre, Safety Research Laboratory, Kalpakkam.

No. 7173/D/7/77(MKP)/19A.—Shri Mukul Krishna Pal is appointed as an Assistant Cost Accounts Officer in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 860/- in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 10th August, 1978, until further orders.

#### The 12th September 1978

No. 7205D/11/68/19C—The following officers are confirmed in the grade of Assistant Cost Accounts Officer (Group 'B', Scale of pay-Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/-) in the Geological Survey of India with effect from the date as shown against each.

Sl. No.	Name of O	fficers.		 Date of confirmation
1. Shri R	. K. Bapat		·	14-2-1975
2. Shri P	. K. Ghosh			14-2-1975.

No. 7220/D/13/74/19C.—The following officers are confirmed in the grade of Shift Boss (Group-'B', Scale of Pay—Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-) in the Geological Survey of India with effect from the dates shown against each:

Sl. No. Name of Officer	 Date of confirmation
1. Shri C.S. Jaiswal	. 16-8-75
2. Shti P.R. Chaudhary	. 16-8-75
3. Shri K.S. Subba Rao	. 16-8-75
4. Shri A.K. Chakravarty	. 16-8-75
5. A.S. Rao	 . 16-8-75

#### The 13th September 1978

No. 7268/D/40/59/C/19A.—The ad hoc appointment of Shri S. R. Bhattacharlee to the post of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India is regularised with effect from the forenoon of 1-1-1978.

Shri Bhattacharjee was holding ad-hoc appointment in the post of Assistant Administrative Officer with effect from 3-5-1975.

V. S. KRISHNASWAMY Director General

#### SURVEY OF INDIA

#### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 15th September 1978

#### CORRIGENDUM

Corrigendum to Notification No. El-4758/881-Officers dt. 17-11-73.

No. El-50468/881-Officers.—In term of Govt, of India, Ministry of Finance (Department of Expenditure) Notification No. G.S.R. 413(E) dated the 7th October, 1974 published in the Gazette of India, extraodinary, Part II Section 3 Sub-Section (i) No. 247 dated 7-10-1974 read with Govt. of India, Ministry of Finance Memo No. 67/II/4/73-Imp. dated the 15th February, 1974 the pay of Dr. (Smt.) S. G. Sethi appointed as Junior Lady Medical Officer, Survey of India Dispensary in the General Central Service Class II on ad-hoc basis against leave vacancy with effect from 2nd January, 1973 to 31st January, 1973 is fixed at Rs. 650/- per month in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th September 1978

No. 4(36) /77-SI.—The resignation of Dr. Adarsh Sazena from the post of Programme Executive, All India Radio, Bikaner is accepted with effect from the forenoon of 16th August, 1978.

A. K. BOSE, Dy. Director of Admnfor Director General.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 12th September 1978

No. A. 19020/2/76(SJH) Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Khub Chand, officiating Stores Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi retired from Government service on the afternoon of the 31st August, 1978.

#### The 13th September 1978

No. A. 19019/5/76(HQ)-Admn.I.—The President is pleased to accept the resignation of Dr. N. Vijayakrishnan Nair, Adviser (Nutrition) in the Directorate General of Health Services from the Govt. service with effect from the afternoon of 18th August, 1978.

#### The 14th September 1978

No. A. 12026/15/77-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Shiva Govind Tripathi to the post of Hindi Officer at Dr. Ram Manohar Lohla Hospital, New Delhi, with effect from the forenoon of the 31st August, 1978, on an ad-hoc basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA, Dy. Director Admn. (O&M).

MINISTRY OF AGRICULTURAL AND IRRIGATION, (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT),

## DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION, FARIDABAD

#### Farldabad-IV, the 12th August 1978

No. F. 4-6(7)/74-A.III.—The term of foreign service of Shri R. P. Sachdeva, Assistant Marketing Officer of this Directorate, as Secretary, Agricultural Produce Market Committee, Azadpur, under the Delhi Agricultural Marketing Board has been extended for a period of one year with effect from 1-8-78 (F.N.).

2. The services of Shri Sachdeva were initially placed at the disposal of the Delhi Agricultural Marketing Board for a period of one year with effect from 1-8-1977 (F.N.).

#### The 15th August 1978

No. A. 19023/4/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st October, 1978 or until regular arrangements are made whichever is earlier:—

- 1. Shri K. Suryanarayana.
- 2. Shri S. P. Bhasin.
- 3. Shri A. C. Guin.
- 4. Shri R. Narasimhan.
- 5. Shri M. Chakraborty.

2. The short term appointment to the post of Marketing Officer (Group I) of Shri J. N. Rao. who expired on 10-8-1978, has been extended upto 10-8-1978.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser.

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Trombay, the 23rd August 1978

No. R/1825/Med/Estt.I/3390.—Director, Bhabha Atomic Research Centre terminated the services of Dr. (Smt). Dolly Ray, a temporary Resident Medical Officer in the same Research Centre with effect from the afternoon of December 15, 1976.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN, Dy. Establishment Officer.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, 15th September 1978

No. DPS/23(4)/77-Estt./22808.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate for the periods indicated against each:—

- 1. Shri V. G. Jobanputra-from 25-7-78 to 24-8-78.
- 2. Shrl N. Prabhakaran-from 27-7-78 to 2-9-78.

B. G. KULKARNI, Assistant Personnel Officer.

#### DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SHAR CENTRE

Sriharikota, the 22nd August, 1978

No. SCF. P&GA. ESTT. 1.72—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

S. No. Name	Designation	Date of appointment
S/Shri 1. С. Р. Krishла Rao 2. G. V. Subramanyam	Engineer-SB Engineer-SB	1-4-78 1-4-78

#### The 24th August, 1978

No. SCF. P&GA. ESTT. 1.72—The Director is pleased to appoint the following officials to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

S. No. Name	Designation	Date of appoint- ment
S/Shri 1. G. Ram Dev	Engineer 'SB'	10-4-78
2. S. Lakshminarasimhan	Engineer 'SB'	3-5-78
3. M.V.L. Prasad	Engineer 'SB'	31-7-78
4. Nihar Ranjan Mishra	Engineer 'SB'	16-8-78

R. GOPALARATNAM Head, Personnel & General Admn. for Director

#### ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the 18th August 1978

No. 020/3(061)/78.—Director, ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri S. N. Rajendran to the post of Engineer 'SB' in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space in a temporary capacity with effect from the forenoon of 19-5-1978 until further orders:—

J. K. SAHA, Under Secy.

### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 12th September 1978

No. A. 32013/2/77-EW.—In continuation of this office Notification No. A. 32013/2/77-EW, dated the 17th April, 1978 the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri H. C. Roy Chowdhury, in the grade of Deputy Director (Fire) for a further period of six months with effect from 29-6-1978, or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier and to post him at Headquarters.

No. A. 32013/13/77-EC.—The President is pleased to appoint the following two Communication Officers to the grade of Senior Communication Officer on regular basis with effect from the date and at the station indicated against each:—

S. No. Name	Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S/Shri 1. Arun Talwar	Aeronautice Communi- cation Station, Calcutta	al Controller, Central Radio, Stores Depo New Delhi	12-6-78 (FN)
2. M. Dheena Dayalan	Aeronautical Aeronautical Communi- Communi- cation cation Station Station, Madras Madras		81 12-6-78 (FN)

#### The 16th September 1978

No. A. 32013/10/76-EC.—The President is pleased to appoint Mrs. V. Ratnavati, Assistant Technical Officer in the Office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi, as Technical Officer in the same office on regular basis, with effect from the forenoon of the 13th July, 1978, and until further orders.

S. D. SHARMA, Dy. Director of Administration.

#### New Delhi, the 13th September 1978

No. A. 32012/3/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri Sher Singh as Administrative Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the 24th August, 1978 and until further orders in the office of the Aerodrome Officer, Safdarjung Airport, New Delhi.

S. L. KHANDPUR. Asstt. Director of Administration.

#### VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 12th September 1978

No. 16/231/74-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun is pleased to permit Shri Shashi Bhushan Sharma, Assistant Registrar, in the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun to retire from Government Service with effect from 31-8-1978 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

GURDIAL MOHAN, Under Secy.

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 12th September 1978

No. 30/1978.—Shri Lallu Singh, confirmed Inspector (S.G.) of Central Excise posted at Kanpur and appointed to officiate as Superintendent of Central Excise Group 'B' in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 vide this office Establishment Order No. 118/1978 dated 26th June 1978 issued under endorsement C. No. II (39)28-ET/78/Pt. 13352 dated 27-6-78, took over charge of the Office of the Superintendent of Central Excise in the Integrated Divisional Office, Allahabad as Superintendent of Central Excise Group 'B' on 7-7-78 (F.N.).

SD/- ILLEGIBLE Collector.

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 12th September 1978

No. A. 19012/737/78-Adm.V.—The Chairman Centra Water Commission, hereby appoints on promotion Shri T. S. Godhwani, Research Assistant, to the grade of Assistant Re New Delhi in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB scarch Officer (Chemistry) in the Central Water Commission 35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad how basis with effect from the forenoon of 24th August, 1978 upto the end of February 1979 or till the post is filled or regular basis, whichever is earlier.

#### The 14th September 1978

No. A. 19012/736/78-Adm.V.—The Chairman, Centra Water Commission, hereby appoints on promotion Shri H S. N. Swamy, Research Assistant, to the grade of Assistan Research Officer (Physics) in the Central Water and Power Research Station. Pune in the scale of pay of Rs. 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporar and ad hoc basis with effect from the forenoon of 18th August, 1978 upto 30th September, 1978 or till the post i filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA Under Sec Central Water Commission

#### NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 5th August 1978

No. MEC.123/76.—In pursuance of the provisions of the North Eastern Council Secretariat, Shillong (Group 'A' & 'B' posts) Recruitment Rules, 1977 notified vide Government of India, Ministry of Home Affairs notification No. III-14029/B/74-NE dated 7th June, 1977, Shri Syed Aftab Ahmed, a permanent Grade III and officiating (ad-hoc) Grade I office of the Central Information Service, working as Editor, Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, New Delhi, is hereby appointed to officiate as Public Relations Officer in the North Eastern Council Secretariat, Shillong, on deputation, in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800/- plus allowances as may be admissible from time to time under the Central Government Rules for the period from 7-6-19/7 to 12.7-1979 (A.N.).

2 This partially modifies the Council Secretariat notification No. NEC.123/76 dated 23-7-1976 and cancels the Council Secretariat notification of even number dated 13-2-1978.

> K. M. MIRANI, Secy.

#### SOUTH EASTERN RAILWAY

Calcutta-43, the 11th November 1978

No. P/G/14/300E.—The following officiating Class II Officers of the Personnel Branch of this Railway are confirmed in that appointment w.c.f. from the date noted against each. The Department to which each officer is allocated is also indicated.

Sr. No.	Name	-	Date of confirmation	Department to which allocated.
Shri 1. N. Srii	nivasan.	•	lst May 1977	
2. S. G. 0	Chari	•	Ist September, 1977	M.E. & T (P).
3. Sri A.	P. Roy		Ist October 1977	M.E.&T (P).

M. S. GUJARAL General Manager

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956
And
In the matter of Apollo Filaments Pvt, Ltd.

(Pursuant to sec. 445(2) of the Companies, Act 1956)

Hyderabad, the 13th September 1978

No. 1493/Liq/78.—By an order dated the twenteigth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in

Company Petition No. 5 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to wound up Apollo Filaments Private Limited.

In the matter of the Companies Act, 1956
And
In the matter of Appollo Tapes Private Ltd.
(Pursuant to Sec. 445(2) of the Companies, 1956)

Hyderabad, the 13th September 1978

No. 1494/Liq/78.—By an order dated the twentyeigth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in Company Petition No. 4 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh Hyderabad, it has been ordered to wound up, Appollo Tapes Private Limited.

In the matter of the Companies Act, 1956
And
In the matter of Apollo Technocrafts Private Limited
(Pursuant to Sec. 445(2) of the Companies, 1956)

Hyderabad, the 13th September 1978

No. 1496/Liq/78.—By an order dated the twentycigth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in Company Petition No. 7 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to wound up Apollo Technocrafts Private Limited.

V. S. RAJU, Registrar of Companies, Andhra Pradesh: Hyderabad.

# OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR CORRIGENDUM

Dharwar, the 22nd September 1978

Notice No. 202/77-78/Acq.—The name of the person in occupation of the property may be read as mentioned below, as the same was omitted to be published in the Gazette of India dated 11-2-1978 at page No. 746.

M/s. J. M. Nagathan & Co., Cotton, Grain, Oil Seeds Merchants and Commission Agents, Adat Bazar, Bijapur.

D. C. RAJAGOPALAN,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

#### FORM ITNS

(1) Shrimati Anima Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bimal Devi Sakunia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

BHUBANESWAR Bhubaneswar-9, the 18th September 1978 (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. 77/78-79/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas I B.

(b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Khunti No. 164 situated at Jharsuguda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jharsuguda on 30-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeyed building situated at Mouza-Jharsuguda in Khunti No. 164 under the jurisdiction of Sub-Registrar, Jhar-Registrar, Jhar-Registrar, Jan-Registrar, Jan-Registr suguda and registered by sale document No. 164 dated 30th January 1978.

> B. MISRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhubaneswar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 18-9-78.

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 8th September 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/1119.—Whereas, I, D. C. GOEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot (Part) situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 2-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vijay Dattatraya Bhale s/o Shri Dattatraya Bhale R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

- Shri Narsingh Dass Grover s/o Late Shri Chandiram Grover Contractor.
  - Shrimati Usha Devi W/o Shri Narsinghdas Grover, 19, Ridge Road, Idgah Hills, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Eastern portion of plot No. 3, Khasra No. 105, situated at Idgah Hills, Bhopal.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 8-9-1978.

Scal:

FORM ITNS -

(1) Shrimati Jayanti Sikdar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Anil Kumar Dutta.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV CALCUTTA

Calcutta-16, the 26th August 1978

Ref. No. AC-28/Acq.R-IV/Cal/78-79.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Burnpore Road, Asansole,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Asansole on 20-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following, persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 5 cottahs 2 chittaks together with building thereon situated at Burnpore Road, Asansole, P. S. Hirapur, Dist. Burdwan more particularly as per deed No. 275 dated 20-1-1978.

S. K. DASGUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 26-8-1978.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 30th August 1978

Ref. No. Raj/AC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Ladnu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladnu on 25-1-1978,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pushraj S/o Loonkaran Gangwal General Power of Autorney of Sukh Dev Charity Estate (Trust) Ladnu Distt. Nagour.

(Transferor)

(2) Shri Hulashchander Arya S/o Shri Nathmal Mali C/o Smt. Hulasi Devi Bhutoria Mahila Mandal, 6th Patti, Ladnu Distt. Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 750 sq. yd. situated at Hospital Road, near Bus stand Ladnu and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Ladnu vide regd. No. 72 dated 25-1-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-8-1978.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 30th August 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq).—Whereas, I, M. P. VASISHTHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Ladnu, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ladnu on 25-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than gfteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings—for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Pushraj S/o Loonkaran Gangwal General Power of Attorney of Sukh Dev Charity Estate (Trust) Ladnu, Distt. Nagour.
  - (Transferor)
- (2) Shri Ram Kumar Jangid, S/o Shri Rugharam Near Raghugate, Station Road, Ladnu, Distt. Nagour. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot of land measuring 772 sq. yd. situated at Hospital Road, near Bus Stand & more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Ladnu vide regd. No. 73 dated 25-1-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 30-8-1978.

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/443.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. situated at Sheomapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 21-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

14—276GI/78

(1) Shri Unis S/o Dhan Masih, Richeldevi widow Dhan Masih, Victoria Widow of Usuf, Benjamin S/o Usuf Indian Ishai Mission Compound, Beawar.

(Transferor)

(2) Shrimati Keladevi wife of Ramgopal Mali Sankla Malioyon Surajpole, Beawar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sheomapura, Tehsil Beawar including well and ½ share in Dhora and described in conveyance deed registered by S.R. Beawar vide Register No. 250 dated 21-1-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-9-1978

#### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 11th September 1978

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/444.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Nehrunagar Beawar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 27-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandkaran and Shri Radhakishan Sons of Praladh Dass and Shri Praladh Dass S/o Mathuralal Rathi of Nasirabad Distt. Ajmer.

(Transferor)

(2) Shri Jangalram S/o Shri Jetharam, Nehrunagar, Beawar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One open plot of land measuring 2538 sq. yd. situated at Nehrunagar, Beawar and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Beawar vide registration No. 196 dated 27-1-1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 11-9-1978

#### FORM ITNS -

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 7th September 1978

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/442.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-41, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

S.R. Jaipur on 16-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sarla Tank Wife of Shri Nandlal Tank C/o English Wine and Provision Store, StatIon Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Paravatidevi wife of Shri Vasdeo Sajnani and Shri Pesuram S/o Shri Hemraj Sindhi, Plot No. 248 Sindhi Colony Banl Park, Jalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. F-41, Bani Park Jalpur and more fully described in the conveyance deed registered by S. R. Jaipur vide registration No. 548 dated 16th March 1978.

M. P. VASISHTHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-9-1978

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 16th August 1978

No. 223/78-79/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. 85/1; 29 AND

30/2, situated at Jagara Hobli, Chikmagalur Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikmagalur under Document No. 1772 on 19-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, as the following persons namely:-

(1) Shri S. Machado S/o J. Machado, Coffee Planter, Jail Road, Chikmagalur.

(Transferor)

(2) M/s. Comals Coffee Hills, Halase Estate, Mudigere Taluk, Chikmagalur District. represented by its partners

1. Shri H. B. Jayaprasad.

Shil H. B. Jayapiasad.
 Shri H. B. Rajagopal, and
 Shri H. B. Shivanna.
 All sons of Shri H. B. Bhyregowda, Halase Estate, Mudigere Taluka, Chikmagalur District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Coffee Estate situated at Jagara Hobli, Chikmagalore Taluka, Bearing survey Nos. 85/1; 29 and 30/2. The total area 51 acres 30 Gunthas.

> D. C. RAJAGOPALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

Date: 16-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE DHARWAR

Dharwar-4, the 25th August 1978

No. 226/78-79/Acqn.—Whereas, I. D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Dharwar,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52, 52/1 and 53, situated at Harihara Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Harihara, under document No. 1330/77 78 on 8-2-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sha A. Chunilalji Jain, Merchant, R/o Harihara Town.

(Transferor)

(2) Shri Champaklal S/o Poonamchand, Merchant, Narasaraja Peth, Davanagere City. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property consists of two storied R.C.C. building situated at 'F' division of Harihara Town, bearing Municipal Nos. 52, 52/1 and 53 and present doors No. 55, 56 and 57. Area East to West 14'—8' and North to South 64'. Total site area is 960 Sqr. Feet.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar-4

Date: 25-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-580 004

Dharwar-580 004, the 12th September 1978

Notice No. 228/78-79/ACQ/IB.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwad,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Thalagod Village, Kalasa Hobli,

Mudigere Taluk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudigere Under Document No. 536/77-78 on 6-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- 1. Beepathumma W/o Haji T. M. Sairabba.
   2. Smt. Haliamma W/o S. Mohd. R/o Padli,
  - Mangalore Taluk.
  - 3. Smt. Maimoona, W/o A. H. Khader R/o Magundi, N. R. Pura Taluk.
  - 4. Smt. Mariyamma W/o Mohd. Haji R/o Pane
  - Mangalore, Bantwal Taluk.
    5. Smt. Nafissa W/o Mohd. Kunhi R/o Uppinangaddi, Puttur Taluka S. K.
  - Smt. Aisamma W/o Ismail R/o Bengre Mangalore Taluk.
  - 7. Smt. Rahamatunnissa W/o Abdul Razak R/o Pane Mangalore Taluk.
  - 8. Mr. Hammad Bava.
  - Mr. Khasim.
  - 10. Mr. Abdul Rashid.
  - 11. Master Ayub Minor represented by his guardian Shri Hammad Bava Civil Judge, Mangalore. Vendors 1 and 8 to 11 are residents of Thumbe, Bantwal Taluk of S.K.

(Transferors)

- (2) M/s Sangam Planxtations and its partners.

  1. Mr. S. R. Ibrahim Khan, S/o Rasool Khan, Auditor and Advocate R/o Nehru Road, Shimoga.
  - Mr. T. Abdul Rahiman S/o T. Mohideen, Coffee Planter, R/o Magundi N. R. Pur Taluk.
     Mr. M. R. S. Sambantham S/o Sockalingam,
  - Coffee Planter, R/o Magundi, N.R. Pur Taluk. (Transferecs)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 536/77-78 dated 6-1-1978]

The Coffee Estate Commonly known as Nellikoppa Estate situated at Thalagoda Village, Kalasa Hobli, Mudigere Taluk, bearing Survey No. 24/P, C.R.C. No. 5086 measuring 78 Acres 20 Gunthas.

D. C. RAJAGOPALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Dharwar-4.

Datt: 12-9-1978

(1) Shri Beniprasad Kanoria and Ors.

(Transferor)

(2) Shri Girdhar Gopal Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 14th August 1978

Ref. No. AR-I/3017-2/Feb. 78.—Whereas, J, F. J. FERNANDEZ.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. C.S. No. 2 C1/699 (Pt.) situated at Malba and Cumballa Hill Dn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 2597/72/Bom. and registered on 18-12-1978 with the sub-Registrar Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Bombay

Date: 14-8-1978

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 31st August 1978

Ref. No. AR.II/2535/2/Feb. 78.—Whereas, I. A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Pt. of S. No. 53 C.S. No. 444 situated at S.V. Road, Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Bombay on 15-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Pankaj Builders Private Limited.

(Transferor)

Society Ltd. (2) Vivek Mandir Co-operative Housing (Transferee)

- (3) 1. Shri Jasavantlal M. Mehta.
  - Shri P. L. Padhiar. M/s Paragaon Plastics.

  - Shri J. B. Mehta.
    Smt. Asri Chunilal Bhatia.
    Smt. Savitaben S. Sangani.
    Smt. Madhukanta H. Shah.

  - Smt. Lachmi B. Vasawani. Shri Mukund Singh Gruwar.
  - Shri Pradhan Jethabhai. 10.
  - Smt. D. M. Bhatia. 11.
  - Smt. Rewaben P. Mayani. Shri Mahesh M. Kabbur. 12. 13.
  - 14, 15. Shri Bhawgandas Chtrabhuj Shah.
  - Shri Koshore V. Ruparel.
  - Shri Natubhai N. Desai. 16.
  - 17. Smt. Kantaben Kantilal Viramgama.
  - 18. Shri Ramesh H. Bajaj.

[Person(s) in occupation o fthe property]

(4) —Do—

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground admeasuring 1,200 sq. yds. equivalent to 1,003 sq. metres or thereabout, with the building thereon consisting of ground and two upper floors consisting of six flats on each floor, situate at Swami Vivekanand Road, Malad in Greater Bombay and bears part of Survey No. 53 of Village Malad and Part of City Survey No. 444 of Malad South in the Registration Sub District of Bandra, Bombay Suburban District and is bounded follows: that is to say on or towards the East by Plot No. 3 of the sub Division, on or towards the West by Plot No. 4 and beyond by the 15% area of land kept open and unbuilt upon for a recreation ground, on or towards the North by 30 feet common access and beyond by Plot No. 2 of the said sub Division belonging to Majithia Nagar Co-Operative Housing Society limited and on or towards the South by land bearing Survey No. 53 of Malad. The property is a portion of larger property assessed by the Bombay Municipal Corporation under 'R' Ward 219. 225, R. 221, R. 220 Street Nos. 26, 27A, 26C, D and F, and 26A, Swami Vivekanand Road.

A. C. CHANDRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Rombay

Date: 31-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 356/KPR/78-79,--Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Jahangirpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Kapurthala on January 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bela Singh s/o Shri Sobha Singh, R/o Jahan-girpur, Teh. Kapurthala.

(Transferor)

(2) S/Shri Bahadur Singh, Mohinder Singh and Charan Singh ss/o Jagat Singh s/o Khadak Singh, Vill. Bhandal Bet, Distt. Kapurthala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 81 Kanals and 2 marlas in village Jahangirpur as mentioned in sale deed No. 2583 of January 1978 registered with the S.R. Kapurthala.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 1-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 357/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MAYIK

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Kapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Narain s/o Shri Maghi Mal s/o Shri Ghuna Mal, R/o Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Shri Mahant Sohan Dass Chela Baba Tabsi Puran Dass Chela Baba Punjab Dass, R/o Vill. Dhingar, Teh. Phul now Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63 Kanals and 12 marlas in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 3027 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 1-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 358/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kot Kapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Dhan Kaur d/o Shri Sant Ram, Harbans Lal, Ram Parkash ss/o Shri Tulsi Ram, R/o Kot Kapura.
  - (Transferors)
- (2) Jangir Singh s/o Shri Sucha Singh and Gurmaul Singh s/o Shri Jangir Singh, R/o Kot Kapura.
  (Transferces)
- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 Kanals in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 3185 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 1-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 359/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have

reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kot kapura,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot on January 1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Ram Rakhi w/o Shrl Ram Narain s/o Shrl Maghi Mal, R/o Kot Kapura.

  (Transferor)
- (2) Mahant Sohan Dass Chela Baba Tabsi Puran Dass, Chela Baba Punjab Dass, Kot Kapura.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 33 Kanals and 6 marlas in Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 3035 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot,

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 1-9-1978

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st September 1978

Ref. No. A.P. 360/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at V. Har Rai Pur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Bhatinda on January 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naginder Singh s/o Shri Dodha Singh s/o Shri Boota Singh, R/o Har Rai Pur, Teh. Bhatinda.

(Transferor)

- (2) Smt. Balbir Kaur w/o Shri Harnek Singh s/o Shri Jugraj Singh, R/o Vill. Har Rai Pur, Teh. Bhatinda. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 79 Kanals and 15 marlas in village Har Rai Pur as mentioned in sale deed No. 4937 of January 1978 registered with the S.R. Bhatinda.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 1-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd September 1978

Ref. No. A.P. 361/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Faridkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridkot on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhagat Singh s/o Shri Mehar Singh s/o Shri Hamir Singh, Village Pipli, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) S/Shri Pala Singh, Mohinder Singh, Wasakha Singh etc. ss/o Shri Mehar Singh, Vill. Pipli, Distt. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 56 Kanals and 19 marlas in Faridkot as mentioned in sale deed No. 3079 of January 1978 registered with the S.R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 2-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 2nd September 1978

Ref. No. A.P. 362/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Vill. Abul Khurana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout on January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jai Kaur wd/o Shri Bhagwan Singh s/o Shri Gani Singh, R/o Vill. Abul Khurana, Teh. Muktsar.

(Transferor)

- (2) S/Shri Baldev Singh, Balvinder Singh ss/o Surjit Singh, s/o Kishan Singh, R/o Vill. Abul Khurana, Teh. Muktsar.

  (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 120 Kanals and 8 mrlas in village Abul Khurana as mentioned in sale deed No. 2368 of January 1978 registered with the S.R. Malout.

P. N. MALIK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhatinda

Date: 2-9-1978

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 12th September 1978

Ref. No. A.P. 363/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) (1) Sh. Pritam Singh s/o Sh. Amar Singh (2) Sh. Ranjit Singh through Sh. Roop Rai, Mechanical Works, Khera Road, Phagwara.

('Transferor)

(2) (1) Sh. Sohan Singh s/o Sh. Gurdev Singh (2) Smt. Gurmit Kaur w/o Sh. Sohan Singh, R/o Chahal Kalan. Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in a house situated at Khera Road, Phagwara as mentioned in sale deed No. 1742 of Jan., 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 12-9-1978.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 12th September 1978

Ref. No. A.P. 364/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara on Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

16--276GI/78

(1). (1) Sh. Pritam Singh 5/0 Sh. Amar Singh (2) Sh. Ranjit Singh 5/0 Sh. Amar Singh through Sh. Roop Rai, Mechanical Works, Khera Road, Phagwara.

(Transferor)

(2) (1) Sh. Sohan Singh s/o Sh. Gurdev Singh (2) Smt, Gurmit Kaur w/o Sh. Sohan Singh, R/o Chahal Kalan, Distt. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in a house situated at Khera Road, Phagwara as mentioned in sale deed No. 1743 of Jan., 1978 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 12-9-1978.

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA.

Bhatinda, the 13th September 1978

Ref. No. A.P. 365/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot on Jan., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shibu Ram s/o Sh. Ghamandi Lal s/o Sh. Govardhan Dass R/o Kotkapura.

(Transferor)

(2) Shri Dewan Chand s/o Gurditta Mal s/o Seth Sunder Dass R/O Kotkapura.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

  (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storeyed building bearing No. B-VIII/703 situated in Grain Market, Kotkapura as mentioned in Regd. deed No. 2983 of January 1978 Registered with the Sub-Registrar, Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date: 13-9-78.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/Nasik/March '78/367/78-79.---Whereas, 1, SMT. P. LALWANI.

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 37 situated as 649-A/1-1 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 17-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tarnsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Indumati Gajanan Gupte,
 R/o Paramsukh Co-operative Housing Society,
 Gavand Road, Naupada, Thane.

(Transferor)

(2) Dr. Sudhakar Eknath Kotwal, M. G. Road, Mundada Market, Nasik-1.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 37 situated as 649-A/1-1 at Nasik.

(Property as described in the sale deed registered under No. 384 dated 17-3-78 in the office of the Sub-Registrar, Nasik).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Poona.

Date: 19-8-1978.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri M. C. Joshi, 1383, 2nd land, Rajarampurl, Kolhapur. (Transferor)

(2) Shri V. B. Bawaldar, E-1292, Bagal Chowk, Kolhapur.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/Karveer/March '78/366/78-79.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 70, E-Ward, Pratibha Nagar Co-op. Housing Society Ltd. Sagarmal, situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kolhapur on 13-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 70, E-Ward, Pratibha Nagar Co-operative Housing Society Ltd., Sagarmal, Kolhapur.

(Property as described in the sale deed registered under No. 441 dated 13-3-1978 in the office of Sub-Registrar, Kolhapur).

SMT. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 19-8-1978.

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA · 411004.

Poona 411004, the 19th August 1978

Ref. No CA5/Nandgaon/March '78/368/78-79.—Whereas, I, SMT. P LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S No 76/18+24+28  $76-2\Lambda$  situated at Manmad, Tal Nandgaon, Dist Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandgaon on 2-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said justrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Digambar Chunilal Gujrathi, Manmad, Taluka Nandgaon, Dist Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Uttamchand Mutha & others, Manmad, Tal. Nandgaon, Dist. Nasik.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands situated at S No 76/1B+2A+2B 76-2A at Manmad, Tal Nandgaon, Dist Nasık.

(Property as described in the sale deed registered under No. 27 dated 2-3-78 in the office of the Sub-Registrar, Nandgaon)

SMT. P. LALWANI
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 19-8-1978.

Scal:

#### FORM ITNS ----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 28th August 1978

Ref. No. CA5/Haveli-I/Feb '78-369.—Whereas, I, SMT. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

C.T.S. No. 251, Narayan Peth situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Haveli-I, Pune on 18-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Y. S. Sane, 135/5, Erandawana, Pune-4.
  - (2) Shri M. R. Khandekar, 528, Narayan Peth,
  - (3) Shri D. D. Suryavanshi, 12, Stavely Road, Pune. (Transferors)
- (2) Shri A. J. Jadhavrao, 1202/3/14, Apte Road, Pune-4.

(Transferee)

- (3) Nil
- (4) (1) Arvind Shrineevas Kirtane.
  - (2) Pankaj General Trading Co.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building situated at C.T.S. No. 251, Narayan Peth, Pune, admeasuring 278.559 mets.

(Property as described in the sale deed registered under No. 335 dated 18-2-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Pune).

SMT. P. LAI WANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 28-8-1978.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th June 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1483(670)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F.P. No. 262, 263, T.P.S. 26, situated at Vasna,

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abmedabad on 19-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Keshavlal Chababhai Kaita of H.UF. M/s. Girja Sut Corporation, Vasna, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Chandra Prabha Coop. Housing Society; Chairman: Shri Haribhai Shankerbhai Patel, Near Virlram Park Society, Vasna, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land admeasuring 5625 sq. yds. with foundation work done of 4 blocks bearing F.P. No. 262, 263 of T.P.S. 26, situated at Vasna, Ahmedabad and as fully described in sale deed No. 723/78 dated 19-1-1978 registered by Sub-Registrar, Ahmedabad,

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14th June, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th Juy 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1540(686)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-A situated at Village Ghantlodia, Ahmedabad Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Devmurari Prabhudas Kalyandas Gandhi, Village Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri B. Thakker, Chairman of Abhinandan Co-op. H. Soc. Ltd., C/o. Abhinandan & Company, Opp: Jain Derasar, Usmunpura, Ahmedabad-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Ghantlodia Village, Dist. Ahmedabad bearing S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-A 2984-2/3 sq. yds. land—duly registered by Registering Officer of Ahmedabad as per Sale-deed No. 607/17-1-1978 in the month of January, 1978 and as fully described in the said Sale-Deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1540(687)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 335 Paiki—Sub-Plot No. 1-C situated at Village Ghantlodia, Ahmedabad Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely !—

17-276GI/78

 Shri Girishkumar Prabhudas Gandhi, Village: Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Shri B. Thakker, Chairman of Abhinandan Co-op, H. Society Ltd., C/o, Abhinandan & Company, Opp: Jain Derasar, Usmanpura, Ahmedabad-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Ghantlodia Village, Dist. Ahmedabad bearing S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-C-2984-2/3 sq. yds. land—duly registered by Registering Officer of Ahmedabad as per Sale-deed No. 608/17-1-1978 in the month of January, 1978 and as fully described in the said Sale-Deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25-7-1978

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-360 009.

Ahmedabad-380 009, the 25th July 1978

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-1540 (688)1-1/77-78.— Whereas, J. S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-B situated at Ghantlodia Village, Ahmedabad Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Smt. Ramkunverben wife of Prabhudas Kalyandas Gandhi, Village Navrangpura, Ahmedabad-9.
- (2) Shri B. Thakker, Chairman of Abhinandan Co-op. H. Soc. Ltd., C/o. Abhinandan & Company, Opp: Jain Derasar, Usmanpura, Ahmedabad-14.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land situated at Ghantlodia Village, Dist. Ahmedabad bearing S. No. 335 Paiki Sub-Plot No. 1-B 2984-2/3 sq. yds. land—duly registered by Registering Officer of Ahmedabad as per Sale Deed No. 609/78 in the month of January, 1978 and as fully described in the said Sale-Deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 25-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1978

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-1-1647(689)/16-6/77-78.—Whereas, I S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Double storied building situated at Dhebar Road, Just Opposite to Laxmi Furniture

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Lalitaben Dhanjibhai Chaniara, Dhebar Road, Opp. Mehta Petrol Pump, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Shobhnaben Janakray Mehta, Kalawad Road, Kiritnagar—Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storied building standing on land admeasuring 143.258 sq. yds. situated, just Opposite to Laxmi Furniture, on Dhebar Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 28, Dt. 4-1-78.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 26-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st August 1978

No. Acq.23-I-1650(691)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Panchnath Plot 11, situated at "Dhrol House" 11, Panchnath Plot, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajkot on 20-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Harishanker Vora (Properties) Pvt. Ltd. Power of Attorney Holder: Shri Jivram Shankerji Dave, 5-Kevadavadi, Rajkot. (Transferor)
- (2) Soni Bhagvanji Parsottam Public Charitable Trust, 1, Mehul Nagar Near Nilkanth Talkies, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One residential bldg, standing on land admeasuring 887-5-0 sq. yds. situated at 11, Punchnath Plot known as "Dhrol-House" Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 236 dated 20-1-1978.

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 1st August, 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 1st August 1978

No. Acq.23-I-1695(692)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bldg, known as "Modi-House" situated at Jawahar Road, Opp. Alfred High School, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 11-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hasmukhlal Savbhagyachand Modi, Holder: Shri Savbhagyachand Motichand Diwanpara, 6-Prabha Villa, Rajkot.

(Transferor)

(2) Trustees of Dipakbhai Family Trust, (i) Shri Jawaharlal Prabhashankar Daftary, (ii) Shri Dipakbhai J. Daftary, 4th Floor, 419-A, Panchratna, Mama Parmanand Marg, Bombay-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed building known as "MOTI HOUSE" standing on land admeasuring 682 sq. yds. situated on Jawabar Road, Opp. Alfred High School, Rajkot and as fully described in sale-deed No. 105 registered with Sub-Registrar, Rajkot on 11-1-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 1-8-1978

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1978

Ref. No. Acq.23-I-1726(693)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 389 situated at Pradhumannagar, Panchnath Plot, Sheri No. 17, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Mangalagauri Narandasbhai, Panchnath Plot No. 17, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra Dhirajlal Shah, Panchnath Plot-9, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building on land (bearing S. No. 389) adm. 175 sq. yds. situated at Pradhumannagar, Panchnath Plot, Sheri No. 17, duly registered by Registering Officer, Rajkot as per Saledeed No. 1289/January, 1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 8th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1727(694)/16-6/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. — situated at Near Saurashtra High School, Rajkot

(and more fully described

In the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 16-1-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Shrl Jaswantkunverba Gadarsinbji Jhala, Kashi Vishvanath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Yogeshchandra Vallabhdas Shah, C/o Maharanidas Vallabhdas Shah, Lakhejraj Road, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building on land adm. 660.69 sq. metrc situated near Saurashtra High School, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot as per Sale-deed No. 170/16-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 8-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P.R. No. 601 Acq.23-1076/19-7/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 15 (Final Plot No. 69) City Survey No. 1560 S. No. 97 paiki situated at Umarwada, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vinodkumar Dhansukhlal Gale Mandi, Moti Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abdulrezak Miya Ahmed Gajiwala.

Shri Mohmed Sharif Miya Ahmed Gajiwala;
 Smt. Saherabibi Miya Ahmed Gajiwala;
 Ambawadi, Indrapura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 15 (Final Plot No. 69) City Survey No. 1560, Survey No. 97 paiki, situated at Umarwada, Surat admeasuring 613 sq. yds. as described in the sale deed registered under Registration No. 182 in the month of January, 1978 by the Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9th August, 1978.

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 9th August 1978

Ref. No. P. R. No. 602 Acq. 23-1075/19-7/78-79.-Whereas, I S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 9, Nondh No. 2496 situated at Bhukhandas

Sheri, Balaji Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-18-276GI/78

Shri Madhuker Manilal self and P.A. Holder of;
 Sarju Madhuker, (ii) Sonia Madhuker, 11-12,
 Harish Bldg. Dixit Rd. Ville Parle, Bombay-57.

2. Shri Jitendra Hiralal Patel self and P.A. Holder

(i) Rupali Jitendra Patel, (ii) Sahil Jitendra Patel, (iii) Hetal Jitendra Patel, Balaji Road, Jitendra Surat.

3. Shri Chandrahas Manilal Patel self and P.A. Holder of; (i) Parul Chandrahas, (ii) Apurva Chandrahas

Patel, Balaji Road, Surat.
4. Samirkumar Manilal Patel self and P.A. Holder;

(i) Niraj Amirkumar Patel, Balaji Road, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Babubhai Kashiram Tamakuwala; Chauta Bazar, Surat.
  - 2. Urmilaben W/of Babubhai Kashiram;
  - 3. Shri Rameshchandra Babubhai Tamakuwala;
  - 4. Shri Dilipkumar Babubhai Tamakuwala;
  - 5. Shri Ashokkumar Babubhai Tamakuwala;
  - 6. Shri Navnitlal Babubhai Tamakuwala;
  - 7. Shri Nareshkumar Babubhai Tamakuwala;
  - 8. Minor Rajendrakumar Babubhai Tamakuwala;
  - Minor Pareshkumar Babubhai Tamakuwala;
     P.A. Holder of 8 & 9 Shri Babubhai Kashiram Tamakuwala; All at Chauta Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 9, Nondh No. 1496 situated at Bhukhandas Sheri, Balaji Road, Surat admeausring 169 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 137 in the month of January, 1978 by registering Officer, Surat,

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9th August, 1978.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(695)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 76 Paiki Sub-Plot No. 2 situated at Taltej, Tal. Daskrol, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Ahmedabad on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rameshchandra Kantilal Patel & Other, NILDHARA Ellisbridge, Ahmedabad,

(Transferor)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association through: Shri Vinodchandra Jethalal Patel & Others, Navrangpura, Swati Society, Ahmedabad.
  - Nirant Park House Owner's Association, C/o. Shri Rasiklal R. Surti, 19, Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land adm. 10466.50 sq. yds. bearing S. No. 76 Paiki Sub-Plot No. 2,—situated at Thaltej Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 104/4-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1978

Ref. No. P.R. No. Acq. 23-I-1465(696)/1-1/77-78,—Whereas, 1 S. C. PARIKH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 79/1 and 79/2 Paiki Sub-Plot No. A situated at Thultej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Maniben Kantilal Patel & Other, 'NILDHARA', Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- Proposed Nirant Park House Onwers Association, through: Shri Vinodchandra Jethalal Patel & Others, Navrangpura, Swati Society, Ahmedabad.
  - Nirant Park House Owners Association, C/o. Shri Rasiklal R. Surti,
     Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Cahpter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 17182 sq. yds. bearing S. No. 79/1 & 79/2 Paiki Sub-Plot No. A—situated at Thaltej Tal. Daskrol, Dlst., Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide Sale-Deed No. 103/4-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-8-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(697)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 79/1 and 79/2, Paiki Sub-Plot No. B. situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kantilal Khushaldas Patel & Other, "NILDHARA", Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association, through: Shri Vinodchandra Jethalal Patel & Other, Navrangpura, Swati Society, Ahmedabad.
  - Nirant Park House Owners Association, C/o Shri Rasikbhai R. Surti,
     Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 17004.23 sq. yds. bearing S. No. 79/1 and 79/2 Paiki Sub-Plot No. B, situated at Thaltej, Tal, Daskroj, Dist. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale Deed No. 102/4-1-1978 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(698)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 76 Paiki Sub-Plot No. 1 situated at Thaltej, Tal. Daskroj, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hamendrakumar Kantilal Patel, "NILDHARA", Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association, through: Shri Vinodchandra Jethalal Patel & Other, Navrangpura; Swati Society,
  - Nirant Park House Owners Association, C/o Shri Rasikbhai R. Surti, 19, Sabarkunj Society, Ahmedabad-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 10466.50 sq. yds. bearing S. No. 76 paiki Sub-Plot No. 1—situated at Thaltej, Tal. Daskroj, Dlst. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 101/4-1-1978 and as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-İ, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 10th August 1978

Ref. No. Acq. 23-1-1465(699)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 77, Paiki Sub-Plot No. 2 Thaltej, Tal. Daskroj, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 21-1-1978 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rameshchandra Kantilal & Other, "NILDHARA", Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferors)

- (2) 1. Proposed Nirant Park House Owners Association, through: Promoter Shri Rameshbhai Nandlal Kothari & Others, Navrangpura, Minita Apartment, Ahmedabad.
  - Nirant Park House Owners Association, C/o Shri Narendra K. Patel, 10, Textile Technician Society, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 11858 sq. yds. with building bearing S. No. 77 Palki Sub-Plot No. 2 situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad, duly, registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 873 dated 21-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 10-8-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(700)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 75 Paiki Sub-Plot No. 1

Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on December, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kantilal Khushaldas Patel, "NILDHARA", Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- Proposed Nirant Park House Owners Association, through; Promoter Shri Rameshbhai Nandlal Kothari & Others, Navrangpura, Minita Apartment, Ahmedabad.
  - Nirant Park House Owners Association, C/o Shri Narendra K. Patel, 10, Textile Technician Society, Ahmedabad-9.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:

#### THE SCHEDULE

Land adm. 18876 sq. yds. with building bearing S. No. 75 Paiki Sub-Plot No. 1, situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer Ahmedabad vide sale-deed No. 871/21-1-78 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(701)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 75—Paiki Sub-Plot No. 2 Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-1-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Maniben Kantilal Patel, 'Nildhara', Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- Proposed Nirant Park House Owners Association, through Shri Narendra K. Patel, Kothari & Others, Navrangpura, Minita Apartment, Ahmedabad.
  - Nirant Park House Owners Association, through: Shri Narendra K. Patel, 10, Textile Technician Society, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 18876 sq. yds. with building bearing S. No. 75 Paiki Sub-Plot No. 2 situated at Thaltei, Daskroi, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 869/21-1-1975 and as fully described in the said Sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-8 1978

Scal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1465(702)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 77 Paiki Sub-Plot No. 1

Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 7-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—276GI/78

 Shri Hamendrakumar Kantilal Patel, 'Nildhara', Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

- Proposed Nirant Park House Owners Association, through: Promoter Shri Rameshbhai Nandlal Kothari & Others, Navrangpura, Minita Apartment, Ahmedabad.
  - Nirant Park House Owners Association, C/o Shri Narendra K. Patel, 10, Textile Technician Society, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land adm. 11858 sq. yds. with building bearing S. No. 77 Paiki Sub-Plot No. 1—situated at Thaltej, Tal. Daskroi, Dist. Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide Sale-deed No. 2-'1/7-1-1978 and as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1488(703)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. AS PER SCHEDULE

F.P. No. 195, Part of Sub-Plot No. 1 and 2 of TPS 14 situated at Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
  or any moneys or other assets which have
  not been or which ought to be disclosed by
  the transferee for the purposes of the Indian
  Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
  Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) 1. Shri Gautam Sarabhai ]

'Retreat', Shahibaug, Ahmedabad.

2. Gira Sarabhai

 Smt. Leena M. Mangaldas, Mangalbaug, Ellisbridge, Ahmedabad, Surviving Executors & trustees of the Estate of Ambalal Sarabhai.

(Transferors)

 Sarabhai Management Corporation Ltd., Shantisadan, Mirzapur Road, Ahmedabad.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An immovable property (with structure) standing on land admeasuring 4738-37 sq. metres, bearing S. No. 169, 172 and 173 F.P. No. 195, part of Sub-Plot Nos. 1 & 2 of T.P.S. No. 14 and situated at Shahlbaug, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Datc: 11-8-1978

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-598(704)/10-1/77-78,—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. R. S. No. 211, 212, 213, 214 and 215-1

situated at M.P. Shah Municipal Industrial Estate, Jammagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :---

(1) Jamnagar Mini Fertilizer Project Pvt. Ltd. Managing Director: Shri Dalicha and Manekchand Dharwada, New Super Market, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Janak Oil Industries, Through partners:

- 1. Shri Mahendrakumar Narottamdas, Patel Colony, Jamnagar.
- 2. Shri Nitinkumar Narottamdas, 6, Patel Colony, Jamnagar.
- 3. Shri Bharatkumar Manilal, 6, Patel Colony, Jamnagar.
- 4. Shri Pravinkumar Narottamdas, 6, Patel Colony, Jamnagar.
- 5. Shri Manilal Ramji, father and guardian of minors:
  - (i) Shri Rajnikant Manilal (ii) Shri Biplnkumar Manilal (iii) Shri Sanjaykumar Manilal Kanyashala Road, Bhavnad.
- Shri Narottamdas Ramji, guardian and father of Dipakkumar Narottamdas, Bhanvad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Workshop building, office, store block, foundary shed etc. standing on land admeasuring 16420.2 sq. ft. bearing R.S. No. 211, 212, 213, 214 and 215-1, Plot No. B.31, situated in M. P. Shah Municipal Industrial Estate, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 182 dated 16-1-1978.

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-8-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 11th August 1978

Ref. No. Acq. 23-1-1728(705)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 211-1, 212-A-2 and 412 Hissa No. 4 of TPS.14, FP. 275 sub-plot No. 2 situated at Dariapur Kazipur, Ahmeda-bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 17-1-1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hariprasad D. Lashkari, Power of Attorney holder of Shri Anilkumar H. Lashkari, Durgesh Bungalow, Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Kanubhai Punjalal Gajjar, 1185-1, New Asarwa, Ahmedabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 493 sq. yds. bearing S. No. 211-1, 212-A-2, and 412, Hissa No. 4, of T.P.S. 14, F.P. No. 275, sub-plot No 2, situated at Dariapur Kasipur, Near Dafnala Bus Stand. Shahibaug, Ahmedabad.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dato: 11-8-1978

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Hyderabad, the 18th August 1978

Ref. No. Acq. 23-I-1631(706)/10-1/77-78.—Whereas, I, J. KATHURIA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

City Survey No. 1-G-4, Plan No. 11, Sub-Plot Nos. 32, 33, 34 and 78 situated at Bedi Bunder Road,

Jampuri Estate, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 13-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Amba Vijaya Private Ltd., Sussex Lodge, Jamnagar.
   (2) Shri Devubha Panchanji,
- Sadodar.

(Transferor)

- (2) M/s. D. Girdharilal & Co.,
  - Through partners:

  - Through partners:
    (1) Shri Dolarrai P. Premani,
    (2) Shri Dilipbhai P. Premani,
    (3) Shri Anilbhai P. Premani,
    (4) Shri Jayeshkumar D. Premani,
    (5) Shri Girdharilal Vrajlal Pobare,
    (6) Shri Manharilal Vrajlal Pobare,
  - Grain Market, Jamnagar.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said p roperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 19165-00 sq ft. bearing City Survey No. 1-G-4; Plan No. 11; Sub-Plot Nos. 32, 33, 34 and 78 situated at Bedi Bunder Road, Jampuri Estate, Jamnagar and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 106 dated 13-1-1978.

J. KATHURIA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 18-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 11th September 1978

Ref. No. P.R. No. 611 Acq.23-1069/19-8/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Ward No. 13/4/4 paiki situated at Athwa Lines, Near Diwali Baug, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to the disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Rajan Prakashchandra Shah;
 P.A. Holder:
 Shri Prakashchandra Amichand Shah;
 Rampura, Tunki, Surat.

(Transferor)

(2) Vaibhav Apartments Coop. Housing Society Ltd., President: Pramodkumar Chagganlal Choksi; Secretary: Jashwantlal Mohanlal Mandalewala; Athwa Lines, Near Diwali Baug, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Ward No. 13/4/4 paiki situated at Athwa Lines, near Diwali Baug, Surat admeasuring 737.6 sq. yds. as described in the sale-deed registered under registration No. 596 in the month of January, 1978 by the registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11th Sep 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 6th June 1978

Ref. No. A-182/KRJ/78-79/1961-62.—Whereas, I, EGBERT SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Taluk 15025/338 Taluk Kajil situated at Ward No. 18 holding No. 176 of Karimganj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 31-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act', to the following persons namely;—

 Shri Haji Md. Abdul Hamid Choudhury, Banamali, Karimganj, Cachar (Assam).

(Transferor)

(2) Shri Sampat Lal Jain, S/o Mohan Lal Jain, Station Road, Karimganj, Cachar (Assam).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2½ Jasti (2 katta approximately) situated at Old Station Road, Karlmganj alongwith a house under Taluk No. 15025/338 in the district of Cachar, Assam (Half portion).

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 6-6-1978

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 9th June 1978

No. A-184/KRJ/78-79/1983-87.—Whereas, I, Ref. EGBERT SINGH

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Taluk No. 14780/91, 14800/114, 14865/176, 14883/156,

11610, situated at

Pargana Khushiarkul, mouza Khalacharra, Karimganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karimganj on 31-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Smt. Monorama Das

W/o Late Sarada Charan Das 2. Shri Saraj Kumar Das

3. Shii Pravath Chandra Das

4. Shri Sitangahu Sakhar Das

S/o Late Sarada Charan Das (2 to 4) Ward No. 5, Karimgani, Cachar.

(Transferor)

(2) Shri Samaresh Roy Choudhury S/o Shri Subodh Ranjan Roy Choudhury Nilmani Road, Karimganj.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 15 Katha (Bengalı) along with a house of Assam type measuring 700 Sq. ft. situated at Nilmani Road, Karimganj, District Cachar, Assam.

> EGBERT SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Shillong

Date: 9-6-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 8th September 1978

Ref. No. A-190/Gan/78-79/2334-36—Whereas, I EGBERT SINGH

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 380, K.P. Patta No. 252

situated at Mouza Ulubari, N.T. Ulubari, Gauhati, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 9-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—20—276GI/78

(1) Shri Mukh Ram Kumar, Ulubari, Gauhati.

(Transferor)

(2) 1. Ladu Gopal Agarwalla, Fancy Bazar, Gauhati,
2. Sri Ghisalal Agarwalla, Barpeta Road, District Kamrup.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 (One) Bigha of Dag No. 388, K.P. Patta No. 252 of mouza Ulubari, new town Ulubari, Gauhati, in the District of Kamrup, Assam situated at Ulubari, G.S. Road, Gauhati, Assam.

EGBERT SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date: 8-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1978

Ref. No. R-126/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One House including Land situated at Udaipur Khas Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on 27-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Ganga Devi w/o Shiv Prasad (& others).
  (Transferor)
- (2) Shri Raj Kumar s/o Ghanshyam Dass.
  (Transferee)
- (3) Smt. Ganga Devi.

  (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house including Land situate at Udalpur khas/Bareilly measuring 364.17 Sqr. meter and all that description at the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 735/78 duly registered at the office of the Sub-Registrar Bareilly on 27-1-1978.

A. S. BISEN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 6-9-1978

(1) Shri Dev Bhandari,

(Transferor)

(2) Dr. Krishan Kant Pandey.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Dr. Krishan Kant Pandey.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW.

Lucknow, the 6th September 1978

Rcf. No. 83-K/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

9-A situated at Krishan Nagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 2nd Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house bearing No. 9-A Krishan Nagar Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37-G No. 1 of 78 duly registered at the office of the Chief Sub-Registrar Lucknow on 2-1-78.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow.

Dated: 6-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAMTIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th September 1978

Ref. No. M-102/Acq.—Whereas, I. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-I, Block, 38, Civil Lines, Bareilly situated at (35/I-B, Block, Rampur Garden), Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Bareilly on 18-1-1978

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. The Ideal Cooperative Housing Society Ltd., Bareilly.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Chandra Gupta s/o late Sahu Beni Ram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property Kothi No. B-I, Block, 38-Civil Lines, Bareilly (35/I-B, B-Block, Rampur Garden), 38-Civil Lines Bareilly and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 356 duly registered at the office of Sub Registrar, Bareilly on 18-1-1978.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Dated: 6-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

#### ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 20th September 1978

Ref. No. P-66/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24, situated at Bisheshwar Nath Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Lucknow on 25-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rameshwari Garg.

(Transferor)

(2) Smt. Preetam Kumari Arora.

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A house bearing No. 24 measuring 4088 Sft. situate at Bisheshwar Nath Road, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the Sale Dced and Form 37G No. 378 which have duly been registered on 25-1-78 by the Sub Registrar, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Lucknow.

Dated: 20-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st September 1978

Ref. No. S-170/Acq.--Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 532, 532/1 including land situated at Bharauli Bazar, Distt.

Deoria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoria on 10-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) S/Shri Siaram, Gopal Krishad & Ravindra Nath. (Transferors)
- (2) S/Shri Shiv Mohan Prasad, Shakti Kumar and Pawan Kumur All Sons of Shri Satya Narain Prasad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 532-532/1 including land situate at Bharauli Bazar Distt. Deoria and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 154 duly registered at the office of the Sub-Registrar, Deoria.

> AMAR SINGH BISEN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Lucknow.

Dated: 21-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.I/SR-III/263/Jan.8/77-78/2947.—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

D-89 situated at Kalkaji, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. L. S. Shahani (Smt. Lachmi Bai S. Sabni) w/o late Shri Sirumal Shahani c/o Shri G. P. Shahani, R/o R-115, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Shri M. L. Mukhi s/o late Mukhi Mahesh Chand and Mrs. Nirmal Kumari w/o Mr. M. L. Mukhi R/o E-593, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A piece of land bearing No. 89, Block No. D mensuring 453 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 16-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001.

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq. I/SR-III/264/Jan.9/77-78/2947.—Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

244 situated at C-Block, Defence Colony, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Bal Kishan Kapoor (HUF) through Mr. Bal Kishan Kapoor for self und as a Karta of the said HUF (2) Dewan Ranjit Rai Kapoor s/o Shri Dewan Daulat Rai Kapoor R/O C-96, Defence Colony, New Delhi.

(Transferors)

(2) Smt. Asha Nath w/o Mr. Achal Nath R/O D-885, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed building constructed on a plot of land bearing No. C-244, measuring 325 sq. yds. situated at Defence Colony, New Delhi and bounded as under:

North: Service Lane. South: Road.

East: Property No. 245. West: Property No. 243.

> J. S. GILL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income:tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 16-9-1978

#### FORM ITNS ...-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.O. Acq.I/SR·III/376/March/78-79/2947.---Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

54, Golf Links situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi, on 21-3-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—276GI/78

(1) M/s. United Hotel Pvt. Ltd. Hotel Ambassador, Sujan Singh Park through their Managing Director Shri Ram Pershad s/o late Shri Beni Pd. R/o J-14, Hauj Khas, New Delhi.

(Transferor)

(2) Spiritual Regeneration Movement Foundation, Shankaracharya Nagar, Rishikesh (UP) through their Secretary 1. Shri Profulla Shrivastava s/o Shri IBL Srivastava & Sh. SP Gupta s/o Sh. Ramphal Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed bungalow with two garages and servant quarters built on a lease-hold residential plot of land bearing No. 54, measuring 1.524,7 sq. yds. situated in Block No. 10 in the residential colony known as Golf Links, New Delhi.

J. S. GILL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dated: 16-9-1978

Şeal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 16th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.I/SR-JII/377/March/78-79/2947/2947 Whereas, I, J. S. GILL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55, Golf Links, situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 19-3-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Smt. Bimla Devi w/o Sh. Ram Pd. R/O J-14, Hauz Khas, N. Delhi, Sh. Rajinder Kumar s/o Ram Pd. R/O J-14, Hauz Khas, N. Delhi, Sh. Pawan Pd. s/o Sh. Ram Pd. R/O of J-14, Haus Khas, N. Delhi, Smt. Veena Khanna, w/o Sh. Anil Kumar Khanna R/O 873, Soami Nagar, N. Delhi.

(Trænsferors)

(2) The Mahila Dhyan Vidya Peeth (D-124 Defence Colony, N. Delhi) through its Vice-President (Miss Kirti Srivasta R/O Sh. I. B. L. Srivastava) General Secretary (Miss Anjuli Narundker, daughter of Sh. R. P. Nargunskar).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storeyed bungalow with two garages and servant quarter built on a lease-hold residential plot of land bearing No. 55 and measuring 1514 sq. yds. situated in Block No. 10 in the residential colony known as Golf Links, New Delhi.

J. S. GILL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi,

Dated: 16-9-1978

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 14th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq. II/Jan. 55/3551/7879/2934,---Whereas, I, KANWARJIT SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

WZ-8 situated at Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Rajinder Singh & Surinder Singh sons of Shri Sohan Singh r/o WZ-8/6&7 Akal Bldg., Kirti Nagar,

(Transferors)

(2) Shri Harbans Singh Juneja s/o S. Tirath Singh Juneja r/o c/o K-III, Kirti Nagar, New Delhi.

(3) M/s. R. K. Sons Lable Co. [Person(s) occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms expressions and used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. WZ-8 which is commercial also area 65 sq. yds. having one Shed situated at Industrial Area, Kirti, Nagar, Akal Bldg., vill. Basai Darapura, Delhi State is as under:—

East: 15 ft. Road.

West: 3 ft. Lane. North: Property of Shri Kalra.

South: 6 ft. Road.

KANWARJIT SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II, New Delhi

Dated: 14-9-1978.

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/Jan.9/3514A.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

43/22, situated at East Patel Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the New Delhi, on 28-12-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (28 of 1957);

Nok therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpa Vati w/o Sh. Mela Ram R/o 43/22, East Patel Nagar, New Delhi-8.

(Transferor)

(2) Smt. Shobha Marwah w/o Shri D. B. Marwah R/o 33/21, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the day of the publication of this notice in the Officia Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A Govt. built house bearing No. 43/22 situated at East Patel Nagar, New Delhi measuring 200 sq. yds. is bounded as under:

East: Govt. Built Qr. No. 43/22.

West: Road. North: Road. South: Lane.

KANWARJIT SINGH.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 23-9-1978

## FORM JTNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJ,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001 New Delhi, the 22nd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/3522/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G-9 situated at Mansrover Garden, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Som Nath (2) Pran Nath (3) Krishan Lal & (4) Madan Lal s/o L. Kirpa Ram r/o B-165 Subhadra Colony, Old Robtak Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balvinder Singh s/o S. Gopal Singh and Smt. Jasbir Kaur w/o S. Gopal Singh r/o J-62 Kirti Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. G-9 area 403 sq. yds. Mansrover Garden, Basai Dara Pur Vill falling within limit of Municipal Corp. of Delhi, Delhi State is situated as under:

East: Plot No. G-10. West: Plot No. G-8.

North: Lane, South: Road,

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 22-9-1978

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/Jan.24/D-I/3526,---Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 7-A, situated at Azad Market, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on 4-11-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Parmeshwari window of Sh. Daulat Ram for self and on behalf of minor daughter Miss Daya R/O 3/50, old Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sudesh Kumar and Vinod Kumar sons of Shri Jagdish Raj R/o 11/42, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A shop No. 7-A, situated in Azzad Market, Delhi measuring 23.1 sq. yds. which is bounded as under:

East: Road.

West: Shop No. 7. North: Library Road.

South: Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 23-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 19th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/D-I/Jan 80/3569.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2670 situated at Main Bazar, Shadipur, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfrred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi, on 24-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Aca, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhim Singh s/o Shri Kuria R/o 2668, Shadipur. New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Wanti d/o Sh. Nand Lal w/o Shri Mukandlal, R/o 2620, Shadipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The shops, stair case (G.F) and two rooms on the 1st floor and three shops and two rooms stair case (F.F.) and three rooms on the first floor measuring 150 sq. yds. situated at Shadipur, New Delhi bearing No. 2668 which is bounded as

Fast: Property No. 2672-73-74. West: Main Bazar, Shadipur, New Delhi.

North: Remaining property of Vendor No. 2670. South: Property No. 2669

KANWARJIT SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 19-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 20th September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/D-I/Jan-81/3570.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2668, situated at Shadipur, New Delhi,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 24-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhim Singh s/o Shri Kuria R/o 2668, Shadipur, New Delhi.

(Transferor)

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Wanti d/o Sh. Nand Lal w/o Shri Mukand Lal, Resident of 2620, Shadipur, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Five shops, courtyard with enclosure of the property bearing No. 2668, Shadipur New Delhi measuring 140 sq. yds. which is bounded as under:

East: Part of property No. 2668 of the Vendor, West: Main Bazar.

North: Part property of the Vendor. South: 2667/XVIII, Shadipur, New Delhi.

> KANWARJIT SINGH, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 20-9-78

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Rcf. No. IAC/Acq.II 3545/78-79/7979.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

41 and 42 situated at Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 13-1-1978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or othe assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

22-276GI/78

(1) Shri Narender Kumar Jain s/o Sh. Raijada Inder Sain Jain Svs. Mahipal Jain, Vijay Pal Jain s/o Sh. Narender Kumar Jain r/o 291 Topkhana Bazar, Meerut Cantt. (U.P.).

(Transferor)

(2) M/S Photo deals by 877 Lajpat Rai Market, Delhi by partner Shri Amrit Lal s/o Sh. Amin Chand r/o A-51, N. D. E., Part-II, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One four storeyed bldg, Municipal No. 4/41-42 area 35.1/2 Chandni Chowk is as under:—

East: Shop No. 40 of Shri K. S. Mathur etc.

West: Shop No. 42 on Ground Floor and adjacent thereto Lakhshmi Building property of Shri Chand Jain etc.

North: Chandni Chowk Bazar.

South: Property of Smt. Rukmani Devi w/o Shri Budh Ram.

KANWARJIT SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 22-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd September 1978

Rcf. No. IAC. Acq.11/3549/78-79,---Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-175-176 situated at Subhadra Colony, Sarai Rohilla, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 16-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh. Mohan Lal s/o Pt Mehar Chand r/o B-175-176, Subhadra Colony, Sari Rohilla, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jugal Kishore Chhabra s/o Shri Diwan Chand r/o B-175-176 Subhadra Colony, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lense hold property No. B-175-176 area 124 sq. yds. Subhadra Colony, Sarai Rohilla, Delhi is situated as under:—

East: G.P.B. (Govt. built property).

West: Govt. built property.
North: Road.
South: Road and Park.

KANWARJIT SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 23-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd September 1978

Ref. No. I.A.C. Acq.II/Jan.89/3574.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1-A, situated at Flat Staff Road, Civil Lines, Delhi-110054 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on 11th Jan. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ruth Prawar Jhabvala w/o Shri C.S.H. Jhabvala R/o 1-A, Flat Staff Road Civil Lines, Delhi.

  (Transferor)
- (2) Dr. Satish K. Rohtagi s/o Sh. Moti Ram Dr. Ratan Rohtagi w/o Dr. Satish K. Rohtagi through their general attorney Sh. J. B. Kashyap, Sh. Chander Mohan Rohtagi s/o Sh. Moti Ram through his G.A. Sh. Moti Ram R/o 39, Rapur Road, Flat No. 2, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgived—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing municipal No. 1-A, situated at Flag Staff Road, Civil Lines, Delhi measuring 1423.60 sq. mtrs. which is bounded as under:

East: Property of Sh. Bhola Shankar No. 1-B, Flag Staff Road.

West: Property No. 1 Flag Staff Road.

North: Other's property. South: Flag Staff Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 23-9-78

#### FORM ITNS \_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Ref. No. IAC.Acq.II/669/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

A-4/7 situated at Krishan Nagar, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ramesh Kumar Gupta s/o Sh. Bhagat Ram r/o A-4/7 Krishan Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Kumar Gupta s/o Sh. Gaya Smt. Saroj Gupta w/o Sh. Krishan Kumar Gupta r/o House No. 305 Old Post Office Street, Shahdara, Delhi-110032.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A plot of land No. A-4/7 area 133-33 sq. yds. (i.e. equat to 111-48 sq. meters) r/o Krishan Nagar Colony, Village Gondli, Shahdara falling within the limits of Municipal Corporation of Delhi is as under:—

East: Plot No. A-4/8 house,

West: Remaining part of Plot No. A-4/7.

North: House on Plot No. A-3/7.

South: Road,

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhl.

Dated: 22-9-78

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1977

Ref. No. IAC.Acq.11/670/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- an bearing No.

A-4/7 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 9-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramesh Kumar s/o Sh. Bhagat Ram r/o A-4/7 Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Bishan Kumar Gupta 2. Rajender Prasad Gupta 3. Suresh Kumar Gupta sons of Sh. Gaya Prasad Gupta r/o House No. 305 (old No. 287) Old Post Office Street, Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

(3) Smt. Suhagwanti Vidya.

[Persons(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersgined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot area 100 sq. yds. (Total area 233.33 sq. yds.) bearing No. A-4/7, Khasra No. 578/528 situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi-51 is as under:—

East: Plot No. A-4/7 remaining part, West: House on Plot No. A-4/6, North: Plot No. A-3/7 House, South: Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 22-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Ref. No. IAC.Acq.II/672/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 414, 417 and 418 situated at Jheel Kurenja, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on January 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Narain Khanna s/o Shri Narain Dass r/o 820 Nai Sarak, Delhi-6.

Transferor)

(2) Shri Jitender Nath s/o Sh. Bakshi Sain Dass, r/o 418 Chiragah Janubi, Jheel Kurenja, Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Sat Pal Chopra, Anand Prakash, Bodh Raj, M/S Manmohan Wool Shop, Roshan Lal Vohra, M/S Ashok Bond Co. Bishan Mohan, Guptaji (Tea Shop), M/S Auto Part Shop, M/S Car Mating Shop.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A built house area 555 sq. yds. on lease hold plot bearing No. 414, 417 and 418 on D.D.A. land situated in Jheel Kurenja, Shahdara, Delhi-51 is as under:—

East: Road.

West: Property of others. North: Road 10 ft. wide. South: Main Road.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 22-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Iqbal Singh s/o S Balwant Singh & S. Balwant Singh s/o S. Thakur, Singh 167, Keventar Dairy Form Jheel Kuranjha, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand Arora s/o Sh. Ladha Ram R/o B-5/26, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 23rd September 1978

Ref. No. IAC. D.IV/Acq.II/Jan.14/676,—Whereas, I, KANWARJIT SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C-9/18, Krishnan Nagar situated at Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi, on 20-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A residential plot bearing No. C-9/18 measuring 466 sq. yds. situated in Abadi Krishan Nagar, village Ghondh walch is bounded as under:—

East: Plot No. C-10/13.

West: Road.

North: Plot No. C-9/19.

South: Remaining portion of plot No. C-9/18.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 23-9-78

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the 22nd September 1978

Ref. No. IAC. Acq.II/3635/78-79.—Whereas, I, KANWARJIT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 284, 285 & 287, situated at Fatehpuri, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri L. Gen. J. S. Deloon s/o Sh. S. B. Inder Singh r/o W-146 Greater Kailash, New Delhi, who is General Attorney of Sh. Patwant Singh s/o Shri Manohar Singh r/o 11, Retendon Rd., N. Delhi & Smt. Gurdip Kaur w/o Sh. Nonihal Singh r/o 57, Kaka Nagar, New Delhi.

('Transferor)

(2) Shri Manohar Lal <sub>8</sub>/o Shri Diwan Chand, r/o 208 Katra Barian, Fatehpuri, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold property of which 1st & 2nd storey of House No. 288/1-2 and Shop No. 284, 285 & 286 area 190 sq. yds. situated in Ward No. 6, Fatehpuri, Delhi. is as under:—

East: Mercantile Bank of India & way of property of Shrimati Ganga Devi and Shri Har Dayal.

West: Fatehpur Road.

North: Shop No. 287 and property of Successors of Mehboob Illahi,

South: Passage.

KANWARJIT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated: 22-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE

SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 8th September 1978

Ref. No. JDR/40/77-78.—Whereas I, E. K. KOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/2 share of factory known as Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamunanagar situated at Yamunanagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in January 1978,

for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assts which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri Prem Nath s/o Shri Jvoti Parshad R/o Radaur, Teh. Jagadhari.

2. Shri Janardhan Dass s/o S R/o Kunjpura, Teh. Karnal. Shri Ram Parshad

3. Shri Om Parkash s/o Shrl Ram Gopal, R/o Ladwa, Teh. Thanesar.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shanti Rani w/o Shri Chuni Lal.

 Shri Chuni Lal 1/0 Shri Gurditta Mal.
 Shri Rohtas Kumar s/o Shri Behari Lal c/o M/s. Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/2 share of factory known as Milap Silicate Factory, E-33, Industrial Area, Yamunanagar. (Property as mentioned in the sale deed registered at sl. No. 3752 in January 1978 with the Sub-Registrar,

Jagadhari).

E. K. KOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-9-1978.